बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
रविवार 28 सितम्बर 2025
आश्विन शुक्ल 07 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 08
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

तमिलनाडु में एक्टर विजय की रैली में भगदड़, 31 मौतें

मरने वालों में 6 बच्चे, 16 महिलाएं; 9 साल की बच्ची के गुमने की खबर से बेकाबू हुई भीड़

करूर। तमिलनाडु के करूर में एक्टर विजय की रैली में शनिवार शाम को भगदड़ मच गई। इसमें 31 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 16 महिलाएं, 9 पुरुष और 6 बच्चे शामिल हैं। तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री एम ए सुब्रमणियन ने यह जानकारी दी। हादसे में 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए। आशंका जताई जा रही है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है।

जानकारी के मुताबिक अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कजगम यानी ऊझगम की रैली में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। बताया गया है कि 9 साल की एक बच्ची गुम गई थी। विजय ने मंच से उसे तलाशने की अपील पुलिस और अपने लोगों से की, जिसके बाद वहां भगदड़ जैसे हालात बन गए।

भीड़ में फंसने से कई लोगों को सांस लेने में परेशानी हुई और कई लोग और कार्यकर्ता बेहोश होने लगे। हालात बिगड़ते देख विजय ने भाषण रोक दिया और लोगों से शांति की अपील की। इसके बाद वे भाषण छोड़कर निकल गए।

विजय की रैली के लिए 10 हजार लोगों की परमीशन थी। प्रशासन को 50 हजार लोगों के जुटने का अनुमान था, लेकिन वहां करीब 1 लाख 20 हजार लोग एकत्र हो गए थे।

खास खबर

मैरी कॉम के घर पर चोरी

नई दिल्ली। बॉक्सिंग लीजेंड मैरी कॉम के दिल्ली स्थित घर में शनिवार को चोरी हो गई है। मैरी कॉम मेघालय के सोहरा में आयोजित मैराथन कार्यक्रम में शामिल होने गई थीं जब ये घटना घटी। कार्यक्रम के आयोजकों ने मैरी कॉम को इसकी जानकारी दी। चोर मैरी कॉम के घर से क्या सामान ले गए हैं इसकी जानकारी अभी नहीं मिल पाई है। मैरी कॉम मणिपुर की रहने वाली हैं और देश की सबसे सम्मानित खिलाड़ियों में से एक मानी जाती हैं। मुक्केबाजी में वह 6 बार वर्ल्ड चैंपियन रह चुकी हैं।

जज की बेटी समेत 5 दोस्तों की मौत

अलीगढ़। यूपी के अलीगढ़ की थार का हरियाणा के गुरुग्राम में भीषण एक्सीडेंट हो गया। तेज रफ्तार कार 100 की स्पीड में डिवाइडर से जा टकराई। हादसे के समय गाड़ी में छह लोग सवार थे। इसमें 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मरने वालों में 3 युवतियां और 2 युवक हैं। हरियाणा पुलिस के मुताबिक, इनमें एक रायबरेली के जज की बेटी है। हादसा शनिवार सुबह करीब 4.30 बजे हुआ। अलीगढ़ नंबर की थार दिल्ली से झाड़सा चौक के एग्जिट नंबर 9 से नीचे की तरफ उतर रही थी। तभी ड्राइवर ने गाड़ी से कंट्रोल खो दिया। इसके बाद कार सीधे डिवाइडर में जा भिड़ी। गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

विदेशियों के लिए भारत का डिजिटल अराइवल कार्ड

नईदिल्ली। भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने विदेशी यात्रियों के लिए डिजिटल अराइवल कार्ड शुरू करने का फैसला किया है। यह सुविधा 1 अक्टूबर से लागू हो जाएगी। विदेश से आने वाले यात्री को ऑनलाइन डिजिटल अराइवल कार्ड,से वह भारत का वीजा प्राप्त कर सकेंगे। गृह मंत्रालय ने विदेशी यात्रियों की सुविधा के लिए ब्यूरो आफ इमीग्रेशन वीजा वेबसाइट की शुरुआत की है। इसका नाम इंडियन वीजा सुस्वागतम रखा गया है (यात्रा से 72 घंटे पहले भारत का वीजा ऑनलाइन प्राप्त किया जा सकता है। पुराने पेपर फॉर्म को अभी 6 माह तक जारी रखा जाएगा। इसके बाद इसे बंद कर दिया जाएगा।

मप्र में बनेगा देश का सबसे बड़ा गोवंश वन्य विहार

भोपाल। मध्य प्रदेश के दमोह जिले में देश का सबसे बड़ा गोवंश वन्य विहार बनने जा रहा है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य सड़कों पर घूम रहे निराश्रित मवेशियों को सुरक्षित आश्रय प्रदान करना है। पशुपालन मंत्रालय और मुख्यमंत्री ने भी इस प्रोजेक्ट को हरी झंडी दे दी है।

कुछ ना कहना

मतदाता सूची : चुनाव आयोग पर चला सुप्रीम कोर्ट का डंडा, लगाया 2 लाख जुर्माना

नई दिल्ली। मामला है उत्तराखंड के स्थानीय निकाय चुनावों में ऐसे प्रत्याशियों के नाम खारिज करने का जिनके नाम दो जगह की मतदाता सूची में अंकित है। चुनाव आयोग के तय प्रावधानों के हिसाब से ऐसे प्रत्याशियों की उम्मीदवारी रद्द होनी चाहिए। लेकिन शिकायतों के बाद भी जब उस पर स्थानीय इलेक्शन सीईओ ने कार्रवाई नहीं की तो मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के नियमों की व्याख्या करते हुए इस बात के लिए कड़ी फटकार लगाई कि पावधानों की गलत व्याख्या की जा रही है।

सर्वोच्च न्यायालय ने उत्तराखंड राज्य चुनाव आयोग पर 2 लाख रुपये जुर्माना लगाया है। यह फैसला उस विवादित स्पष्टिकरण के खिलाफ है, जिसमें आयोग ने कहा था कि यदि किसी व्यक्ति का नाम दो अलग-अलग मतदाता सूची में दर्ज हो, तो वह नामांकन को खारिज करने का कारण नहीं बनता। इस फैसले ने चुनाव प्रक्रिया, मतदाता सूची की विश्वसनीयता और विधिक सीमाओं पर बहस को तूल दे दिया है।

बता दें कि राज्य चुनाव आयोग ने एक लिखित स्पष्टीकरण जारी किया कि यदि किसी दावेदार का नाम दो मतदाता सूचियों (पंचायत, नगरपालिका, विधानसभा क्षेत्र आदि) में हो, तो उसे नामांकन की प्रक्रिया से बाहर नहीं किया जाना चाहिए। विरोध में, याचिकाकर्ता ने यह दलील दी कि उत्तराखंड पंचायती राज अधिनियम, 2016 की धारा 9(6) और 9(7) स्पष्ट हैं। एक मतदाता को दो मतदाता सूची में नाम दर्ज करने की अनुमति नहीं है। उच्च न्यायालय ने प्रारंभ में आयोग के स्पष्टीकरण पर स्थगन का आदेश दिया। आयोग ने यह आदेश सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, लेकिन आज की सुनवाई में उसे शिकस्त मिली। सुप्रीम कोर्ट ने इस स्थिति को स्वीकार नहीं किया और कहा कि एक प्रशासनिक स्पष्टीकरण विधि की स्पष्ट धाराओं को पार नहीं कर सकता। यदि कानून साफ कहता है कि दो मतदाता सूची में नाम नहीं हो सकता, तो उसका उलट स्पष्टिकरण कानून को दरकिनार नहीं कर सकता। इसलिए अदालत ने आयोग पर 2 लाख रुपये का जुर्माना लगाया और उसे स्पष्ट निर्देश दिया कि भविष्य में ऐसी अव्यवस्थित व्याख्याएँ दिए जाने से पहले विधि का पुनरीक्षण करें।

लद्दख के डीजीपी का सनसनीखेज खुलासा

पाकिस्तानी एजेंट के संपर्क में थे सोनम वांगचुक...

लेह। लद्दाख के पुलिस महानिदेशक एसडी सिंह जामवाल ने शनिवार को दावा किया कि केंद्र शासित प्रदेश को राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर भूख हड़ताल का नेतृत्व करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के पाकिस्तान से संबंध हैं और उन्होंने पड़ोसी देशों की उनकी यात्राओं को लेकर चिंता जताई। लेह में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए डीजीपी जामवाल ने खुलासा किया कि पुलिस ने एक पाकिस्तानी इंटेलिजेंस ऑफिसर को गिरफ्तार किया है जो कथित तौर पर वांगचुक के संपर्क में था।

लद्दाख के पुलिस महानिदेशक ने कहा कि हमने हाल ही में एक पाकिस्तानी इंटेलिजेंस ऑफिसर को गिरफ्तार किया है जो यहां से जानकारी इकट्ठा करके इस्लामाबाद भेज रहा था। हमारे पास इसका रिकॉर्ड है। वह (सोनम वांगचुक) पाकिस्तान में डॉन (पाकिस्तान का प्रमुख अंग्रेजी अखबार) के एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। वह बांग्लादेश भी गए थे। इसलिए उन पर बड़ा सवालिया निशान है। मामले की जांच की जा रही है।

डीजीपी एसडी सिंह जामवाल ने सोनम वांगचुक पर 24 सितंबर की घटनाओं के दौरान लेह में हिंसा भड़काने का आरोप लगाया। जब प्रदर्शनकारियों द्वारा हिंसा और आगजनी का सहारा लेने, स्थानीय भाजपा कार्यालय और कुछ वाहनों को आग लगाने के बाद कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और लगभग 80 अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा कि सोनम वांगचुक का भड़काने का इतिहास रहा है। उन्होंने अपने भाषणों में अरब स्प्रिंग, नेपाल और बांग्लादेश का जिक्र किया है। एफसीआरए उल्लंघन के लिए उनके फंडिंग की जांच चल रही है। लेह में अशांति के पीछे विदेशी हाथ होने के बारे में पूछे जाने पर, लद्दाख के पुलिस प्रमुख ने कहा कि जांच के दौरान दो और लोगों को पकड़ा गया है, तो मैं नहीं कह सकता। इस जगह पर नेपाली लोगों के मजदूरी करने का इतिहास रहा है, इसलिए हमें इसकी जांच करनी होगी।

अररिया में केंद्रीय मंत्री शाह का ऐलान...इस बार बिहारवासियों को चार दीवाली मनानी

चुन-चुनकर, एक-एक घुसपैठिए को देश से बाहर किया जाएगा

अररिया। बिहार विधानसभा चुनाव में तारीखों के ऐलान के पहले प्रदेश में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। राजनीतिक पार्टियां अपनी पूरी ताकत चुनाव में झोंक दे रही है। शनिवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बिहार के अररिया दौरे के दौरान चुनावी अभियान का आगाज किया। अररिया में जनसभा को संबोधित कर उन्होंने बिहार के चुनाव को लेकर इस बार चार दीपावली मनाने का संदेश दिया है।

केंद्रीय मंत्री शाह ने जनसभा में 'जय श्रीराम' के नारे लगवाकर कहा कि बीजेपी चुन-चुन कर एक-एक घुसपैठिया को देश से बाहर करेगी। केंद्रीय गृहमंत्री ने लालू प्रसाद के जंगलराज की आलोचना करते हुए कहा कि जब वे सत्ता में थे, तब राम मंदिर के निर्माण में देरी की गई। मोदी सरकार ने अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनवाया, जल्द ही वहां ध्वजा भी लगेगी। 550 साल से रामलला तम्बू में थे।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि इस बार दीपावली में जो भी चीज खरीदें, हम लोग को सुनिश्चित करना चाहिए कि वह स्वदेशी सामना हो। इस बार बिहारवासियों को चार दीवाली मनानी है। उन्होंने चार दीवाली के बारे में विस्तारपूर्वक बताते हुए, कहा कि पहली दीवाली जब प्रभु श्रीराम अयोध्या लौटे थे। दूसरी दीपावली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल 75 लाख जीविका दीदियों के खाते में 10,000 रुपये भेज दिए। तीसरी दीवाली जीएसटी में 395 से ज्यादा चीजों के दाम कम या शून्य कर दिए गए है। चौथी दीवाली बिहार चुनाव में एनडीए-बीजेपी की सरकार 160 से ज्यादा सीटों के साथ बनने के बाद होगी।

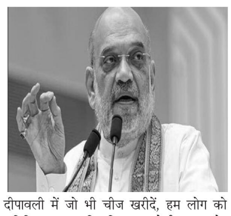

शाह ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और लालू प्रसाद यादव पर तीखा हमला कर कहा कि ये दोनों घुसपैठियों को बचाना चाहते हैं, जबकि बीजेपी घुसपैठियों को देश से बाहर निकालना चाहती है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की यात्रा से चुनाव आयोग की मतदाता सूची से घुसपैठियों के नाम कट रहे हैं। शाह ने कहा, राहुल गांधी कान खोलकर सुन लें, बिहार हो या देश का कोई भी कोना, बीजेपी का संकल्प है कि चुन-चुनकर एक-एक घुसपैठिए को देश से बाहर किया जाएगा। इस मौके पर शाह ने मोदी सरकार की कई उपलब्धियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि धारा 370 हटाना, तीन तलाक समाप्त करना, सीएए से हिंदू शरणार्थियों को नागरिकता देना, और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण मोदी सरकार की बड़ी सफलताएं हैं।

बरेली बवाल पर योगी की दहाड़...मौलाना भूल गया प्रदेश में किसकी सरकार, सारी गर्मी निकल दी जाएगी

योगी का अधिकारियों को निर्देश, एक भी उपद्रवी बचने न पाए

लखनऊ। उत्तरप्रदेश के बरेली जिले में शुक्रवार को मौलाना तौकीर रजा के पैदल मार्च के ऐलान पर निकली भीड़ को रोकने के बाद बवाल मच गया। भीड़ की ओर से पथराव और फायरिंग में 10 पुलिसकर्मियों सहित कुछ लोग घायल हुए। पुलिस ने लाठीचार्ज और अन्य उपायों से तीन घंटे में बवाल पर काबू पाया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार देर रात लखनऊ में कानून-व्यवस्था की समीक्षा की जिसमें अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के आदेश देकर इतना तक कह दिया कि दशहरा का पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। उपद्रवियों पर कार्रवाई के लिए किसी और समय का इंतजार न करें, यही सही समय है।

सीएम योगी ने पुलिस के आला अधिकारियों से कहा था कि एक भी उपद्रवी बचने न पाए। इसके बाद से बरेली में ताबड़तोड़ एक्शन शुरू हो गया है। वहीं शनिवार को लखनऊ में एक कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी बरेली बवाल पर एक बार फिर गरजे। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना कहा, 'आपने देखा होगा कल बरेली के अंदर, मौलाना भूल गया कि शासन किसका है। मौलाना ये मानता था कि धमकी देगा और हम जबरदस्ती जाम कर कर दिया जाएगा। हमारी सरकार ने कहा जाम नहीं होगा। कर्फ्यू भी नहीं लगेगा। लेकिन कर्फ्यू का सबक तुम्हें ऐसा सिखा दिया जाएगा कि तुम्हारी आने वाली पीढ़ी दंगा करना भूल जाएगी।'

सीएम योगी ने कहा कि ये लोग सिस्टम को ब्लॉक करना चाहते हैं। 2017 से पहले यूपी में यही होता था। हम कह सकते हैं कि 2017 के बाद हमारी सरकार ने कर्फ्यू भी नहीं लगने दिया लेकिन इसतरह के बैरियर को चुन-चुन कर वे जिस प्रकार की भाषा से समझते थे उस प्रकार की भाषा से उन्हें समझाकर उनके किए की सजा दिलाने का काम भी किया गया। उत्तर प्रदेश की ग्रोथ स्टोरी यहीं से शुरू होती है। बता दें कि बरेली में अब तक 50 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। उपद्रवियों की धरपकड़ और एक्शन का सिलसिला जारी है।

दरअसल बरेली में आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां ने 21 सितंबर को वीडियो संदेश जारी कर कानपुर में अपने समाज के युवाओं पर झूठी कार्रवाई का आरोप लगाकर 26 को प्रदर्शन करने का ऐलान किया था। गुरुवार रात इजाजत नहीं मिलने का हवाला देकर प्रदर्शन को रद्द कर दिया गया। लेकिन शुक्रवार की सुबह मौलाना ने फिर वीडियो संदेश जारी कर लोगों से इस्लामिया मैदान आने की अपील कर दी। वीडियो वायरल होने के बाद ही नमाज के बाद वहां भीड़ जुटने लगी। इसी दौरान उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव कर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की।

सोनीपत में देर रात भूकंप से थर्राई धरती, 3.4 तीव्रता के झटके

चंडीगढ़। हरियाणा के सोनीपत में बीती रात भूकंप के झटके महसूस किए गए। शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात करीब 1 बजकर 47 मिनट पर धरती हिली तो लोग नींद से जाग गए और घबराकर घरों से बाहर निकल आए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 3.4 मापी गई है। भूकंप का केंद्र सोनीपत ही बताया गया है। अचानक धरती हिलने से इलाके में दहशत का माहौल बन गया। लोग सुरक्षित स्थानों की ओर निकल आए, हालांकि थोड़ी देर बाद हालात सामान्य हो गए। राहत की बात यह रही कि झटके हल्के थे और किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना सामने नहीं आई है।

इससे पहले जुलाई में भी हरियाणा में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए थे। उस समय तीव्रता 3.3 थी और भूकंप का केंद्र रोहतक शहर से लगभग 17 किलोमीटर दूर बताया गया था। उस जुलाई महीने में कई बार भूकंप के झटकों ने लोगों को डरा दिया था। विशेषज्ञों का कहना है कि हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर का इलाका सिस्मिक जोन-4 में आता है, जिसे मध्यम से उच्च जोखिम वाला क्षेत्र माना जाता है। यह इलाका हिमालयी टकराव क्षेत्र से करीब 250 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेट्स की टकराहट से लगातार ऊर्जा जमा होती रहती है, जो समय-समय पर भूकंप के झटकों के रूप में बाहर निकलती है।

बैंकों को 15 दिन में करना होगा क्लेम सेटलमेंट

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने क्लेम सेटलमेंट के नियमों को रिवाइज किया है। नए नियमों के मुताबिक बैंकों को अपने मृतक ग्राहक के बैंक अकाउंट या लॉकर के क्लेम को 15 दिन में सेटल करना होगा। अगर, इसमें देरी हुई तो नॉमिनी को मुआवजा देना होगा।

सेंट्रल बैंक के नई गाइडलाइन से बैंकों के अलग-अलग सेटलमेंट का नियम एक हो जाएगा, जिससे कस्टमर्स के क्लेम का निपटारा आसानी से हो सकेगा। आरबीआई ने कस्टमर सर्विस को सुधारने के लिए डॉक्यूमेंटेशन को भी स्टैंडर्डाइज्ड करने का फैसला किया है। नया नियम देश के सभी बैंकों को 31 मार्च 2026 से पहले लागू करना होगा। आरबीआई ने नए नियम जारी किए, इनका मकसद बैंकों में अलग-अलग चल रही सेटलमेंट प्रोसेस को एकसमान करना और कस्टमर सर्विस को बेहतर बनाना है। साथ ही, जरूरी दस्तावेजों को स्टैंडर्ड करके प्रक्रिया को आसान बनाना है।

हाईड्रोजन बम फोड़ने की धमकी देकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अमेरिका रवाना

नई दिल्ली। वोट चोरी मामले में केंद्र की मोदी सरकार से लगातार पंगा ले रहे कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने करीब एक सप्ताह पहले आरोपों का हाईड्रोजन बम फोड़ने की धमकी दी थी। उनकी इस धमकी से जहां भाजपा की धड़कने बढ़ी थीं वहीं इंडिया गठबंधन के दलों को भी टकटकी लगी हुई थी कि आखिर ये कौन सा बम आने वाला है। ये हाईड्रोजन सार्वजनिक होता इससे पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अमेरिका दौरे पर रवाना हो गए हैं। दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप के चार देशों की यात्रा पर रवाना हुए गांधी वहां के प्रमुख नेताओं, छात्रों और व्यापारियों से मुलाकात एवं संवाद का कार्यक्रम है।

कांग्रेस का कहना है कि राहुल गांधी का यह अभियान इस परंपरा को जारी रखते हुए व्यापार, प्रौद्योगिकी और लोगों के बीच आदान-प्रदान में सहयोग के नए रास्ते खोल रहा है। पार्टी ने यह भी कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को आकार देने और भारत की वैश्विक उपस्थिति को आगे बढ़ाने में भारत के लोकतांत्रिक विपक्ष की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह जानकारी दी। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष का यह विदेश दौरा कितने दिनों का है। खेड़ा ने एक्स पर पोस्ट किया, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी दक्षिण अमेरिका की यात्रा पर रवाना हुए हैं।

आर वेंकटरमणि दोबारा बने अटॉर्नी जनरल

नई दिल्ली। भारत सरकार ने सीनियर एडवोकेट आर वेंकटरमणि को एक बार फिर देश का अटॉर्नी जनरल नियुक्त किया है। उनका नवीन कार्यकाल दो साल का होगा, जो 1 अक्टूबर 2025 से शुरू होकर 30 सितंबर 2027 तक चलेगा। सीनियर एडवोकेट वेंकटरमणि, जो 75 वर्ष के हैं, का मौजूदा तीन साल का कार्यकाल 30 सितंबर 2025 को समाप्त हो रहा है। उन्हें पहली बार 30 सितंबर 2022 को इस पद पर नियुक्त किया गया था। उन्होंने उस समय केके वेणुगोपाल की जगह ली थी। संवैधानिक और कानूनी मामलों में वेंकटरमणि की गहरी विशेषज्ञता को देखते हुए केंद्र सरकार ने उन्हें फिर से यह जिम्मेदारी सौंपी है।

सावधान तिरोड़ी थाना प्रभारी सो रहे है
गांव-गांव में बिक रही देसी-विदेशी, कच्ची शराब

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों में किसी भी प्रकार की अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाना पुलिस की एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, जो कानून व्यवस्था बनाए रखने, जनस्वास्थ्य की रक्षा करने और सामाजिक शांति सुनिश्चित करने से जुड़ी होती है. मगर, तिरोड़ी थाना क्षेत्र में पुलिस अपनी इस जिम्मेदारी से बच रही है. नतीजा गांव-गांव में देसी-विदेशी से लेकर कच्ची शराब भरमार तरीके से बिक रही है. तिरोड़ी के आस-पास के ग्रामीण इलाकों में पुलिस के अप्रत्यक्ष संरक्षण में ही कच्ची शराब बनकर तैयार हो रही है और ग्रामीण क्षेत्रों में ठेकेदार के द्वारा अवैध रूप से शराब का परिवहन किया जा रहा है. अब हालात यह है कि ग्रामों में 24 घंटे शराब मिलने लगी है और यह सब कुछ कथित तौर तिरोड़ी थाना प्रभारी कौशल कुमार सूर्या की सुस्त कार्यप्रणाली की वजह से हो रहा है. थाना के सामने से हर दिन देसी-विदेशी शराब चारपहिया वाहन के जरिए गांव-गांव तक पहुंचाई जा रही है लेकिन थाना प्रभारी को इसकी भनक भी ना हो ऐसा बिलकुल भी संभव ही है. अगर, वह कार्रवाई नहीं कर रहे है. मतलब साफ है थाना प्रभारी साहब अपने दायित्व का सही निर्वहन नहीं कर रहे है और अगर उन्हें इस बात की बिलकुल भी भनक नहीं है कि देसी-विदेशी शराब गांव-गांव में सप्लाई की जा रही है तो इसका यहीं मतलब है कि उनका सूचना तंत्र बेहद कमजोर है।

गौरतलब हो कि बीते दिनों पठार अंचल में वन्य प्राणी बाघ ने इंसानों पर जानलेवा हमले किए. इस तरह की अलग-अलग घटनाओं में 03 लोगों की मौत हो गई. जिसके बाद लोगों में आक्रोश दिखाई दिया और यह भीड़ वन विभाग पर आक्रामक हो गई. भीड़ में शामिल जिन लोगों ने वन विभाग की टीम पर हमला किया उनमें से अधिकांश लोग शराब के नशे में धुत थे जो बार-बार माहौल को खराब करने का काम कर रहे थे. इन घटनाओं में शराबियों की हरकत को देखने के बाद भी भी पुलिस ने कभी भी अवैध शराब ब्रिकी पर जोर-शोर से कार्रवाई नहीं की. कार्रवाई के नाम पर केवल खानापूर्ति ही तिरोड़ी पुलिस की कार्रवाई का हिस्सा दिखाई दिया. सूत्रों की माने तो पुलिस कच्ची शराब बनाने वाले बड़े शराब माफियाओं से महीना वसूल करती है. जबकि जो लोग छोटे रुप में अवैध शराब बेचते है उन्हें आए दिन पकड़कर लाती है और पैसे वसूल करती है। तिरोड़ी थाना क्षेत्र शराब तस्करी और बिक्री के साथ अवैध शराब का धंधा किसी छिपा नहीं है. तिरोड़ी तहसील के पठार इलाके से पहले जहरीला शराब से मौत के मामले भी सामने आ चुके हैं. बावजूद इसके आबकारी विभाग और पुलिस विभाग शिकंजा नहीं कस रहा है. आबकारी विभाग कर्मचारियों की कमी का हवाला देकर कार्रवाई से बचता है और पुलिस की तो बात ही निराली है. कहने को तो शराब के अवैध कारोबार पर रोक लगाने के लिए पुलिस की गाडियां इधर-उधर घूमती नजर आती हैं, लेकिन तिरोड़ी क्षेत्र के गांवों में अवैध शराब को कारोबार लगातार पैर पसारता जा रहा है. अब हालात है कि गांव-गांव में घर में ही अवैध शराब के ठेके की तरह बन गए हैं. इधर परचून की दुकानों पर भी शराब बेची जा रही है। खास बात ये है कि शराब का अवैध कारोबार करने वाले यह दुकानदार कच्ची और अंग्रेजी का हर तरह का ब्रांड रखते हैं. बस इसके लिए तय रेट से महंगा रेट देना होता है और शराब ग्राहकों को उपलब्ध हो जाती है. ऐसे में गावों में निकास कर रहे युवा इसकी गिरफ्तार में आ रहे हैं।

सेवा, समर्पण और राष्ट्रभक्ति के साथ मना एनएसएस स्थापना दिवस

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में 27 सितंबर को एनएसएस के 57वें स्थापना दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मौसम बिसेन जन-भागीदारी समिति अध्यक्ष एवं सदस्य, राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग और विशिष्ट अतिथि श्रीमती भारती ठाकुर नगर पालिका अध्यक्ष, ने मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। मुख्य अतिथि मौसम बिसेन ने एनएसएस के महत्व, उद्देश्य, स्वयंसेवकों के कर्तव्यों, राष्ट सेवा,

स्वच्छता एवं सेवा पखवाड़ा 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर की महत्ता पर विस्तृत प्रकाश डाला। श्रीमती भारती ठाकुर ने पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण में एनएसएस की भूमिका को रेखांकित किया। प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे ने अपने उद्बोधन में एनएसएस की 56 वर्षों की सफल यात्रा और युवाओं में व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता एवं राष्ट्रभक्ति के मूल्यों के समावेश पर जोर दिया। अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. तेजेंद्र शिव, और अजय बैस सीबीसी ने भी एनएसएस के सामाजिक कार्य में योगदान, नेतृत्व क्षमता विकास , और एनएसएस स्वयंसेवकों की उपलब्धियों का उल्लेख किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत स्वयंसेविका वैदेही कलसा की गणेश वंदना से हुई। कार्यक्रम की रूपरेखा एनएसएस अधिकारी प्रो. सुखचंद्र ऐड़े (बालक इकाई) ने प्रस्तुत की और आभार प्रदर्शन डॉ. रचना कोरी (बालिका इकाई) ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकगण, एनसीसी एवं स्वयंसेवक-स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहे। एनएसएस दिवस का यह आयोजन युवाओं में समाज सेवा, देशभक्ति और जन-जागरूकता के लिए प्रेरणादायी सिद्ध हुआ।

शासकीय माध्यमिक शाला नरोड़ी में बैगलेस डे अंतर्गत गतिविधि आयोजित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी विकासखंड अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला नरोड़ी में माह सितंबर २०२५ की बैगलेस डे गतिविधि खेती की आधुनिक पद्धतियां के तहत २७ सितंबर को स्कूली छात्र छात्राओं की खेती की आधुनिक पद्धतियां से की जा रही सब्जी की खेती का अवलोकन कर जानकारी प्राप्त करने हेतु संस्था प्रमुख सविता रिनायत के मार्गदर्शन में बच्चो को समीपस्थ सब्जी उत्पादन फ र्म ले जाया गया तथा सब्जी उत्पादन कार्य में संलग्न सफल किसान नरोड़ी के पूर्व सरपंच शारदा प्रसाद शिव से फार्म के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। इस अवसर पर शारदा प्रसाद शिव ने बच्चो को संबोधित करते हुए किसान की मेहनत और आधुनिक पद्धति से खेती का लाभों पर चर्चा की तथा बच्चो को बिस्कुट और लड्डू का वितरण किया गया। इस अवसर पर शाला के शिक्षक रूपसिंह उइके ,धन्नालाल बिसेन सहित स्कूली छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

दुर्गा उत्सव समिति जरेरा में नव मंदिर निर्माण, ग्राम देवी प्रतिमा की हुई भव्य और दिव्य प्राणप्रतिष्ठा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जगत-जननी की असीम कृपा से जिला मुख्यालय के समीप ग्राम जरेरा में मां जगदम्बे की प्रतिमा स्थापित कर मां दुर्गा पर्व हर्षोल्लास, भक्तिभाव से मनाया जा रहा है। नवरात्रि की शुभ घड़ी में ग्राम की अति प्राचीन, सिद्ध देवी दाई मंदिर का नव निर्माण कर ग्राम देवी प्रतिमा की पं प्रदीप कुमार शर्मा महाराज ने मंत्रोच्चार, विधि-विधान से पूजा अर्चन कर भव्य और दिव्य प्राणप्रतिष्ठा की। सर्वप्रथम माता रानी की सवारी गांव में निकली। जहां देवी भक्तों ने पुष्पवर्षा, ढोल-नगाड़े, नाचते, आतिशबाजी, मां के जयकारों के साथ भावविभोर होकर मां की स्तुति की। इस क्षण गांव में भक्तिभाव पूर्ण वातावरण को परमानन्द की सुखद अनुभूति दी। दौर में मातृशक्ति की कलश यात्रा ने मां आत्मीय अगवानी कर श्रृद्धालु जनों ने लोक मंगल की कामनाएं की। शुभावसर पर दुर्गा उत्सव समिति की यजमानी में ग्रामीण जनों के विशेष सहयोग से श्रीमद् देवी भागवत महापुराण कथा एवं महायज्ञ का वाचन व्यासपीठ से पं. प्रदीप कुमार शर्मा महाराज, दुर्ग, छत्तीसगढ़ के मुखारबिंद से हो रहा हैं। साथ ही कथासार का पुरोहित पं. द्वारका प्रसाद ने अलौकिक संचालन किया। पुण्य अवसर 22 सितंबर से 1 अक्टूबर, शाम 7 से रात 11 बजे तक श्रद्धालु भक्त गण श्रीमद् देवी भागवत महापुराण का श्रवण कर, पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। इस पावन पल में भक्तों का तांता लगा रहा। आगे पावन क्षण में यजमान ग्रामवासियों ने माता-रानी के भक्तों से भागवत कथा में गरिमामई उपस्थिति का अनुनय किया हैं। व्यासपीठ से पं प्रदीप कुमार शर्मा महाराज ने श्री हरि भगवद स्मरण में कहा कि अगर जिह्वा में सत्य है, चेहरे में प्रसन्नता है और हृदय में पवित्रता है तो यह निश्चित ही एक सुखद, मानव जीवन का शुभ संकेत है। ये पक्की बात है कि असत्य इंसान को भीतर से कमजोर कर देता है और जो लोग बात करते हैं, उनका आत्मबल बहुत ही कमजोर होता है। देखा गया है कि जो व्यक्ति अपनी जिम्मेदारियों से बचना चाहता है जीवन में वही सबसे ज्यादा असत्य बात करता है। यथेष्ठ, सच्चिदानंद के स्वरूप सत्य, चित्त और आनन्द का भजन, चिन्तन, मनन और अनुपालन कर परिक्षित की भांति जगत कल्याण में जीवन समर्पित करने से ही भगवान भागवत का महापूजन सार्थक होगा। पावन बेला में बड़ी संख्या में भागवत प्रेमी भगवन की लीला का रसापान कर रहें हैं।

अरबों माफ हो गए धन्नासेठों के, हम पांच किलो राशन में ही खुश हैं

आंजनबिहरी में हास्य कवि सम्मेलन में कवियों ने मजाकिया अंदाज में कसा तंज, श्रोताओं ने उठाया लुत्फ

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। पठार की ग्राम पंचायत आंजनबिहरी में शारदीय नवरात्र पर्व के उपलक्ष्य में 24 सितम्बर को आयोजित विराट कवि सम्मेलन में कवियों ने श्रोताओं को जमकर गुदगुदाया और तालियां बटोरी। सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति बाजार चैक के तत्वाधान् में आयोजित उक्त कवि सम्मेलन में जिले सहित मध्य भारत के जाने-माने कवियों ने शिरकत की। प्रतिष्ठित कवि दिनेश देहाती के संचालन एवं संजय अश्क के संयोजन में कवियों की जमकर महफिल जमी। कार्यक्रम की शुरूआत जांजगीर छत्तीसगढ़ ने मां सरस्वती वंदना के साथ की। इसके बाद मिरगपुर के कवि शैलेन्द्र इनायत ने हास्य व्यंग्य कविताएं प्रस्तुत की। बालाघाट के युवा कवि कुशल जैन ने वीर रस की कविताओं के माध्यम से भारत माता का उद्घोष किया। छिंदवाड़ा के कवि भुवन सिंह धांसू की छंद आधारित कविताएं श्रोताओं को कर्णप्रिय लगी। धांसु ने पाठ करते हुए कहा- ताश भी खेला, सट्टा भी खेला लेकिन ईमान नहीं बेचा जैसे अनेक छंदों ने हास्य की बरसात कर दी। फिर कवि एवं शायर संजय अश्क के मुक्तक काव्य आधारित अंदाज में दी गई प्रस्तुति कि- मन लुभावन भाषण से खुश है, क्या बताएं कौन शासन से खुश हैं। अरबों माफ हो गए धन्ना सेठों के, हम पांच किलो राशन में खुश हैं, ने खूब तालियां बंटोरी। छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ गीताकार के गीत एक-एक बंद सीधे हृदय में उतर गए। उनकी सुमधुर अवाज में बेहतरीन गीत पर श्रोताओं ने अपार प्रेम बरसाया। सिवनी से पधारे हास्य व्यंग कवि डॉ.रामकुमार चतुर्वेदी ने व्यंग बाण पर श्रोताओं ने खूब ठहाके लगाएं। कार्यक्रम के संचालक दिनेश देहाती ने अपने चिर परिचित अंदाज में खूब रंग जमाया और हास्य के साथ शिक्षा समाज पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में पठार संघर्ष समिति सरपंच दीपक पुष्पतोड़े ने कार्यक्रम में पधारे कवियों एवं श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज में ऐसे आयोजन होते रहने चाहिए जिससे जनजागृति बढ़ती है।

आंदोलन को क्रांतिकारी रूप देने पर विवश मनरेगा अभियंता

सीएम एवं पंचायत मंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, भोपाल में परिवार सहित धरने की चेतावनी दी

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। 8 सूत्रीय मांगों को लेकर विगत 37 दिनों से कलमबंद हड़ताल कर रहे मनरेगा उपयंत्रियों ने 26 सितम्बर को जिला मुख्यालय पहुंचकर जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल सहित शासन एवं पंचायत विभाग के आला अधिकारियों के नाम ज्ञापन सौंपकर मांगों पर त्वरित आदेश जारी करने की मांग की। मनरेगा अभियंताओं ने कहा कि हम अपनी मांगों को लेकर विगत 37 दिनों से शांतिप्रिय एवं गांधीवादी तरीके से कलमबंद हड़ताल कर रहे हैं, लेकिन सरकार हमें आश्वासन मात्र देकर मौन है। यदि आगामी 05 दिन के अन्दर हमारी मांगें नहीं मानी जाती है तो यह आंदोलन गांधीवादी विचारधारा को छोड़कर क्रांतिकारी रूप धारण करेगा। इसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। आवेदन एवं निवेदन के इस तरीके से अगर सरकार नहीं मांगी तो फिर मोर्चा करेंगे। अभियंताओं ने बताया कि प्रदेश सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने जुलाई 2023 में संविदा कर्मचारियों के लिए मुख्यमंत्री द्वारा बुलाई गई पंचायत में की गई घोषणा के अनुरूप नीति लागू की थी परंतु सरकार के निर्देशों को हाशिए पर रखकर ग्रामीण विकास विभाग पुरानी नीति पर ही काम कर रहा है जबकि शासन के अन्य विभागों ने संविदा कर्मचारियों के लिए सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी नीति को स्वीकार कर कर्मचारियों को लाभांवित करना शुरू कर दिया है। लेकिन मनरेगा अभियंताओं को सिर्फ आश्वासन देकर टाला जा रहा है। मजबूरीवश आंदोलन कर रहे उपयंत्रियों को विगत तीन माह से वेतन तक नहीं दिया। गौरतलब है कि प्रदेश में एक साथ 1335 मनरेगा उपयंत्री कलमबंद हड़ताल है। इससे ग्राम पंचायत स्तर पर मनरेगा योजना आधारित कार्य पूरी तरह अवरूद्ध है, ग्रामीण कार्य के अभाव में पलायन कर रहे हैं। मनरेगा उपयंत्रियों ने अपनी 8 सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल शुरू की है इनमें वेतन विसंगति, वरिष्ठता के आधार पर सहायक यंत्री का प्रभार, अनुकम्पा नियुक्ति, ग्रेज्युटी, संविदा समाप्ति की जगह निलंबन शामिल है। मनरेगा उपयंत्रियों ने ज्ञापन के माध्यम से सरकार को चेतावनी दी है कि यदि पांच दिवस के अन्दर उनकी मांगों के संबंध में कोई आदेश जारी नहीं किए गए तो वे परिवार सहित भोपाल राजधानी मुख्यालय में धरना करेंगे।

वारा में भजन गायक शनि अलबेला ने दी शानदार प्रस्तुति

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत वारा में सार्वजनिक श्री माता मंदिर समिति द्वारा उज्जैन के भजन गायक एवं महाकाल भक्त शनि अलबेला का जागरण कार्यक्रम का आयोजित किया गया। महाकाल की नगरी उज्जैन से पधारे भजन गायक शनि अलबेला और उनकी टीम के द्वारा शुभारंभ गणेश वंदना के साथ किया गया। मातारानी मुझे तेरा ही सहारा है,शिरडी वाले सांई बाबा,तेरे दरबार में मैय्या खुशी मिलती है,सुन माता अंजना ध्यान से तेरा लल्ला अखाडे में लठ खेलता,महाकाल मेरे सरकार आये है सहित एक से बढ़कर एक भगवान के भक्ति गीत की सुंदर प्रस्तुति दी गई। वहीं भक्ति गीतों पर लोगों ने नृत्य भी किया । इस दौरान विधायक विवके पटेल,सार्वजनिक माता मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रणय धार्मिक, उपाध्यक्ष योगेंद्र गिरी,हितेश तुरकर, राहुल पटले,गगन राहंगडाले, मनीष पारधी,सोनू धार्मिक, प्रताप नागपुरे,विजय कठाने,विनय बिसेन,तपेश मरठे, मोहित राहंगडाले, बंटी पारधी, उमाशंकर धार्मिक,राजा अली,रोशन नागपुरे, कुलदीप डहरवाल,अंकित शरणागत,दादू नेवार,जितेश राहंगडाले,कृष्णागिरी,महेंद्र कन्नौज,प्रकाश नेवारे सहित ग्रामीणजन मौजूद रहे।

मप्र पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन का दौरा कार्यक्रम

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मप्र पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन 29 सितम्बर को सुबह 08 बजे बायरोड बालाघाट से जबलपुर के लिए प्रस्थान करेगी। दोपहर 12 बजे जबलपुर सर्किट हाउस पहुंच श्रीमती बिसेन करीब 01 बजे पिछड़ा वर्ग से संबंधित योजनाओं की समीक्षा करेंगी। इसके पश्चात वे दोपहर 02 बजे जबलपुर में स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होने के पश्चात शाम 06 बजे जबलपुर से बालाघाट के लिए प्रस्थान करेंगी। रात्रि करीब 10 बजे श्रीमती बिसेन बालाघाट पहुँचेगी।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

दशहरा उत्सव की तैयारी शुरू

जिला प्रशासन ने उत्कृष्ट मैदान का किया निरीक्षण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। दशहरा उत्सव को लेकर भी जिला प्रशासन और संबंधित समिति ने अपना कार्य शुरू कर दिया है। इसके तहत जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी एसडीएम गोपाल सोनी ,नगर अधीक्षक वैशाली सिंह सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने स्थानीय उत्कृष्ट स्कूल के ग्राउंड का निरीक्षण किया। यहां इस बार मैदान कुछ अधिक ही क्षतिग्रस्त है, जिसे लेकर एसडीएम गोपाल सोनी ने नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारियों को जल्द ही ग्राउंड को दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं, साथ ही रावण बनाने वाली समिति ने भी प्रथम चरण में रावण बनाए जाने का कार्य शुरू कर दिया है, हालांकि बताया जा रहा है कि इस बार बारिश ने अपना अच्छा खासा खलल नवदुर्गा पर्व पर डाला है । जिसके तहत रावण बनाने का काम प्रभावित हुआ है । बावजूद इसके संबंधित समिति ने प्रथम चरण का कार्य शुरू कर दिया है और इसके बाद से ग्राउंड में यह कार्य पूरी तरह से दिखाई देगा।

आपको बता दे की दशहरा पर्व की तैयारी संबंधित समिति और जिला प्रशासन के द्वारा शुरू कर दी गई है । जिस प्रकार से नवरात्र पर्व अब धीरे-धीरे बढ़ते जा रहा है ,तो वहीं अब दशहरा पर्व भी जल्द ही आने वाला है । जिसके लिए संबंधित समिति ने रावण बनाने की तैयारी शुरू कर दी है । 27 सितंबर को जिला प्रशासन की टीम ने स्थानीय उत्कृष्ट स्कूल के ग्राउंड का निरीक्षण किया । यहां बताया जा रहा है कि उत्कर्ष स्कूल का ग्राउंड इन दिनों बहुत अधिक क्षतिग्रस्त है, जिसके लिए प्रथम चरण का निरीक्षण एसडीएम गोपाल सोनी सहित नगर अधीक्षक वैशाली सिंह की टीम ने निरीक्षण किया । जहां ग्राउंड को जल्द से जल्द दुरुस्त करने की बात कही गयी है । साथ ही दशहरा पर्व पर यहां पर्याप्त लाइटिंग और अलग-अलग से प्रवेश द्वार और बाहर निकलने के गेट बनाए जाने की बात निरीक्षण के दौरान गोपाल सोनी ने कही, बताया गया कि इसके पूर्व वर्ष में ग्राउंड में अधिक बारिश से व्यवस्थाएं अव्यवस्थित हो गई थी । जिसके कारण अचानक से सीएम राइस स्कूल के अंदर से मार्ग बनाना पड़ा था, उन्हें इन सब बातों का ध्यान रखते हुए निरीक्षण के दौरान एसडीएम गोपाल सोनी ने कहा कि इस बार बरसात को देखते हुए अलग-अलग आगमन और निकासी के गेट बनाए जाए, जिससे कि दशहरा पर्व में आमजन को असुविधा न हो साथ ही चल समारोह को ग्राउंड में आने के लिए अव्यवस्था ना हो इन्हीं सब की व्यवस्था जिला प्रशासन की टीम ने देखी।

रावण बनाने का कार्य हुआ शुरू

रावण बनाए जाने को लेकर समिति के पदाधिकारी अमन गांधी से हमने दूरभाष पर चर्चा की तो उन्होंने बताया कि इस बार बारिश ने दशहरा पर्व को लेकर की जा रही व्यवस्थाओं में काफी खलल उत्पन्न किया है । इस कारण रावण बनाने का कार्य थोड़ा प्रभावित हुआ है ,किंतु संबंधित समिति द्वारा घर पर ही रावण बनाए जाने का काम प्रथम चरण में शुरू कर दिया गया है और जल्द ही अन्य कार्य रावण बनाए जाने को लेकर शुरू होंगे । जल्द ही वह रावण के पुतले को लेकर ग्राउंड में अन्य कार्य भी पूरा करेंगे । साथ ही उन्होंने बताया कि इस बार ग्राउंड बहुत अधिक क्षतिग्रस्त है और इसे जल्द से जल्द ठीक करना होगा, इसके लिए प्रशासन ने निरीक्षण किया है वह चाहते हैं कि जल्द से जल्द ग्राउंड को तैयार किया जाए हालांकि हो रही बरसात ने भी ग्राउंड की व्यवस्था बिगड़ी है ,किंतु जल्द ही नगर पालिका को यहां व्यवस्था बनाए जाने को निर्देशित किया गया है।

नवरात्र की पंचमी पर बंगाली परिवार ने विराजित किया बंगाली दुर्गा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । शहर के स्थानीय पीजी कॉलेज के बाजू में संचालित होने वाले स्कूल के ग्राउंड में बंगाली परिवार द्वारा बंगाली दुर्गा को विराजित कर दिया गया है । नवरात्र शुरू होते ही नवरात्र पर्व की पंचमी को बंगाली परिवार, मां बंगाली दुर्गा को विराजित करता है और पूरे विधि विधान से पूजन अर्चन के साथ विधिवत अंत में मां बंगाली दुर्गा का विसर्जन किया जाता है। आपको बता दे की 1964 से बालाघाट मुख्यालय में प्रतिवर्ष शारदेय नवरात्र पर बंगाली समाज, नवरात्र की पंचमी को बंगाली दुर्गा की स्थापना कर नवमी तक विधिविधान से पूजा-अर्चना करता है। शनिवार को मुख्यालय में बंगाली समाज ने बंगाली दुर्गा प्रतिमा की स्थापना की। खास बात है कि जहां नगरीय क्षेत्र में विराजित अधिकांश दुर्गा प्रतिमाओं में राक्षस नहीं होता है, वहीं बंगाली दुर्गा में मां दुर्गा महिषासुर का मर्दन करते हुए दिखाई देती है।

नगर के अग्रणी महाविद्यालय के समीप स्थित नवीन बोर्ड स्कूल के प्रांगण में आयोजित बंगाली दुर्गोत्सव पर्व, पूरा बंगाली समाज मनाता है। समिति के पदाधिकारी सुमित राय ने बताया कि समिति का यह 62 वां वर्ष है, जिले का बंगाली परिवार 1964 से लगातार दुर्गोत्सव, बालाघाट में आयोजित कर रहा है। बंगाली दुर्गा प्रतिमा बनाने बंगाल से मूर्तिकार बालाघाट पहुंचते है और यहां ही बंगाली दुर्गा की प्रतिमा को आकार दिया जाता है। उन्होंने नवरात्र की पंचमी पर ही प्रतिमा को विराजित किए जाने को लेकर बताया कि नवदुर्गा की चतुर्ती के दिन ही प्रतिमा को ला लिया गया था , जिसे पंचमी के दिन शाम को विराजित कर पूजा अर्चना की गई है ,जिसे नवमी के बाद पूरे विधि विधान के साथ बंगाली दुर्गा का विसर्जन किया जाएगा।

दुर्गा प्रतिमाओं को देखने निकल रहे श्रद्धालु

नवरात्र शुरू होने के साथ जहां एक ओर सभी सार्वजनिक दुर्गा समित्ति अपने-अपने दुर्गा पंडालों में विशेष लाइटिंग साज-सज्जा के साथ दुर्गा पंडालों को सजाये गये हैं तो वहीं शहर के प्रमुख चौक, चौराहों पर आकर्षित लाइटिंग लगाई गयी है, जिसे देखने के लिए अव शहर में श्रद्धालु पैदल निकल पड़ते हैं, जहां भटेरा रोड स्थित सार्वजनिक समिति की दुर्गा प्रतिमा को विशेष सजाया गया है, शहर में प्रमुख स्थान पर मां दुर्गा की प्रतिमाओं को देखने लोग शाम 6 से 7 बजे से ही पैदल निकल पड़ते हैं ,जो देर रात तक पैदल की शहर में विराजित की गई माता की प्रतिमाओं को देखते हैं, इस दौरान कुछ समितियों द्वारा महाप्रसाद और भंडारे का भी आयोजन प्रमुख शहर के स्थानों में किया जा रहा है जहां पर लंबी-लंबी लाइन और भीड़ दिखाई दे रही है ,वहीं सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस द्वारा भी शहर के प्रमुख चौक चौराहों और दुर्गा पंडालों के पास पुलिस बल तैनात किया गया है एवं स्वयं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी शहर में गश्त करते नजर आ रहे हैं।

अभिमन्यु अभियान के तहत नवरात्रि पंडालों और स्कूलों में पहुंचा सुरक्षा का संदेश

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । मैं भी अभिमन्यु अभियान के तहत महिला थाना, महिला सुरक्षा शाखा, थाना भरवेली, थाना ग्रामीण के थाना स्टाफ द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। मैं हूं अभिमन्यु-3 इस चक्रव्यूह को तोड़ूंगा, यह अभियान सहयोग, सम्मान और समानता पर आधारित है। इस अभियान में जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों, रहवासी कॉलोनियों, नवरात्रि पंडाल एवं अन्य कार्यक्रम स्थलों पर जाकर जागरूकता कार्यक्रम किए जा रहे हैं, पंपलेट वितरित किए जा रहे हैं। अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालक बालिकाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर नियंत्रण करना, लडके लडकियों को समान अवसर प्रदान करना, समाज में व्याप्त लिंगभेद को समाप्त करना तथा पुरुषों को रुढ़िवादी धारणाओं एवं पूर्वाग्रहों के चक्रव्यूह को तोड़ते हुए महिलाओं के विकास एवं सह-अस्तित्व में सहभागी बनाना है। 26 सितम्बर को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में तथा 27 सितम्बर को एक्सीलेंस स्कूल, बस स्टैंड एवं दुर्गा पंडाल बालाघाट में महिला सुरक्षा शाखा, महिला थाना, थाना भरवेली, थाना ग्रामीण के स्टाफ द्वारा छात्र-छात्राओं एवं उपस्थित नागरिकों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर नुक्कड़ नाटक, भाषण एवं अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान, लैंगिक समानता एवं सामाजिक बुराइयों के खिलाफ जागरूकता का संदेश दिया गया। इन कार्यक्रमों के दौरान नाट्य अभिनय एवं संबोधनों के माध्यम से यह बताया गया कि महिलाओं पर हाथ उठाना न अभी, न कभी, तथा कार्यस्थलों पर महिला एवं पुरुषों के कार्यों में समानता सुनिश्चित करना समाज की जिम्मेदारी है। साथ ही जिले के बस स्टैंड, बसों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर मैं हूं अभिमन्यु अभियान से संबंधित पोस्टर लगाए गए, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इस अभियान से जुड़कर महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के प्रति जागरूक हो सकें। मैं हूं अभिमन्यु-3 अभियान मध्यप्रदेश पुलिस की एक पहल है, जिसका उद्देश्य महिलाओं के प्रति पुरुषों की सोच में बदलाव लाना, समाज में लिंगभेद को समाप्त करना, लैंगिक समानता को बढ़ावा देना तथा महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर नियंत्रण करना है।

नवरात्रि पर वात्सल्य आराधना ग्रुप ने किया सेवा कार्य

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । नर सेवा ही नारायण सेवा है की भावना को चरितार्थ करते हुए वात्सल्य आराधना ग्रुप की महिलाओं ने नवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर जनसेवा का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। मां जगत जननी जगदंबा की आराधना के इस पर्व में जहां मंदिरों और घरों में कन्या पूजन की परंपरा निभाई जा रही है, वहीं इसी भाव से प्रेरित होकर 26 सितम्बर को ग्रुप की महिलाओं ने बालाघाट जिला अस्पताल पहुंचकर नवजात शिशुओं और उनकी माताओं को उपयोगी सामग्री वितरित की। कार्यक्रम के दौरान ग्रुप की ओर से सभी नवजात बच्चों को गर्म रखने के

लिए स्वेटर, कपड़े और जरूरी सामान की किट भेंट की गई। साथ ही माताओं को नवजात शिशुओं की देखभाल के संबंध में उपयोगी जानकारी दी गई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे स्वास्थ्य और पोषण अभियान के तहत अस्पताल में भर्ती सभी मरीजों व परिजनों को फल सेब और केले भी वितरित किए गए। वात्सल्य आराधना ग्रुप की प्रमुख मीना चावड़ा ने कहा कि नवरात्रि का पर्व केवल पूजन और अनुष्ठान का समय नहीं है, बल्कि यह अवसर है मातृशक्ति और सेवा भाव को जागृत करने का। हम सभी का संकल्प है कि हर जरूरतमंद तक सहयोग की यह भावना पहुँचे। ग्रुप के इस सेवा कार्य की अस्पताल प्रबंधन और उपस्थित परिजनों ने सराहना की। इस सेवा कार्य में ग्रुप की सक्रिय सदस्याएँ श्रीमती रेखा बिसेन, श्रीमती शालू गांधी, श्रीमती अमृता चावड़ा, श्रीमती निशा टॉक, श्रीमती भारद्वाज और सुश्री दुलारी धुर्वे सहित कई महिलाएँ शामिल रहीं। वहीं अस्पताल की महिला डॉक्टरों और स्टाफ ने भी इस पहल में सहयोग दिया।

कीटनाशक दवाई के सेवन से एक युवक की मौत

युवक सुरेंद्र भूते की मौत बनी पहली, पत्नी और सास से प्रताडित होकर या फिर कर्ज के मानसिक तनाव में आकर सुरेंद्र ने की आत्महत्या

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । वारासिवनी के अमृतनगर निवासी सुरेंद्र भूते पिता रतनलाल भूते 43 वर्ष वर्ष ने जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया। जिसकी जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। यह घटना 26 सितंबर की रात्रि में हुई। इस युवक ने पत्नी एवं सास द्वारा दी जा रही प्रताड़ना से परेशान होकर जहरीली वस्तु का सेवन किया या फिर पत्नी,ससुर और साले द्वारा दिए गए रुपए अदा नहीं करने से परेशान होकर जहरीली वस्तु का सेवन किया। यह अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। जिला अस्पताल पुलिस ने इस युवक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। इस मामले की आगे जांच वारासिवनी पुलिस द्वारा की जा रही है।

शादी के दूसरे दिन से ही स्मृति पति सुरेन्द्र के साथ किराए मकान में रहने लगी थी

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुरेंद्र भूते तीन भाई और पांच बहने हैं सभी शादी की शादी हो चुकी है सुरेंद्र भूते अपने परिवार में सबसे छोटा था। जिसकी शादी 28 फरवरी 2023 को वारासिवनी में हाउसिंग बोर्ड निवासी स्मृति डोंगरे के साथ रिती रिवाज से हुई थी। शादी के एक दिन ही स्मृति डोंगरे अपने ससुराल में रही उसके बाद दूसरे दिन स्मृति डोंगरे बोलने लगी की घर छोटा है और स्मृति डोंगरे अपने पति सुरेंद्र भूते के साथ दहेज का सामान लेकर वारासिवनी में ही किराए के मकान में रहने लगे थे। किराए के कमरे में दो माह रहने के बाद स्मृति डोंगरे अपने पति सुरेन्द्र भूते के साथ अपने मायके में रहने लगी थी। सुरेंद्र का अपने घर आना-जाना होते रहता था किंतु स्मृति डोंगरे अपने ससुराल नहीं आई। नवंबर 2023 को स्मृति ने एक बेटे को जन्म दी थी। बताया गया है कि शादी के इतने दिन होने के बावजूद भी स्मृति ने अपना सरनेम भूते नहीं लिखी, वह अपने नाम के आगे डोंगरे सरनेम ही लिखती थी। पिछले 5-6 महीने से सुरेंद्र जब भी घर आता और वह अपने परिवार वालों को बताता था कि मेरी पत्नी स्मृति और सास सुशीला डोंगरे बहुत परेशान करते हैं और कहते हैं कि पैसे क्यों नहीं कमाता। घर में पड़ा रहता है किसी दिन तुझे दहेज के केस फसाने की धमकी देते रहते हैं। हाल ही में 15 दिन से सुरेंद्र भूते अपने घर में आकर रहने लगा था और उसने अपनी मां को बताया था कि मुझे पत्नी स्मृति ने घर से भगा दिया है। सुरेंद्र भूते कभी कभी अपने बेटे जीवांश से मिलने अपने ससुराल जाते रहता था। 26 सितंबर की शाम 5:00 बजे सुरेंद्र भूते अपने घर से बेटे जीवांश से मिलने ससुराल जाने निकला था। शाम 7:30 बजे तक सुरेंद्र घर नहीं लौटा। तब उसके बड़े भाई महेंद्र भूते ने सुरेंद्र भूते को फोन लगाया किंतु उसका मोबाइल बंद बता रहा था। इसके बाद महेंद्र भूते अपने जीजा नरेंद्र पारस्कर के साथ सुरेंद्र के ससुराल गये और सुरेंद्र भूते के बारे में पूछे तब सुरेंद्र की सास सुशीला डोंगरे ने बताया कि सुरेंद्र आया था और किंतु वह चला गया । इसके बाद महेंद्र भूते अपने जीजा नरेंद्र पारस्कर के साथ वहा से निकले थे। तभी महेंद्र भूते को मयूर सेंद्रे का फोन आया और उसने बताया कि तुम्हारा भाई सुरेंद्र वारासिवनी के अस्पताल में भर्ती है। जिसे कुछ खा लिया है। इसके बाद महेंद्र अपने जीजा नरेंद्र पारस्कर के साथ वारासिवनी अस्पताल पहुंचे देखे। उसका भाई सुरेंद्र ब्रेंच पर लेटा हुआ था और उसके मुंह से झांक निकल रही थी और मुंह से कीटनाशक दवाई की दुर्गंध आ रही थी। डॉक्टर ने सुरेंद्र को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिए थे। जिला अस्पताल बालाघाट में सुरेंद्र को भर्ती किया गया था। जहां उपचार के दौरान उसकी 10:30 बजे मौत हो गई।

शादी के पहले सुरेंद्र स्मृति डोंगरे के घर किराए से रहता था, प्रेम संबंध की चलती हुई थी शादी

शादी के पहले सुरेंद्र भूते स्मृति डोंगरे के पिता विद्यानंद डोंगरे के मकान में किराए से अकेला रहता था और सेकंड हैंड टू व्हीलर फोर व्हीलर गाड़ियों को खरीदने बेचने का काम करता था। सुरेंद्र भूते ने विद्यानंद डोंगरे से गाड़ी खरीदी बिक्री के धंधे के लिए 3 लाख रुपये उधार लिए थे। 2 लाख रुपये सुरेंद्र ने वापस कर दिए थे। 1 लाख रुपये देना शेष था इसी दौरान सुरेंद्र का स्मृति डोंगरे के साथ प्रेम संबंध चल रहा था और इस प्रेम संबंध के चलते दोनों की शादी कर दी गई थी। उस समय सुरेंद्र के ऊपर कर्ज था। शादी के बाद कर्ज अदा करने के लिए सुरेंद्र भूते ने अपने साले क्षितिज डोंगरे के नाम पर 5 लाख रुपये लोन लिया और अपना कर्ज अदा किया था। सुरेंद्र भूते ने क्षितिज डोंगरे के 5 लाख रुपये लोन की पांच किस्त जमा किया था। स्मृति डोंगरे अपने पति सुरेंद्र से जब भी अपने भाई के लोन के पैसे के लिए बोलती थी तब सुरेंद्र का कहना आता था कि अभी मेरे पास पैसा नहीं है जब पैसा होगा तब लोन की किस्त जमा करता रहूंगा इसी बीच स्मृति डोंगरे अपने पति सुरेंद्र को 60 हजार रुपये दे चुकी थी। उसके बाद सुरेंद्र ने अपने ससुर से दो लाख रुपए की मांग किया था। स्मृति डोंगरे के पिता ने 2 लाख रुपयेअपने नाम लोन उठाकर सुरेंद्र को रुपए दिए थे। उसे भी सुरेंद्र ने खर्च किए थे पैसों की मांग करने पर एक माह पूर्व से पैसों को लेकर विवाद होने पर सुरेन्द्र टेंशन में रहता था। 26 सितंबर की शाम 6:00 बजे करीब सुरेंद्र अपने ससुराल बेटे से मिलने आया था और बेटे से मिलकर सुरेंद्र मैं जा रहा हूं बोलकर अपने ससुराल से निकल गया था।

सुरेंद्र भूते की मौत बनी पहेली

27 सितबर को जिला अस्पताल पुलिस ने मृतक सुरेंद्र भूते के भाई महेंद्र भूते और पत्नी स्मृति डोंगरे का बयान लेकर सुरेंद्र भूते का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिये। और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना वारासिवनी भिजवा दी है। सुरेंद्र भूते ने पत्नी स्मृति डोंगरे और सास सुशीला डोंगरे से प्रताड़ित होकर कीटनाशक दवाई का सेवन किया या फिर अपने साले क्षितिज डोंगरे और ससुर विद्यानंद डोंगरे से लोन के माध्यम से लिए गए रुपए के कर्ज के मानसिक तनाव में आकर कीटनाशक दवाई का सेवन किया। यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। सुरेंद्र भूते की मौत एक पहेली बनी हुई है। इस मामले की आगे जांच वारासिवनी पुलिस द्वारा की जा रही है।।

कोसमी में विराजी अनोखी मां शेरावाली की प्रतिमा, बनी श्रद्धा का केंद्र

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। ग्राम पंचायत कोसमी के पास स्थित जीवन ज्योति मां दुर्गा उत्सव समिति द्वारा इस वर्ष नवरात्रि महोत्सव पर एक विशेष आकर्षण प्रस्तुत किया गया है। समिति द्वारा स्थापित की गई मां शेरावाली की अनोखी प्रतिमा इस बार पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। इस भव्य प्रतिमा की सबसे खास बात यह है कि इसमें मां दुर्गा भवानी के साथ-साथ तीन अन्य दिव्य रूपों श्री हरि विष्णु जी, मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम जी एवं भगवान भोलेनाथ को भी दर्शाया गया है। इस अनूठे संगम से जहां देवी भक्तों को एक साथ विभिन्न रूपों के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है, वहीं यह कलाकृति धार्मिक एकता व आध्यात्मिकता का अद्भुत प्रतीक बन चुकी है। गांव कोसमी सहित आसपास के क्षेत्रों से भारी संख्या में श्रद्धालु दर्शन हेतु यहां पहुंच रहे हैं। दिन-प्रतिदिन यहां श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती जा रही है, जो मां के इस अनुपम स्वरूप के दर्शन कर अपने को धन्य मान रही है। विशेष रूप से संध्या आरती के समय का दृश्य अत्यंत मनोहारी होता है, जब मां की आरती और भजन-कीर्तन के साथ पूरा क्षेत्र

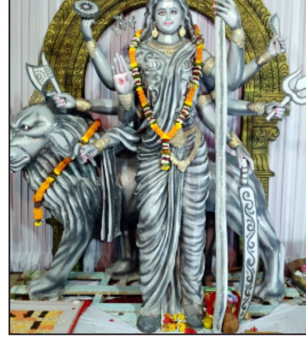

भक्तिमय वातावरण में डूब जाता है। जीवन ज्योति मां दुर्गा उत्सव समिति के अध्यक्ष ओंकार माहुले ने बताया कि इस प्रतिमा को तैयार करने में विशेष मेहनत और समर्पण किया गया है, जिससे कि श्रद्धालुओं को एक अद्वितीय आध्यात्मिक अनुभव मिल सके। इस अनूठे आयोजन ने ग्राम कोसमी को धार्मिक पर्यटन के मानचित्र पर एक नई पहचान दिलाई है, और निश्चित ही आने वाले वर्षों में यह परंपरा और भी भव्य रूप ले सकती है। जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि मुकेश माहुले ने जिले भर के श्रद्धालुओं से अपील की है कि जगदंबे भवानी की इस मनोहारी प्रतिमा के दर्शन अवश्य कर पुण्य लाभ अर्जित करें।

6 वीं मध्यप्रदेश प्रीमियर फुटबॉल लीग- डायमंड रॉक एकेडमी ने बुरहानपुर को हराया

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । 6 वीं मध्यप्रदेश प्रीमियर फुटबॉल लीग की शुरूआत हो गई है। शनिवार 27 सितंबर को बालाघाट में लीग का

पहला मुकाबला डायमंड रॉक एकेडमी बालाघाट और बुरहानपुर को 2-0 से पराजित किया। मैच का शुभारंभ अतिथि रिटायर्ड कॉलेज प्राचार्य डॉ. सतीश चिले, डॉ. अक्षय कटरे, समाजसेवी सुभाष गुप्ता, प्रो. पी.एस. कातुलकर और चेंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज अध्यक्ष अभय सेठिया के आतिथ्य में किया गया। दोपहर 2 बजे से खेले गए इस मैच की शुरूआत अतिथियो के खिलाड़ियो से परिचय प्राप्त करने के बाद की गई। जिसमें शुरूआत से ही डायमंड रॉक एकेडमी ने बुरहानपुर एकेडमी पर दबाव बनाए रखा और एक के बाद एक दो गोल कर बढ़त बना ली। पूरे मैच समय तक बुरहानपुर एकेडमी, गोल करने तरसती रही। अंततः खेल समाप्ति के बाद डायमंड रॉक एकेडमी ने बुरहानपुर एकेडमी को 2-0 से पराजित कर दिया।

अमोली में पंचमी पर हुई जगत जननी माँ दुर्गा की महाआरती

भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा नवरात्र पर्व, कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता आज

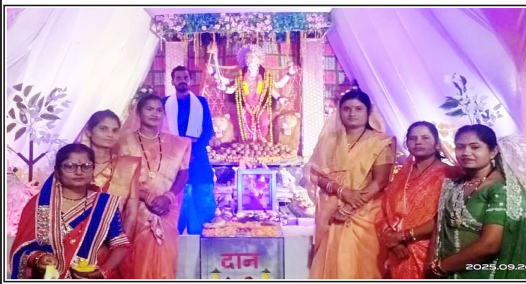

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली के हनुमान मंदिर चौक में सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति के तत्वाधान में शक्ति की भक्ति का महापर्व शारदेय नवरात्र पर्व धार्मिक आस्थाओं के साथ मनाया जा रहा है। शारदेय नवरात्र पर्व की पंचमी के अवसर पर 26 सितंबर को रात 8.30 बजे महाआरती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्राम की युवतियां एवं महिलाएं अपने-अपने घरों से आरती की थाल सजाकर माता रानी के दरबार पहुंचे जहां माँ जगदम्बे की महाआरती की गई एवं श्रध्दालुओं ने माता रानी से आशीर्वाद प्राप्त किया तत्पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया। साथ ही इस महाआरती के आयोजन में आरती की थाल लेकर खड़े रहने के लिए युवती व महिलाओं लिए समिति के द्वारा गोला बनाया गया था और सभी गोले समान थे जिसमें खड़े रहकर आरती करना था और सैकड़ों गोले में 5 गोले में मातारानी के आशीर्वाद स्वरूप पुरस्कार रखा गया था जिसकी जानकारी किसी को नही थी। आरती संपन्न होने के बाद मातारानी के आशीर्वाद स्वरूप बनाये गये 5 गोले में युवती व महिलाएं खड़ी थी। जिसे माँ दुर्गा जी का आशीर्वाद प्राप्त हुआ और समिति के द्वारा 5 महिलाओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही महाआरती में जो युवती व महिला आरती की थाल को विशेष रूप से सजाकर लगायेगें उनके लिए भी पुरूस्कार रखा गया था और माँ जगदम्बे की महाआरती में आरती की थाल को विशेष रूप से सजाकर लाये थे ऐसे 5 युवती एवं महिलाओं को समिति के द्वारा पुरस्कार दिया गया। वहीं महाआरती के बाद गरबा नृत्य का आयोजन किया गया जिसमें ग्राम की युवती, महिलाएं व युवाओं ने भाग लिया और देवी गीतों पर जमकर गरबा नृत्य किया। इस शारदेय नवरात्र पर्व पर रोजाना विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है। साथ ही पर्व के दौरान प्रतिदिन सुबह-रात माँ जगदम्बे की आरती की जाती है जिसमें श्रध्दालुजन पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है जिससे पूरा ग्राम भक्तिमय माहौल निर्मित हो गया है। वहीं 28 सितंबर को कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि गत 22 सितंबर को माता रानी की प्रतिमा विराजित कर शारदेय नवरात्र पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है एवं पंचमी के अवसर पर महाआरती का आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम की युवतियां व महिलाएं अपने-अपने घरों से आरती की थाल सजाकर माँ जगदम्बे के दरबार पहुंचे जहां माता-रानी की महाआरती की गई तत्पश्चात प्रसादी का वितरण किया। जिसके बाद गरबा नृत्य का आयोजन किया गया जिसमें ग्राम की युवती, महिलाओं ने नृत्य किया है। साथ ही यह भी बताया कि पर्व के दौरान रोजाना विविध धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है एवं 28 सितंबर को रात 9 बजे से कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। 29 सितंबर को ओपन कैसेट डांस, 1 अक्टूबर को हवन-पूजन एवं महाभंडारा, 2 अक्टूबर को दशहरा पर्व मनाया जायेगा। शारदेय नवरात्र पर्व पर क्षेत्रीय भक्तजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति के समस्त पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

खमरिया देवी मंदिर से निकली 401 फीट लंबी चुनरी यात्रा

माँ चिंदरई देवी को चढ़ाई गई चुनरी, श्रध्दालुओं ने प्राप्त किया आशीर्वाद

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में शारदेय नवरात्र पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। शारदेय नवरात्र पर्व के पंचमी के अवसर पर ग्राम पंचायत खमरिया स्थित देवी मंदिर से महाकाल समिति के तत्वाधान में शुक्रवार को 401 फीट की लंबी भव्य चुनरी यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर सर्वप्रथम खमरिया स्थित देवी मंदिर में पूजा अर्चना की गई जिसके बाद बड़ी संख्या में महिला-पुरूष एवं बच्चें श्रध्दालुओं के द्वारा जय अंबे-जय जगदम्बे, जयकारा शेरा-वाली की बोल सांचे दरबार की जय, चलो बुलावा आया है-माता ने बुलाया है सहित अन्य नारे लगाते हुए चुनरी यात्रा निकाली गई। यह चुनरी यात्रा ग्राम खमरिया का भ्रमण करते हुए माँ चिंदरई देवी मंदिर पहुंची जहां पूजन अर्चन कर माँ चिंदरई देवी को चुनरी चढ़ाई गई तत्पश्चात आरती की गई और सभी ने माता-रानी का आशीर्वाद प्राप्त किये। जिसके बाद प्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर महाकाल समिति खमरिया के पदाधिकारी एवं श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नेवरगांव (ला.) में अंतर्राज्यीय ओपन कैसेट डांस प्रतियोगिता आज

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 9 किमी. दूर ग्राम पंचायत नेवरगांव ला. स्थित बाजार चौक में सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति एवं फायर क्लब के संयुक्त तत्वाधान में 28 सितंबर को रात 8 बजे से अंतर्राज्यीय ओपन कैसेट डांस (एकल, युगल, सामूहिक) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। तत्संबंध में जानकारी देते हुए आयोजन समिति के अध्यक्ष मनीष पंचेश्वर, कार्यक्रम संयोजक अरूण तेलकर ने बताया कि गत 22 सितंबर को माँ दुर्गा जी की प्रतिमा विराजित कर शारदेय नवरात्र पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। वहीं नवरात्र पर्व के अवसर पर 28 सितंबर को रात 8 बजे से अंतर्राज्यीय ओपन कैसेट डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जिसमें समूह नृत्य (ग्रुप डांस) प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 21000 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 12000 रुपये, तृतीय पुरस्कार 6000 रूपये एवं एकल नृत्य (सोलो) प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 5000 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 3000 रूपये, तृतीय पुरस्कार 2000 रूपये एवं प्रवेश शुल्क 251 रूपये निर्धारित किया गया है। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील आयोजन समिति अध्यक्ष मनीष पंचेश्वर, उपाध्यक्ष मोहित सिंगेश्वर, कोषाध्यक्ष तरूण सिंगेश्वर, सचिव आनंद बाहेश्वर सहित अन्य पदाधिकारियों ने की है।

ओरिएंटल कालेज में मनाया गया फार्मासिस्ट डे

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड़ बकोड़ा स्थित ओरिएंटल इंस्टिट्यूट ऑफ़ फार्मेसी कालेज में गत दिवस फार्मासिस्ट डे मनाया गया। यह कार्यक्रम डायरेक्टर डॉ. एच.सी. हनवत, संस्था प्रमुख ऐश्वर्य बिसेन, मैनेजिंग डायरेक्टर शैफाली बिसेन की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर विश्व फार्मासिस्ट दिवस थीम "थिंक हेल्थ, थिंक फार्मासिस्ट" के अंतर्गत पोस्टर, स्लोगन लेखन, भाषण सहित अन्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। साथ ही स्वास्थ्य जागरूकता रैली निकालकर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी किया गया। वहीं विद्यार्थियों को दवाइयों के सही उपयोग करने, स्वयं-चिकित्सा से बचने तथा फार्मासिस्ट की महत्ता के बारे में उन्हे बताया गया।

इस अवसर पर शिक्षक रानी नगपुरे, डॉ मंजूषा शांडिल्य, रोहिणी मेश्राम, ट्विंकल वरकड़े, स्वाति हनवत, आँचल कटरे, दीपिका बिसेन, शीतल बिसेन, शालिनी भोंडेकर, साक्षी साकुरे, शिखा लांजेवार, माधुरी गोले, बिहारी प्रजापति, ललित रोकड़े, पुष्पेंद्र नागपुरे, मुस्कान कटारे सहित अन्य शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सेन (नाई) समाज के नगराध्यक्ष बने अमित श्रीवास

बैठक में नवीन कार्यकारिणी का हुआ गठन, विभिन्न बिन्दुओं पर की गई चर्चा

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के सिवनी मार्ग मजार के समीप स्थित काम्पलेक्स में गत दिवस सेन (नाई) समाज ब्लाक लालबर्रा की बैठक संपन्न हुई। यह बैठक समाज के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने संत शिरोमणि सेन जी महाराज के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया। आयोजित बैठक में नगर की कार्यकारिणी का गठन करने, समाजोत्थान सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई एवं संगठनात्मक और सामाजिक हित में महत्वपूर्ण निर्णय भी लिये गये। जिसमें अब प्रत्येक माह के अंतिम शनिवार को सेन (नाई) समाज के सभी सदस्य अपने-अपने प्रतिष्ठान (दुकाने) पूर्णतः बंद रखेगें एवं अन्य निर्णय शामिल है। साथ ही नगर कार्यकारिणी का गठन कर अमित श्रीवास को सेन (नाई) समाज नगर लालबर्रा का अध्यक्ष, अतुल सराठे को उपाध्यक्ष, अवधेश मानेश्वर को सचिव, गोविंद मानेश्वर को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। चर्चा में सेन (नाई) समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि समाज की आयोजित बैठक में नगर कार्यकारिणी का गठन करने, समाजोत्थान सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर सेन (नाई) समाज ब्लाक लालबर्रा का नगराध्यक्ष सर्वसम्मति से अमित श्रीवास को मनोनित किया गया है। साथ ही यह भी बताया कि बैठक में समाज के हित और संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण निर्णय भी लिये गये है। जिसमें यह निर्णय लिया गया है कि प्रत्येक माह के अंतिम शनिवार को सेन नाई समाज के सभी सदस्य अपने-अपने प्रतिष्ठान (दुकानें) पूर्णतः बंद रखेंगे। वहीं नियम का उल्लंघन करने पर 1100 रूपये का जुर्माना लिया जायेगा एवं प्रतिमाह 100 रूपये सदस्यों को समाज हित में राशि जमा करने का भी निर्णय लिया गया है। ताकि समाज के कोष को मजबूत और सामाजिक कार्य को गति दे सके। वहीं सेन (नाई) समाज ब्लाक लालबर्रा के पदाधिकारियां ने नवीन कार्यकारिणी के पदाधिकारियों से समाज को संगठित कर समाजोत्थान के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने की अपेक्षा की है। इस अवसर पर सेन (नाई) समाज ब्लाक लालबर्रा के पदाधिकारी एवं सदस्यगण व सामाजिक बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में स्वदेशी जागरण सप्ताह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय सेवा योजना का मनाया गया स्थापना दिवस, स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग से सकल घरेलु उत्पाद में होगी वृध्दि

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत गत दिवस स्वदेशी जागरण सप्ताह कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय सेवा योजना का 57 वां स्थापना दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत की अध्यक्षता एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत ने आत्म निर्भर भारत के निर्माण, स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग तथा विद्यार्थियों को स्वरोजगार से जुड़ने की बात कही ताकि सभी की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो सके। राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे ने राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्य योजना के बारे में विस्तार से जानकारी एवं विद्यार्थियों को एन.एस.एस से जुडने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि व्यक्तित्व विकास एवं चारित्रिक निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करती है। जन अभियान परिषद के परामर्शदाता चैनलाल चौधरी ने अपने व्याख्यान में विद्यार्थियों को भारत वर्ष की परतंत्रता से स्वतंत्रता प्राप्ति तक स्वदेशी आंदोलन की अवधारणओं से अवगत करवाया और कहा कि स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग से सकल घरेलु उत्पाद में वृध्दि होती है। साथ ही यह भी कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे को सत्र 2024-25 के दौरान नियमित गतिविधि एवं विशेष शिविर के साथ-साथ विभिन्न कार्यक्रमों का सफल आयोजन करने के साथ ही समाज सेवा करते हुए निःस्वार्थ भाव से कारसेवा की है। वहीं रासेयो में उनके द्वारा किये गये उत्कृष्ट सेवा कार्य हेतु रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर द्वारा आपकों उत्कृष्ट कार्यक्रम अधिकारी के रूप में सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन डॉ. कामाक्षा बिसेन एवं आभार प्रदर्शन नरेश सौलखे के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सुमन बरवा, डॉ. संगीता मेश्राम, डॉ. देवराज चौरे, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, दामेन्द्रप्रसाद हरिनखेड़े, श्रीमती संध्या परते, डॉ. ऋषिकेष पटेल, मनीष शिवहरे, डॉ. आशीष बागड़े, डॉ. आशा कारे, श्रीमती आरती विश्वकर्मा, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, वेंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, श्रीमती वंदना कुर्वे, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, मिनेश पंचेश्वर, प्रषिक हुमनेकर, कु. सोनम हरिनखेड़े, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

बकोड़ा के माँ कात्यायनी मंदिर में 203 मनोकामना कलश प्रज्जवलित

भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा आदिशक्ति की भक्ति का महापर्व शारदेय नवरात्रा पर्व

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत बकोड़ा स्थित माँ कात्यायनी मंदिर में मंदिर समिति के तत्वाधान में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी आदिशक्ति की भक्ति का महापर्व शारदेय नवरात्र पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। शारदेय नवरात्र पर्व के प्रथम दिन गत 22 सितंबर को शुभ मुहुर्त में पंडित के द्वारा विधि-विधान से पूजन अर्चन कर मंदिर के कलश कक्ष में 203 मनोकामना 'योति कलश स्थापित किये गये। जिसमें 168 तेल व 35 घी के कलश प्र'वलित कर प्रतिदिन सुबह-शाम माता-रानी की आराधना की जा रही है। साथ ही मातारानी के देवी भजन-जस का गायन भी रोजाना जारी है जिसके चलते माता-रानी के देवी भजन जस गीतों की गूंज से पूरा ग्राम भक्तिमय हो गया है। वहीं माँ कात्यायनी मंदिर बकोड़ा में बालाघाट जिले सहित अन्य जिले के भक्तजनों के द्वारा मनोकामना कलश स्थापित किये गये है और नौ दिवसीय पर्व के दौरान श्रध्दालु भक्तजन मंदिर में पहुंचकर पूजा अर्चना कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है। माँ कात्यायनी मंदिर समिति पदाधिकारियों ने बताया कि शारदेय नवरात्र पर्व के अवसर पर गत 22 सितंबर को शाम 7 बजे जवारे बोकर कलश कक्ष में 203 मनोकामना 'योति कलश प्र'वलित किये गये एवं सुबह व रात 8 बजे आरती की जाती है और आरती में श्रध्दालुजन पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है एवं विविध धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है। साथ ही यह भी बताया कि अष्टमी के अवसर पर हवन-पूजन व कन्याभोज का आयोजन किया गया है एवं नवमी के दिन प्रातः 10 बजे जवारे के साथ ही कलशों का विसर्जन किया जायेगा। इस नौ दिवसीय नवरात्र पर्व के अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील माँ कात्यायनी मंदिर समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने की है।

प्रधान पाठकों ने खैरलांजी के लेखपाल की थाने में की शिकायत

डीजीगो आईडी के भुगतान में धोखाधडी व शासकीय राशि का दुरूपयोग करने लगाया आरोप

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी पुलिस थाने में २७ सितंबर को संजय मेश्राम प्रधान पाठक शासकीय माध्यमिक शाला खुरसीपार, शिवपाल सिंह मरावी एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला सिवनघाट के द्वारा थाना प्रभारी खैरलांजी एवं पुलिस अधिक्षक बालाघाट के नाम शिकायत दी है। जिसमें उनके द्वारा वरूण देव लेखापाल जनपद शिक्षा केन्द्र खैरलांजी विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक जनपद शिक्षा केन्द्र खैरलांजी पर डीजीगो आईडी से मदवार भुगतान करने का सही दिशा निर्देश नही देकर धोकाधडी करने व शासकीय राशि का दुरूपयोग करने का आरोप लगाते हुए कार्यवाही करने की मांग की गई है। ऐसे में वर्तमान तक करीब १८ प्रधान पाठकों के द्वारा शिकायत किए जाने की बात बताई जा रही है। जिनके द्वारा कार्यवाही नही होने पर आंदोलन की भी चेतावनी दी जा रही है। शिकायत में बताया कि वरूण देव लेखापाल जनपद शिक्षा केन्द्र खैरलांजी द्वारा डीजीगो आईडी व पासवर्ड का उपयोग कर विश्वास में हमे लेकर ओटीपी प्राप्त की व शासकीय राशि का दुरूपयोग करते हुए धोखाधडी की गई है जिसके जिम्मेदार लेखापाल वरूणदेव घनचले है। वरूण देव लेखापाल जनपद शिक्षा केन्द्र खैरलांजी विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक जनपद शिक्षा केन्द्र खैरलांजी के द्वारा डीजीगो आईडी व पासवर्ड नही प्रदान की गई और ना ही कोई प्रशीक्षण के दौरान मदवार भुगतान करने संबंधी दिशा निर्देश प्रदान किए गए । आईडी मौखीक व लिखित रूप से मांगने पर लिखित पत्र की पावती नही प्रदान की गई। डीजीगो आईडी का पासवर्ड का उपयोग कर प्रारंभ से ही भुगतान नही किया गया है। इसकी वास्तवीक सत्यता हेतु भुगतान में उपयोग कम्पयुटर व मोबाईल नंबर का आईपी एड्रेस ट्रेस करते हुए साईबर सेल से उच्च स्तरीय जांच की जायें। खुर्सीपार स्कूल की आईडी से सत्र २०२४-२५ में ६२५० रूपये की राशि वेण्डर माँ रेणुका स्टेशनरी को भुगतान हो चुकी है संज्ञान में नहीं है। इस संस्था में ६२५० रूपये की राशि की कोई सामग्री प्राप्त भी नहीं हुई। इस सम्पूर्ण धोखाधडी की जिम्मेदारी लेखापाल वरुण देव की है। वही एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला सिवनघाट की आईडी से रानी लक्ष्मी बाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण की राशि मां रेणुका स्टेशनरी संजय नंदनवार को ४०००० रुपये का भुगतान किया गया है। संज्ञान में नहीं है यूजर आईडी पासवर्ड प्राप्त हुआ जिससे देखा गया तो धोखाधड़ी की गई है।

फर्जी राशि आहरण करने पर कार्यवाही नहीं हुई तो आंदोलन करेंगे-शिवपाल सिंह मरावी

शिवपाल सिंह मरावी ने बताया कि मैं एकीकृत शाला सिवनघाट में प्रधान पाठक हूं। हमने कई बार बीआरसी को शिकायत किया है पर ध्यान नहीं दिया फिर संघ के माध्यम से शिकायत किया। डीपीसी ने जनपद की बैठक में आकर सारी घटना सुनी उसके बाद हमें आईडी पासवर्ड मिला है। वह भी डीपीसी के माध्यम से मिला है बीआरसी ने हमें नहीं दिया इसमें फर्जी ट्रांजैक्शन किए गए हैं। वर्ष २०२२-२३ से यह हो रहा है क्योंकि हमें आईडी नहीं मिली थी। हमारे द्वारा कई बार मांग की गई है पर बैठक के बाद हमें यह दिया गया है। मेरे स्कूल से करीब ४०००० रूपये का भुगतान हुआ है जो मेरे संज्ञान में नहीं है इसकी शिकायत करने हम आए हैं। अभी तक १९ प्रधान पाठक ने शिकायत किया हैं यदि कार्यवाही नहीं हुई तो आंदोलन करेंगे।

लेखपाल के द्वारा किसी भी प्रधान पाठक को डीजीगो आईडी पासवर्ड नहीं दिया गया-संजय मेश्राम

संजय मेश्राम ने बताया कि मैं प्राथमिक शाला खुर्सीपार में प्रधान पाठक हूं । बीआरसी के लेखपाल वरुण देव धनचले हैं उनके द्वारा किसी भी प्रधान पाठक को डीजीगो आईडी पासवर्ड नहीं दिया गया था। मनमाने ढंग से उपयोग किया गया है कई खातों में गड़बड़ी है यदि राशि बच्चों की संख्या पर किसी को ५०००० आई है तो यह ७५ प्रतिशत ही बताते थे। जब हमने देखे तो वह ज्यादा है हमारे बिना अनुमति के खर्च किया गया है सभी स्कूलों को देखने पर अब जानकारी लग रही है। ऐसी धोखाधड़ी हमारे साथ हुई है इन्हें दंड मिलना चाहिए सभी अधिकारियों को हमने बता दिया है। परंतु कहां कार्यवाही ढीली पड़ रही है क्यों लोग इसे बचा रहे हैं पता नहीं। सपोर्ट तो जरूर है क्योंकि यह धोखाधड़ी और शासकीय रुपये के गबन का मामला है त्वरित कार्यवाही होना चाहिए पर अभी तक कुछ नहीं हुआ है।

लेखापाल के द्वारा अनादिकृत रूप से रुपये निकाले गए है-नरेंद्र दरवड़े

नरेंद्र दरवड़े ने बताया कि शिक्षक साथियों से डीजीगो आईडी पोर्टल से धोखाधड़ी की गई है अनादिकृत रूप से रुपये निकाले गए हैं। वरुण देव धनचले के द्वारा यह किया गया है पूरे ब्लॉक में यही स्थिति है दो.तीन शिक्षक जिन्होंने लड़ाई लड़कर अपनी आईडी ली थी उन्हें छोड़ दे तो। हमने सभी अधिकारियों को शिकायत किया कलेक्टर ने एफआईआर करने के लिए कहा था गबन की है। परंतु एक सप्ताह पहले से अभी तक कोई कार्यवाही नहीं दिखाई तो हम सांसद और जिला अध्यक्ष के पास गए थे। उन्होंने कार्यवाही का आश्वासन दिया है पोर्टल सभी शिक्षकों को मिलने के बाद वह खोल रहे हैं। वरुण देव पोर्टल को ब्लॉक कर रहा है रिकॉर्ड ना दिखे और आईडी ना खुले वह उसकी मनसा है आज भी पासवर्ड उसके पास है। कई लोग बिल नहीं देख पा रहे हैं शीघ्र कार्यवाही इस पर होना चाहिए वरना हम सभी धरना आंदोलन करेंगे।

यदि संगठन साथ नहीं आया तो मैं खुद आंदोलन करूंगी-सुनीता बहेटवार

जिला पंचायत सदस्य सुनीता बहेटवार ने बताया कि हमारी बैठक में प्रधान पाठकों की शिकायत आई थी कि आईडी पासवर्ड नहीं दे रहे हैं दबाव बनाकर काम कराया जा रहा है। उसके बाद बीआरसी की जगह डीपीसी ने आईडी दी और उसे खोले तो सामने आ रहा है कि मार्शल आर्ट आत्मरक्षा का भुगतान हार्डवेयर की दुकान को किया जा रहा है। सारे शिक्षकों की आईडी लॉक की जा रही है अभी तक १७ शिक्षकों ने शिकायत किया है। जबकि जिला पंचायत सीईओ ,जिला कलेक्टर को ध्यान देना चाहिए दो बार डीपीसी ने जांच प्रतिवेदन तैयार कर दिया है पर आज तक कुछ नहीं हुआ। जिला पंचायत सीईओ बहुत सुस्त है हम अपने क्षेत्र में ऐसे भ्रष्ट व्यक्ति को नहीं रखना चाहते हैं। यदि संगठन साथ नहीं आया तो मैं खुद आंदोलन करूंगी। बीआरसी ने किसी को आईडी नहीं दी है यह लोग नाम बदल रहे हैं लॉक कर रहे हैं।

अमई के कनारटोला में हुआ कवि सम्मेलन

खैरलांजी/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत अमई के कनारटोला में नवरात्रि पर्व के पंचम दिवस पर कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें रात्रि ९.३० बजे से शुरू हुए कवि सम्मेलन में महज तीस मिनट बाद ही बारिश शुरू हो गई थी। जहां पहले तो श्रोता तो कुर्सी पर ही जमे रहे फिर कुर्सियां उल्टी कर कवि सम्मेलन का लुत्फ़ लेते रहे। लेकिन बारिश बढ़ते देख कोई स्कूल की छत के नीचे,कोई मकानों में,कोई बस स्टाप, कोई छाता तो कुछ मंच पर ही बैठ गये और देर रात तक ठहाके लगाते रहे। पहली बार इतने जीवट श्रोता देखने में आयें। अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का संयोजन संजय अश्क बालाघाटी और संचालन कवि दिनेश देहाती ने किया। जहां सर्वप्रथम मां सरस्वती की वंदना कर बालाघाट के कवि किशोर सागर ने बेहतरीन काव्यपाठ कर खूब तालियां बटोरी। मिरगपुर के हास्य.व्यंग्य कवि शैलेश इनायत की कविता तेरे मोहल्ले का इंतजाम बड़ा कडा रहता है,हर गेट पर कुत्ता खड़ा रहता है पर श्रोताओं ने खूब ठहाके लगाएं। हास्य कवि अंतू झकास की कविता अपना क्या पर श्रोता लोट.पोट हो गये। उनके चिर परिचित अंदाज ने हंसा हंसाकर पागल कर दिया। जांजगीर छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ कवि भैयालाल नागवंशी के गीत श्रोताओं के अंतर्मन तक जा बसे। उनके गीतों पर खूब प्यार मिला। छिंदवाड़ा के छंदों के हास्य सम्राट भुवन सिंह धांसू के छंदों पर जमकर ठहाके लगे। उनके अनेक छंदों पर श्रोता बस हंसते और ठहाके लगाते रहे। मंच संयोजक संजय अश्क के मुक्तक तीर कमान की तरह बरसे। जिंदगी अपनी तेरी यादों की किताब लगती है कविताएं मोहब्बत का अजाब लगती है। छोड़ने को आज ही छोड़ दूं शराब लेकिन पीता नहीं तो तबीयत खराब लगती है। पर जमकर वाहवाही मिली। नागपुर से पधारे सुदामा अक्रांत ने हास्य.व्यंग्य से खूब हंसाया। अंत में दिनेश देहाती ने शानदार काव्यपाठ कर और संचालन करते श्रोताओं को खूब हंसाया। देर रात तक चले इस कार्यक्रम में श्रोताओं ने बारिश के लगातार होते हुए भी कवि सम्मेलन का लुत्फ़ लेने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

समूह द्वारा परोसे जा रहे मध्यान्ह भोजन का पालक शिक्षक संघ ने किया बहिस्कार

बच्चें अपने घर से लेकर जा रहे टीपीन

खैरलांजी/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी जनपद शिक्षा केन्द्र के अंतर्गत संकुल कटोरी के माध्यमिक शाला के समूह पर पालकों और पालक शिक्षक संघ के सदस्य का आरोप है कि समूह के द्वारा घटिया गुणवत्ता का भोजन परोसा जा रहा है। जिसकी शिकायत उनके द्वारा प्रधान पाठक को शाला पहुंचकर की गई। और सभी ने निर्णय लिया कि कोई भी छात्र छात्राएं शाला में भोजन नही करेंगे और घर से टीपीन लेकर आएंगे। सभी का आरोप है कि पूर्व में भी समूह द्वारा बरती जा रही लापरवाही की जानकारी और शिकायत प्रधान पाठक सहित संबंधित अधिकारियों को की गई लेकिन इस बात को हमेशा इनके द्वारा नजर अंदाज किया गया। अब भोजन में त्रुटि ना हो इसके बावजूद भी कोई सुधार नहीं पाया गया। मध्यान भोजन में इल्लीयां पाई गयी ततपत्पश्चात् बच्चों के द्वारा अपने पालको को तुरंत बताया गया। पालक शाला परिसर स्थल पर पहुंचे। किन्तु तब तक भोजन फेक दिया गया था उसके बाद पालको के द्वारा यह निर्णय लिया गया कि आज के बाद स्कूल में बना भोजन हम लोग अपने बच्चों को नहीं खाने देंगे। क्योंकि कभी भी हमारे बच्चों के साथ अनहोनी हो सकती है अत: हम सभी अपने अपने घरों से टिफिन भेजा करेंगे। उन्होंने विभाग से निवेदन करते हुए नियमानुसार कार्यवाही करने की मांग की है। जिससे कि सुचारू रूप से शाला के मध्याह्न भोजन की व्यवस्था संचालित होती रहे। शिकायत करने वालों में वर्षा चौहान, धनसिंग कटरे, चुन्नीलाल गौतम, मनोज रहाँगडाले, कुलदीप शरनागत,रमेश गौतम, राजुप्रसाद पटले, डेविड मेश्राम,भजेंद्र नागोसे, शंकर लाल बिसेन,श्यामकुमार, इंद्रजीत गौतम, गणेश,धनेन्द्र मेश्राम, संगीता रहाँगडाले, रेखलाल,सालिकराम, विनोद फुन्रे, ज्योति राउत,आशा राउत,मुन्नी गौतम,मीना कोल्हे ने की है।

इनका कहना है

मेरे द्वारा सभी पालकों को समझाते हुए कहा कि वह मध्याह्न भोजन का विरोध ना करते हुए समूह को हटाने की बात करें तो एसएमसी में इस बात का प्रस्ताव भी लिया जा सकता है। लेकिन पालक नही माने और बच्चे घर से टीपीन लेकर आएंगे ऐसा बोलकर चले गए। इसकी जानकारी हमारे द्वारा बीआरसी कार्यालय को दे दी गई है।

राजेंद्र गौतम
प्रधान पाठक माध्यमिक शाला कटोरी

शिकायत आई है शीघ्र ही जांच दल बनाकर जांच कर पालकों से चर्चा की जाएगी। और जो भी आवश्यक कार्यवाही हो होंगी की जाएगी।

अनिल माहुले
बीएसी व मध्याह्न भोजन प्रभारी खैरलांजी

महाविद्यायल में 57 वां एनएसएस स्थापना दिवस मनाया गया

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय में संचालित एनएसएस इकाई एवं रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वाधान में ५७ वां राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस मनाया गया। स्थापना दिवस के अवसर पर हेमंत कुमार मण्डाले, रक्षा निकोसे, नरेन्द्र कुमार डोंगरे, संदीप कोकाडे , सुनिल धामड़े उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मॉ सरस्वती एवं रासेयो के आदर्श राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं प्रेरणा पुरूष स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया। एनएसएस के स्वयं सेवकों के द्वारा उपस्थित अतिथियों का पुष्प गुच्छ एवं तिलक वंदन कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम अधिकारी एनएसएस दिवस पर कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। हेमंत कुमार मण्डाले के द्वारा स्वयं सेवकों से कहा कि रासेयो में जुडकर आप समाज के प्रत्येक वर्ग का विकास साथ ही राष्ट्र के विकास में योगदान दे सकते हैं। समस्त स्वयं सेवकों को आज सामुदायिक भागीदारी को संगठित करने समूह बनाने जिम्मेदारियों को साझा करने के लिए एनएसएस के उद्देष्यों को आधार बनाकर आगे बढ़े एवं समाज में अपना अधिक से अधिक योगदान दें। रक्षा निकोसे ने कहा कि एनएसएस आपकी कला एवं व्यक्तित्व को निखारने के साथ साथ प्रगती के मार्ग में सफलता हासिल करने में सहायक होता हैं। संदीप कोकाडे एवं सुनिल धामड़े के द्वारा एचआईवी/एड्स के बारे में संक्षिप्त जानकारी देते हुए कहा कि एचआईवी लाइलाज बिमारी हैं, एचआईवी कारण, लक्षण, उपचार एवं रोकथाम से स्वयं सेवकों को अवगत कराया। एनएसएस स्थापना दिवस के अवसर पर स्वयं सेवकों के द्वारा व्याख्यान, गीत, एकल नृत्य, समूह नृत्य आदि विधाओं पर अपनी प्रस्तुती प्रस्तुत की गई। पुरस्कार कार्यक्रम में राज्य स्तर पर प्रतिभागी अतुल घोडश्वार, मॉ तुझे प्रणाम योजना अंतर्गत रविन्द्र पटले, दीपेश उंदीरवाडे, विश्वविद्यालय स्तर पर प्रतिभागी उत्कृष्ट स्वयं सेवक में विवेक मेंश्राम, सांस्कृतिक प्रतिभागी शिवानी मेश्राम, शिवानी उइके, प्रियांशी, दिपाली, मासूम, करूणा, धनेश्वरी को उपस्थित अतिथियों के द्वारा प्रमाणपत्र एवं शिल्ड प्रदान किया गया।

खैरलांजी में ९८७ हितग्राहियों के स्वास्थ्य की हुई जांच

रक्तदान एक मानवता से भरा कार्य है -प्रदीप जायसवाल

खैरलांजी/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खैरलांजी में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत खंड स्तरीय विशाल स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलप के निर्देशन में एवं मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर खेलेंद्र पाल नागेंद्र के मार्गदर्शन में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल की अध्यक्षता में किया गया। शिविर में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के ग्राम स्तरीय शिविर से चिंहित की गई। महिलाओं को विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा जांच करा कराई गई । शिविर में ९८७ हितग्रयुक्त का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्त्री रोग चिकित्सक द्वारा ३६६, नेत्र विशेषज्ञ के द्वारा १६५, शिशु रोग विशेषज्ञ के द्वारा १८५, मेडिसिन विशेषज्ञ के द्वारा ३९९, कुष्ठ रोग विभाग के द्वारा ३५, हितग्राही की जांच मलेरिया विभाग के द्वारा २१५ हितग्राही रक्त की जांच की गई एवं संस्था में आयोजित रक्तदान शिविर में ४५ यूनिट रक्त संग्रहण किया गया। जिसमें ब्लॉक के सभी रक्तदाता के द्वारा रक्तदान किया गया। पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि रक्तदान एक मानवता से भरा कार्य है जिसमें कोई भी स्वस्थ व्यक्ति अपने रक्त का एक हिस्सा दूसरो की जान बचाने के लिये दान करता है। यह एक निस्वार्थ सेवा है जो जीवनदान के रूप में काम करती है। इस कार्य से रोगीयो को मदद मिलती है बल्कि यह रक्तदाता के स्वास्थ्य के लिये भी लाभकारी होता है। इस अवसर पर स्वास्थ्य शिविर में मधु शुक्ला जिला पंचायत सदस्य,प्रकाश उके जिला पंचायत सदस्य,नरेंद्र शुक्ला ,डोमन सिंह लिल्हारे, मानसिंह बहेटवा, डॉ प्रफुल्ल भारती, डॉक्टर आदित्य पाटीदार, कमल नागपुरे, विजय आनंद मेश्राम,हरियर उपवंशी उपस्थित रहे।

वैनगंगा नदी पर घोटी पूल का निर्माण विकास कार्य का प्रतिक है-प्रदीप जायसवाल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नवरात्रि पर्व नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रो में भी धार्मिकता के साथ मनाया जा रहा है। इसी दौरान ग्राम सिवनघाट, लावनी,घोटी सहित अन्य ग्रामों में पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल कार्यक्रमों में शामिल हुये। ग्राम सिवनघाट में श्रीमद देवी भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह में कथा वाचक सुनील भगत महाराज ने मातारानी की शक्तियों का बखान करते हुए कहा की सदैव जिंदगी में मानव को धर्म,सत्कर्म व सेवाभाव को प्रधानता देनी चाहिए। जिससे हमे विपरीत पलो में संघर्ष करने की शक्ति मिलती है। कथा व्यास से महाराज ने कहा की पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल आपने अपने घर में स्वर्गीय अम्रतलाल जायसवाल की स्मृति में दो बार भागवत करायी है। मातारानी जरूर इस पुनीत कार्य के लिये आपका जीवन सफल करेगी। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की मातारानी की ९ शक्तियों की आराधना से हम अपने जीवन में संघर्ष के समय भगवान श्रीराम की तरह सफलता पा सकते है। इसी तरह सिवनघाट सहित अन्य ग्रामीण क्षेत्र के विकास के संबंध में श्री जायसवाल ने कहा की बैनगंगा नदी पर जिले के सबसे बड़े घोटी पूल का निर्माण अपने साथ कई सुनहरी सौगातों को भी जोड़ कर लाया है। जिसमे सड़क निर्माण,पेट्रोल पम्पो की कतार, जमीनों के हजारों रुपये स्केवर फिट दाम आदि शामिल है। गोविंद ठाकरे,दुमेन्द्र पटले, दिलीप राहंगडाले, तामेश्वर कतरे, राजेन्द्र पटले, तुलसी चौधरी, कन्हैया पटले, अनीश मिश्रा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

स्वर कोकिला लता मंगेशकर

स्वर कोकिला लता मंगेशकर भारतीय संगीत जगत की एक ऐसी शख्सियत हैं जिनका नाम संगीत प्रेमियों के दिलों में अमर है। 28 सितंबर 1929 को इंदौर मध्य प्रदेश में जन्मी लता मंगेशकर ने अपने सात दशक से अधिक लंबे करियर में हजारों गीत गाए जो न केवल हिंदी सिनेमा बल्कि भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बन गए। उनकी मधुर आवाज ने उन्हें विश्व स्तर पर ख्याति दिलाई। उनकी मखमली और जादुई आवाज की दुनिया दीवानी थी। आज भी उनकी आवाज़ दिल को छूती नहीं,बल्कि दिल में बस जाती है। हर दिल अजीज लता मंगेशकर ने अपनी आवाज से हिंदी सिनेमा की गायकी में ऐसे चार चाँद लगाए कि हर कोई उनका मुरीद हुए बिना नहीं रह पाया। सही मायनों में हिंदी सिनेमा की गायकी की दुनिया को लता ने अपने मधुर स्वर से नई दिशा देने का काम किया। लता की आवाज हर किसी भी हर किसी संगीत प्रेमी के दिल के तारों को झंकृत कर देती है। लता मंगेशकर का जन्म 28 सितंबर 1929 को मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में पंडित दीनानाथ मंगेशकर के मध्यवर्गीय परिवार में हुआ। लता पांच भाई बहनों में सबसे बड़ी थी। लता मंगेशकर का जन्म के वक्त नाम हेमा रखा गया था लेकिन कुछ साल बाद अपने थिएटर के एक पात्र लतिका के नाम पर दीनानाथ जी ने उनका नाम लता रखा। लता मंगेशकर के पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर एक क्लासिकल सिंगर और थिएटर आर्टिस्ट थे। लता की तीन बहनें मीना, आशा, उषा और एक भाई हृदयनाथ मंगेशकर थे। पांच साल की उम्र में ही लता जी ने अपने पिता से संगीत की शिक्षा लेनी शुरू की और वह वह थिएटर में एक्टिंग किया करती थी।

जब वो स्कूल गयी तो वहां के बच्चों को संगीत सिखाने लगी लेकिन जब लता को अपनी बहन आशा को स्कूल लाने से मना किया गया तो उन्होंने स्कूल जाना छोड़ दिया। सुरों की मल्लिका लता मंगेशकर का भी बॉलीवुड में सफर इतना आसान नहीं था। काफी समय तक उन्हें कोई प्रोजेक्ट नहीं मिला। प्रोजेक्ट नहीं मिलने की दो वजहें थीं। एक तो साल 1940 के दौर में जब उन्होंने फिल्मी दुनिया में एंट्री ली बॉलीवुड में नूरजहां और शमशाद का दबादबा था और दूसरा लता की आवाज़ की पिच काफी हाई थी और आवाज़ पतली। ऐसे में उस दौर के चलन में चल रहे गानों के मुताबिक आवाज भी फिट नहीं बैठती थी। प्रोड्यूसर शशिधर मुखर्जी ने लता मंगेशकर की आवाज को पतली आवाज कहकर अपनी फिल्म शहीद में गाने से मना कर दिया था। फिर म्यूजिक डायरेक्टर गुलाम हैदर ने लता मंगेशकर को फिल्म मजबूर में दिल मेरा तोडा, कहीं का ना छोड़ा गीत गाने को कहा जो काफी सराहा गया। लता मंगेशकर के पिता नहीं चाहते थे कि वो फ़िल्मों के लिये गाने गाये लेकिन लता मंगेशकर बचपन से ही गायक बनना चाहती थी। लता ने जोगलेकर द्वारा निर्देशित एक फ़िल्म कीर्ति हसाल के लिये पहली बार गाना गाया था लेकिन उनके पिता नहीं चाहते थे कि लता फ़िल्मों के लिये गाये इसलिये इस गाने को फ़िल्म से निकाल दिया गया लेकिन वसंत जोगलेकर लता की प्रतिभा से काफी प्रभावित हुए। साल 1942 में उनके पिता इस दुनिया को छोड़ गए और लता मंगेशकर के कंधों पर परिवार को संभालने की सारी ज़िम्मेदारी आ गई। पिता की मौत के बाद लता को पैसों की बहुत किल्लत झेलनी पड़ी और काफी संघर्ष करना पड़ा। इसी वज़ह से लता मंगेशकर ने 1942 से लेकर 1948 तक करीब 8 हिंदी और मराठी फिल्मों में काम किया।1940 के दशक में लता मंगेशकर जब फिल्मों में गाना शुरू किया तो वो लोकल पकड़कर अपने घर मलाड जाती थी। वहां से उतरकर पैदल स्टूडियो बॉम्बे टॉकीज जाती। रास्ते में किशोर दा भी मिलते लेकिन वो एक दूसरे को नहीं पहचानते थे। किशोर कुमार लता मंगेशकर की ओर देखते रहते। कभी हंसते। कभी अपने हाथ में पकड़ी छड़ी घुमाते रहते। लता मंगेशकर को किशोर कुमार की ये हरकत अजीब लगती थी।हिंदी सिनेमा में उन्होंने पहला गाना साल 1943 में गाया। ये गाना था फिल्म गजाभाऊ का और इसके बोले थे माता एक सपूत की दुनिया बदल दे तू। हालांकि इस गाने से लता को कुछ खास पहचान नहीं मिली। लता मंगेशकर खेमचंद प्रकाश की एक फिल्म में गाना गा रही थी। एक दिन किशोर दा भी उनके पीछे-पीछे स्टूडियो पहुंच गए। लता मंगेशकर ने किशोर कुमार की खेमचंद से शिकायत की। तब खेमचंद ने लता को बताया कि किशोर कुमार अशोक कुमार के छोटे भाई हैं।

संवाद से समाधान तक- लेह-लद्दाख में हिंसा का सबक

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को राज्य का दर्जा देने व संविधान के अंतर्गत विशेष संरक्षण देने वाली छठी अनुसूची में शामिल करने के लिये चल रहे आंदोलन का हिंसक एवं विध्वंसक होना, विरोध प्रदर्शन, पुलिस के साथ झड़प और आगजनी की घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ-साथ चिन्ताजनक है। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी एकत्र हुए और उन्होंने लेह में भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में आग लगा दी और उसके बाहर खड़े वाहनों को फूंक दिया। आमतौर पर बेहद शांत रहने वाले लद्दाख के लिए यह बहुत बड़ी घटना है। दरअसल, पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक दो सप्ताह से अनशन पर थे, उनके साथ अन्य कार्यकर्ता भी अनशनरत थे, जिनकी तबीयत बिगड़ने से जन-आक्रोश एवं हिंसा भड़की। इस हिंसा ने अनेक सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर यह घटना वहाँ की जनता के असंतोष और बेचैनी को उजागर करती है, वहीं दूसरी ओर यह संकेत देती है कि लंबे समय से किए जा रहे वादे और आश्वासन क्यों अधूरे रह गए और क्यों स्थानीय लोग स्वयं को असुरक्षित महसूस करने लगे हैं?

सरकार ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 और 35ए के प्रावधान हटाने के साथ ही जम्मू-कश्मीर से अलग कर लद्दाख को केंद्र शासित राज्य बनाया था। तब सरकार ने वादा किया था कि हालात सामान्य होते ही पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाएगा। लोगों ने सोचा था कि अब उनकी पहचान, संस्कृति और स्थानीय अधिकार और अधिक सुरक्षित होंगे। लेकिन इसके विपरीत उनकी आशंकाएँ बड़ीं। उन्हें लगा कि संघ शासित प्रदेश के रूप में दिल्ली से संचालित प्रशासन स्थानीय जरूरतों और आकांक्षाओं को समझने और पूरा करने में असफल हो रहा है। इसी कारण 6 साल बाद लोगों का भरोसा और सब्र डगमगाने लगा। इसी के चलते सोनम वांगचुक को अहिंसक आन्दोलन का रास्ता अख्तियार करना पड़ा, जो कतिपय कारणों से हिंसक हो गया। हालांकि, हिंसा के बाद वांगचुक ने अपना अनशन त्याग कर आंदोलनकारियों से शांति की अपील की है। उन्होंने कहा है कि इस तरह की हिंसा से शांतिपूर्ण आंदोलन का मेरा संदेश आज विफल हो गया। अगर युवा गलत रास्ते पर जाएंगे, तो इससे हमारे वास्तविक उद्देश्य गुम हो जायेंगे। वाकई, लद्दाख के संयमी समाज को सतर्कता और संवेदनशीलता का परिचय देना चाहिए। वांगचुक का पूरा आंदोलन अहिंसक रहा है। सरकार से मतभेद होने पर भी उन्होंने बातचीत का रास्ता नहीं छोड़ा। उनके समर्थन में खड़े युवाओं को इसे समझना चाहिए। हिंसा से समस्या जटिल हो जाएगी। लद्दाख की जो भौगोलिक स्थिति है, उसे देखते हुए वहां के लोगों को कानून-व्यवस्था के प्रति विशेष रूप से सजग रहना चाहिए। लद्दाख का केंद्रशासित प्रदेश बनना एक नये सूरज का उदय होना है और इसका वहां के लोगों ने स्वागत भी किया था। इस क्षेत्र को कश्मीर घाटी के वर्चस्व से मुक्ति मिली थी, पर वहां के लोगों की महत्वाकांक्षा को राजनीति रंग देकर एवं संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों के अंधेरों में धकेल कर इसके वास्तविक उद्देश्यों को धुंधलाने की कुचेष्टा की गई है।

हिंसा व आगजनी के बाद केंद्र शासित प्रदेश में संचारबंदी लागू की गई है। मीडिया माध्यमों से कुछ आंदोलनकारियों के मारे जाने की बात भी कही जा रही है। प्रतिक्रिया स्वरूप लेह बंद का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। यह प्रदर्शन कालांतर हिंसक प्रतिरोध में बदल गया। घटनाक्रम के बाद जम्मू-कश्मीर के विपक्षी दलों ने हिंसा के लिये केंद्र को निशाने पर लिया है। कहा गया कि आंदोलनकारी लेह की अस्मिता को संरक्षण देने और स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्र व लद्दाख के प्रतिनिधियों के बीच आगामी 6 अक्टूबर, 2025 को एक वार्ता का दौर निर्धारित था, जिसमें लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के सदस्य शामिल होने वाले हैं। जब बातचीत होने ही वाली है, तो ऐसे विरोध प्रदर्शन की क्या जरूरत थी? लेह के लोग अधूरे वायदों से खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और उनमें यह डर है कि अगर शासन उनके हाथ में न रहा तो प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन होगा। इसी वजह से आंदोलनकारियों की हिंसक अभिव्यक्ति सामने आई है। वास्तव में, यह पूरा आंदोलन राजनीतिक प्रवृत्ति का है। इस प्रदर्शन को साफ तौर पर सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश के रूप में देखा जा सकता है। कहा जा रहा है कि ताजा विरोध-प्रदर्शन केन्द्र से बातचीत को अनुकूल दिशा में ले जाने की रणनीति का हिस्सा है।

लद्दाख के लोग चाहते हैं कि उन्हें पूर्ण राज्य का अधिकार मिले ताकि वे अपने निर्णय स्वयं ले सकें। साथ ही उनकी यह भी माँग है कि उन्हें संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किया जाए जिससे उनकी भूमि, संसाधन, परंपराएँ और रोजगार सुरक्षित रहें। रोजगार के अवसरों की कमी और सरकारी नौकरियों में स्थानीय युवाओं की उपेक्षा ने इस असंतोष को और गहरा किया है। लेह और कारगिल के बीच प्रतिनिधित्व को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। लगातार समितियाँ बनीं, बातचीत हुई, आश्वासन दिए गए, लेकिन जब ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो लोगों के भीतर अविश्वास बड़ा। निस्संदेह, लेह चीन की सीमा से लगा सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र है, जिसके मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाना जरूरी है। एक बड़ा मुद्दा क्षेत्र के युवाओं की बेरोजगारी रही है। युवाओं की दलील है कि क्षेत्र के युवाओं को पहले जम्मू-कश्मीर पब्लिक सर्विस सेलेक्शन कमीशन में राजपत्रित अधिकारी पदों के लिये आवेदन का मौका मिलता था, जो लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेश बनने के बंद हो गया। स्थानीय युवा अब केंद्रीय कर्मचारी चयन आयोग की स्पर्द्धा में टिक पाने में दिक्कत महसूस करते हैं। वहीं दूसरी ओर स्थानीय नौकरियों में युवाओं के लिये कोई विशेष अभियान भी नहीं चला। जिससे बेरोजगारों में खासा रोष व्याप्त रहा है।

आंदोलनकारी इसके अलावा कारगिल व लेह को लोकसभा सीट बनाने और स्थानीय लोगों को सरकारी नौकरियों में वरीयता देने की भी मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि संविधान के अनुच्छेद 244 की छठी अनुसूची में ऐसी स्वायत्त व अधिकार संपन्न प्रशासनिक इकाइयों का प्रावधान है, जिनके पास जल-जंगल व उद्योगों को लेकर क्षेत्र की संस्कृति व संरक्षण हेतु निर्णय करने का अधिकार होता है। लोग यह महसूस करने लगे कि उनकी जान-माल की सुरक्षा को लेकर सरकार गंभीर नहीं है। लद्दाख की जनता के भीतर असुरक्षा की भावना इसलिए भी है क्योंकि उन्हें लगता है कि उनकी भूमि और संसाधनों पर बाहरी दखल बढ़ रहा है। स्थानीय प्रशासनिक संस्थाएँ जैसे हिल डेवलपमेंट काउंसिल्स कमजोर कर दी गई हैं और महत्वपूर्ण फैसले केंद्र के हाथ में केंद्रित हो गए हैं। इससे यह भावना गहराती है कि स्थानीय समाज की आवाज को दबाया जा रहा है। जब लंबे समय तक विश्वास और संवाद की कमी बनी रहती है तो जनता के धैर्य का बाँध टूट जाता है। यह सिर्फ राज्य का दर्जा पाने की माँग नहीं है बल्कि यह आत्म-नियंत्रण, पहचान और न्याय पाने की जद्दोजहद है।

लद्दाख की जनता यह चाहती है कि उनके अधिकारों को संवैधानिक गारंटी मिले, उनके संसाधनों की सुरक्षा हो और निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो। यदि सरकार ने पहले जो आश्वासन दिए थे, उन्हें समयबद्ध और स्पष्ट तरीके से लागू कर दिया जाता तो शायद स्थिति यहाँ तक न पहुँचती। आज जरूरत इस बात की है कि सरकार संवाद और विश्वास बहाली की दिशा में ठोस कदम उठाए। संवैधानिक गारंटी देकर, स्थानीय प्रतिनिधित्व को सशक्त बनाकर, रोजगार और शिक्षा की योजनाओं को मजबूती देकर ही इस असंतोष को शांत किया जा सकता है। लद्दाख की जनता को यह विश्वास दिलाना होगा कि उनके हित सुरक्षित हैं, तभी हिंसा और आक्रोश का माहौल शांति और भरोसे में बदला जा सकेगा। लोगों में यह विश्वास पैदा करना जरूरी है कि फैसलों में लद्दाख के हितों का ख्याल रखा जाएगा। इसका सबसे बेहतर तरीका है पारदर्शिता। वहीं, जनता को भी समझना होगा कि सरकार के लिए हर मांग मानना और तुरंत मानना संभव नहीं होता।

-ललित गर्ग

शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन पर पहले गल्ती से धारा 87 ए की छूट दे दी गई थी-छूट 31 दिसंबर 2025 तक वापस करना होगा

भारत में आयकर कानून समय-समय पर संशोधित होते रहते हैं और हर बदलाव का असर सीधे तौर पर टैक्सपेयर्स पर पड़ता है। हाल ही में 19 सितंबर 2025 को जारी आयकर विभाग के सर्कुलर ने लाखों टैक्सपेयर्स का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इसमें कहा गया कि शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन (एसटीसीजी) पर पहले गलती से धारा 87ए की छूट दे दी गई थी, लेकिन अब इस गलती को ठीक किया जाएगा। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कहा है कि करदाता आयकर अधिनियम की धारा 87ए के तहत उस आय पर कर छूट का दावा नहीं कर सकते, जिस पर विशेष दरों पर कर लगाया जाता है, जिसमें शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन भी शामिल है,वित्तीय वर्ष 2023-24 में कई करदाताओं ने शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन पर छूट का दावा किया था, लेकिन आयकर विभाग ने उनके अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया और बकाया करों की मांग की है।विभाग ने अब ऐसे करदाताओं से 31 दिसंबर, 2025 तक अपना बकाया कर चुकाने को कहा है, यह उन मामलों पर भी लागू होता है जहां पहले गलती से छूट दे दी गई थी. सीबीडीटी ने 19 सितंबर को जारी अपने सर्कुलर में कहा था कि कई मामलों में रिटर्न गलत तरीके से प्रोसेस किए गए थे और विशेष कर दरों के अंतर्गत आने वाली आय पर छूट दी गई थी,समय पर नहीं चुकाया तो देना होगा ब्या ज,अब इन गलतियों को सुधारा जा रहा है और नई डिमांड को जारी किया जा रही हैं, सर्कुलर में यह भी चेतावनी दी गई है कि भुगतान में किसी भी तरह की देरी पर आयकर अधिनियम की धारा 220(2) के तहत ब्याज लग सकता है, हालांकि, करदाताओं की परेशानी कम करने के लिए, आयकर विभाग ने राहत की पेशकश की है, उसने 31 दिसंबर, 2025 से पहले बकाया करों का भुगतान करने पर ब्याज माफ करने का फैसला किया है।जुलाई 2024 से, आयकर विभाग धारा 87ए के तहत 7 लाख रुपए से कम आय वाले करदाताओं के लिए शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन पर छूट के दावों को खारिज कर रहा है, वित्त वर्ष 2023-24 के लिए, इन शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन पर 15 प्रतिशत कर लगाया जाता था, लेकिन वित्त वर्ष 2024-25 से यह दर बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दी गई है,हाईकोर्ट तक पहुंचा मामला- वित्त वर्ष 2023-24 के लिए छूट की सीमा ओल्ड टैक्स रिजीम के तहत 5 लाख रुपए और नई टैक्स रिजीम के तहत 7 लाख रुपए थी,हालांकि, इस प्रावधान ने कर देयता को शून्य करने में मदद की, लेकिन यह छूट एसटीसीजी जैसी विशेष दरों पर कर योग्य आय को कवर करने के लिए नहीं थी. बाद में यह मामला बॉम्बे उच्च न्यायालय तक पहुंच गया था, जिसमें दिसंबर 2024 में आयकर विभाग से करदाताओं को अपने रिटर्न संशोधित करने की अनुमति देने का अनुरोध किया था।जनवरी 2025 में ऐसे संशोधनों के लिए 15 दिनों की अवधि निर्धारित की गई थी, लेकिन बाद में भी कई करदाताओं को अपने लंबित बकाया का भुगतान करने के लिए नोटिस प्राप्त हुए,अंततः, केंद्रीय बजट 2025 ने यह कहकर सभी भ्रम दूर कर दिए कि धारा 111ए के तहत एसटीसीजी सहित विशेष दर वाली आय, वित्त वर्ष 2025-26 से धारा 87ए के तहत छूट के लिए पात्र नहीं होगी, अब टैक्सपेयर्स को यह समझना ज़रूरी है कि इस बदलाव का उनके टैक्स प्लानिंग, उनकी जेब और अनुपालन पर क्या असर होगा।इसलिए आज हम मीडिया में अवेलेबल जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,इन्कमटैक्स पेयर्स ध्यान दें! शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन पर 87ए की छूट गलती संशोधित -19 सितंबर 2025 के सर्कुलर का व्यापक विश्लेषण को हर करदाता ने ध्यान से देखना चाहिए। साथियों बात अगर हम शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन पर अब छूट क्यों नहीं मिलेगी? व धारा 87ए की छूट और एसटीसीजी में टकराव की करें तो,शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन वह लाभ है जो निवेशक को शेयर, म्यूचुअल फंड, सिक्योरिटीज या अन्य पूंजीगत संपत्तियों को 12 महीने से कम समय तक रखने के बाद बेचने पर होता है। भारत का आयकर कानून इसे विशेष श्रेणी की आय मानता है और इस पर फ्लैट दर से टैक्स लगता है।धारा 87ए टैक्सपेयर्स को 5 लाख रुपये तक की कुल आय पर 12,500 रूपए तक की टैक्स छूट देती है। लेकिन यह छूट केवल सामान्य आय (जैसे सैलरी, ब्याज, हाउस प्रॉपर्टी से आय आदि) पर लागू होती है। विशेष दर वाली आय, जैसे एसटीसीजी(धारा 111ए) और लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन (धारा 112ए) पर यह छूट कभी लागू नहीं रही।हालांकि,तकनीकी गड़बड़ी या गलत सॉफ्टवेयर प्रोसेसिंग की वजह से कई रिटर्न में एसटीसीजी पर भी धारा 87ए की छूट दे दी गई थी।अब सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह एक गलती थी और इसे सुधारा जाएगा।इसलिए अब से एसटीसीजी पर 87ए छूट नहीं मिलेगी।धारा 87ए की छूट और एसटीसीजी का टकराव-आयकर अधिनियम की भाषा स्पष्ट है- 87ए केवल टोटल इन्कम पर उपलब्ध है,लेकिन उसमें स्पेशल रेट इन्कम शामिल नहीं होती।इसका मतलब है कि यदि किसी व्यक्ति की कुल आय 4.5 लाख रूपए है और उसमें से 1.5 लाख रूपए एसटीसीजी से आया है, तो वह व्यक्ति छूट का लाभ नहीं ले पाएगा।क्योंकि, एसटीसीजी पर टैक्स फ्लैट 15पेर्सेंट की दर से लगेगा।बाकी आय पर स्लैब रेट लगेगा। धारा 87ए केवल स्लैब रेट वाली आय पर छूट देती है, स्पेशल रेट वाली आय पर नहीं।इसलिए सरकार ने यह स्पष्ट किया कि कोई भी टैक्सपेयर अब एसटीसीजीको 87ए छूट में क्लेम नहीं कर सकेगा। साथियों बात अगर हम क्या पहले गलती से मिली छूट वापस करनी होगी? की करें तो,यदि किसी टैक्सपेयर को पहले एसटीसीजी पर 87ए की छूट मिल चुकी है, तो उसे अब वह राशि वापस करनी होगी।उदाहरण-मान लीजिए, किसी व्यक्ति की कुल आय 4.8 लाख रूपए थी, जिसमें से 2 लाख रूपए एसटीसीजी था। सॉफ्टवेयर ने उसे गलती से 87ए छूट दे दी और टैक्स शून्य हो गया।अब विभाग रिटर्न री-प्रोसेस करेगा और कहेगा-एसटीसीजी पर 15 पर्सेंट टैक्स दो।इस तरह उस टैक्सपेयर को बकाया टैक्स, ब्याज और संभव हो तो पेनल्टी भी देनी पड़ेगी।यह स्थिति कई लोगों के लिए भारी हो सकती है, क्योंकि वे यह मानकर चल रहे थे कि उन्हें कोई टैक्स नहीं देना।पर 87ए की छूट मिल चुकी है, तो उसे अब वह राशि वापस करनी होगी। साथियों बातें अगर हम,बकाया कर जमा न करने पर क्या होगा? इसको समझने की करें तो,यदि कोई टैक्सपेयर 31 दिसंबर 2025 तक बकाया कर जमा नहीं करता, तो आयकर विभाग सख्त कार्रवाई करेगा (1) ब्याज- धारा 234, 234क्ष 234ष्ट के तहत 1पर्सेंट प्रति माह की दर से ब्याज लगेगा।(2) जुर्माना- धारा 271 और 273 के तहत भारी जुर्माना लग सकती है (3) रिकवरी -विभाग बैंक अकाउंट, वेतन या प्रॉपर्टी से वसूली कर सकता है।(4)प्रोसेक्युशन- गंभीर मामलों में अभियोजन भी संभव है।यानें टैक्सपेयर्स को गलती से मिली छूट वापस करने से बचने का कोई रास्ता नहीं है। अत:अगर हम उपरोक्त पर्यावरण का अध्ययन कर इसकाविश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि टैक्सपेयर्स के लिए चेतावनी और सबक- शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन हमेशा से ही एक विशेष श्रेणी की आय रही है जिस पर फ्लैट दर से टैक्स लगता है। धारा 87ए का लाभ इस पर कभी नहीं था। लेकिन तकनीकी गलती से छूट मिल गई, जिससे टैक्सपेयर्स को झूठा फायदा हुआ।अब विभाग ने इस गलती को सुधार लिया है और टैक्सपेयर्स को 31 दिसंबर 2025 तक अपना बकाया चुका देना होगा।यदि वे ऐसा नहीं करते, तो उन्हें ब्याज, पेनल्टी और वसूली का सामना करना पड़ेगा।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

भारतीय संस्कृति का धरोहर है नदियों का जल

प्राचीन भारतीय संस्कृति में माना गया है कि ब्रह्मण्ड में जितने भी प्रकार का जल है उसका हमें सरंक्षण करना चाहिए। नदियों के जल को सर्वाध्कि संरक्षणीय माना गया है क्योंकि वे कृषि क्षेत्र को सींचती है जिससे प्राणिमात्रा का जीवन चलता है।, वेदों में गंगा नदी और उसके जल का उल्लेख है, विशेष रूप से ऋग्वेद में नदियों के स्तुति सूक्त (नदीस्तुति) में इसका उल्लेख मिलता है। इसके अतिरिक्त, अन्य वेदों और धार्मिक ग्रंथों जैसे महाभारत और पुराणों में भी गंगा को एक पवित्र नदी और देवी के समान माना गया है, जिसके जल को अमृततुल्य, पवित्र और पापों का नाश करने वाला बताया गया है। वेदों में गंगा का उल्लेख ऋग्वेद- ऋग्वेद (10.75) में पूर्व से पश्चिम की ओर बहने वाली नदियों के वर्णन में गंगा नदी का भी उल्लेख है। कुछ अन्य श्लोकों में भी इसका उल्लेख मिलता है, हालांकि यह विवादित है कि वह सीधे तौर पर नदी को संदर्भित करता है या नहीं। अन्य धार्मिक ग्रंथ और मान्यताओं में गंगा महाभारत- महाभारत के अनुसार, गंगाजल में हजारों चांद्रायण व्रत के समान पुण्यफल प्रदान करने की शक्ति है। पुराण- पुराणों में गंगा के प्रकट होने की कथा का वर्णन है, जिसमें राजा सगर के पुत्रों को मुक्ति दिलाने में गंगाजल की भूमिका बताई गई है।

भगवद गीता- भगवद गीता में भी गंगा के गुणों का उल्लेख मिलता है और इसके जल में स्नान करने से शुद्ध होने पर जोर दिया गया है। हिंदू धर्म की मान्यताएं- गंगा नदी को सभी नदियों में श्रेष्ठ और तीर्थमयी माना जाता है। इसके दर्शन मात्र से ही पापों का क्षय होता है और पुण्य की प्राप्ति होती है। गंगाजल सभी प्रकार की कामनाओं को पूरा करने वाला और औषधियों से युक्त माना जाता है। गंगाजल को अमृततुल्य माना जाता है और इसका उपयोग सभी धार्मिक अनुष्ठानों में पवित्रता के लिए किया जाता है।ऋग्वेद और अथर्ववेद में अनेक नदियों का उल्लेख है। दोनों में 'सप्त सिंधव:' अर्थात साथ नदियों का अनेक बार उल्लेख है। अथर्ववेद में तो कहा गया है कि सात नदियाँ हिमालय से निकलती हैं और सिंधु में मिलती है। इन्हें सिंधु की पत्नी और सिंधु की रानी भी कहा गया है। इन सात नदियों में पाँच तो पंजाब की ही है- शुतुद्री, विपाशा, इरावती, चन्द्रभागा तथा बितस्ता, जिन्हें आज क्रमश: सतलज, व्यास, रावी, चिनाब और झेलम कहा जाता है। इनके अतिरिक्त दो और हैं- सिंधु और सरस्वती। ये सातों मिलकर 'सप्तसिंधु' कही जाती हैं। सरस्वतीऋग्वेद में कहा गया है कि यह नदी पर्वत से निकलती है और समुद्र में मिलती है। अथर्ववेद में उल्लेख है कि देवों ने सरस्वती नदी के किनारे जौ की खेती की। वहाँ की भूमि अत्यन्त उर्वर थी। ऋग्वेद में इसकी बड़ी महिमा गाई गयी है। इसे सर्वोपरि देवी और सर्वोत्तम माता के तुल्य पूज्य बताया गया है।

ब्राह्मणग्रंथों के अनुसार सरस्वती 'प्लक्ष प्रास्त्रवणं' नामक स्थान से प्रस्त्रावित हुई और 'विनशन' नामक स्थान पर लुप्त हुईं हैं। विनशन वर्तमान में कुरुक्षेत्र का सिरसा नामक स्थान है। यह थानेस्वर के पश्चिम में बहने वाली और भटमेर में रेगिस्तान में विलीन हो जाने वाली 'सरसुति' नदी हो सकती हैं, जिसमें पटियाला के समीप घग्घर नदी आ मिलती है। वहाँ से सिन्धु तक एक सूखी नदी का मार्ग या घग्घर नदी का निशान अब भी विद्यमान है। कुछ विद्वानों का मत है कि घग्घर नदी ही सरस्वती नदी कही जाती थी सरस्वती सतलज जैसी विशाल नदी थी और वह समुद्र तक पहुँचती थी।1 'सरस्वती, जो बड़ी भारी नदी है, वोधन (केतु) के द्वारा हमें ज्ञान के प्रति जागृत करती है और हमारे सब विचारों में प्रकाशित होती है।' यदि हम यहाँ 'बड़ी भारी नदी' इस मुहावरे को भौतिक अर्थ में लें और इससे पंजाब की भौतिक नदी समझें, जैसा कि सायण समझता है तो यहाँ हमें विचार और शब्द प्रयोग की एक बड़ी असंगति दिखाई पड़ने लगेगी। वस्तुत: इसका अभिप्राय है- अंत:प्रेरणा का भारी प्रवाह या समुद्र। सरस्वती सत्य की वह अंत:शक्ति है, जिसे हम अंत:प्रेरणा कहते हैं। सत्य से आने वाली यह अंत:प्रेरणा हमें संपूर्ण मिथ्यात्व से छुड़ाकर पवित्र कर देती है। इस प्राकर श्री अरविंद उक्त मंत्र का आध्यात्मिक अभिप्राय लेते हैं। वे उक्त मंत्र का अर्थ करते हैं- 'सरस्वती अन्त: प्रेरणा, प्रकाशमय समृद्धताओं से भरपूर है (वाजेभिर्वा जिनीवती)'। वह यज्ञ को धारण करती है। देव के प्रति दी गई मर्त्य जीव की क्रियाओं की छवि को धारण करती है। एक तो इस प्रकार कि वह मनुष्य की चेतना को जागृत करती है, (चेतन्ती सुमतीनाम्) जिससे वह चेतना या भावना की समुचित अवस्थाओं को और विचार की समुचित गतियों को पा लेती है, जो अवस्थाएँ और गतियाँ उस सत्य के अनुरूप होती हैं। जहाँ से सरस्वती अपने प्रकाश को ऊँड़ेला करती हैं और दूसरे इस प्रकार कि वह मनुष्य की उस चेतना के अन्दर उन सत्यों के उदय होने को प्रेरित करती हैं। (चोदयित्री सूनतानाम्) जो सत्य की वैदिक ऋषियों के अनुसार जीवन और सत्ता को असत्य, निर्बलता और सीमा से छुड़ा देते हैं और उसके लिए परमसुखद द्वारों को खोल देते हैं। इस सतत जागरण और प्रेरणा (चेतना और चोदन) के द्वारा जो केतु (वोधन) इस एक शब्द में संगृहीत है जिस केतु की वस्तुओं के मिथ्या मर्त्य दर्शन से भेद करने के लिए 'दैव्यकेतु' (दिव्य वोधन) करके प्राय: कहा गया है- सरस्वती मनुष्य की क्रियाशील चेतना के अंदर बड़ी भारी बाढ़ को या महान् गति को स्वयं सत्य चेतना को ही ला देती है, और इससे वह हमारे सब विचारों को प्रकाशमान कर देती है। (तीसरा मंत्र)। यह स्मरणीय है कि यह सत्य चेतना, वैदिक ऋषियों की यह सत्य चेतना एक अतिमानस स्तर है (मन से परे मनसतीत)। जीवन की पहाड़ी की सतह पर है- अद्रे: सानु। जो हमारी सामान्य पहुँच से परे है और जिस पर हमें बड़ी कठिनता से चढ़कर पहुँचना होता है। यह हमारी जागृति सत्ता का भाग नहीं है। यह हमसे छिपा हुआ अतिचेतन की निद्रा में रहता है। अब यह स्पष्ट हो गया कि इस ऋचा का क्या आशय है। यहाँ स्पष्ट कहा गया है कि सरस्वती अन्त:प्रेरणा की सतत क्रिया के द्वारा सत्य को हमारे विचारों में चेतना के प्रति जाग्रत कर देती है। इस प्रकार चाहे हम यह समझें कि यह बड़ा भारी प्रवाह 'महो अर्ण:' स्वयं सरस्वती ही हैं और चाहे हम इसे सत्य का समुद्र समझें- यह एक निश्चयात्मक तथ्य है जो इस संदर्भ के द्वारा असंदिग्ध रूप से स्थापित हो जाता है कि वैदिक ऋषि जल के, नदी के या समुद्र के रूपक को आलंकारिक अर्थ में और एक आध्यात्मिक प्रतीक के रूप में प्रयुक्त करते थे।

सारी ब्राह्मण परम्परा में सत्ता को स्वयंम् एक समुद्र के रूप में वर्णित किया गया है। वेद दो समुद्रों का वर्णन करता है- उपरले जल और निचले जल, ये समुद्र हैं- एक तो अवचेतन का जो अंधकार मय और अभिव्यक्ति रहित है और दूसरा अतिचेतन का, जो प्रकाशमय है और नित्य अभिव्यक्त है- पर मानव मन से परे। अतिचेतन और अवचेतन का समुद्र तथा इन दोनों के मध्य में प्राणी का जीवन -ये तीनों मिलकर सत्ता का रूप निरूपित करते हैं। सत्ता का यही है- वैदिक विचार। सरस्वती, जो सात नदियों में से एक है- अन्त:प्रेरणा की नदी है, जो सत्य चेतना से निकलकर बहती है। फिर यह भी स्पष्ट है कि शेष छह नदियाँ भी आध्यात्मिक प्रतीक हैं। इन नदियों के जो विशेषण हैं- वे भौतिक नदी में घटित नहीं होते। 'शवपवित्रा:'- इस विशेषण के द्वारा और स्पष्ट हो जाता है। वामदेव द्वारा प्रयुक्त 'मधुमान ऊर्मि'- मधुमय लहर इन्द्र द्वारा उन नदियों में से बहाकर लाई गई है जबकि इसका मार्ग पर्वतों पर वज्र द्वारा वृत्र का वध करके काटकर निकाला गया है। फिर यह स्पष्ट कर दिया गया है कि जल सात नदियाँ हैं जो इन्द्र द्वारा वृत्र के अवरोधक के आच्छादक के पंजे से छुड़ाकर लाई गई हैं और नीचे को बहाकर पृथ्वी की और भेजी गई हैं। क्या ये पंजाब की नदियाँ हैं स्पष्ट ही ये सत्य और सुख के जल हैं जो उच्च परम समुद्र से प्रवाहित हैं। ये जल सत्य के सप्तविध जल हैं, दिव्यजल हैं जो हमारी सत्ता के उच्चतम शिखरों से इन्द्र द्वारा नीचे लाए गये हैं। ये सप्तविध जल ऊपर उठकर विशुद्ध मानसिक क्रियाएँ, द्युलोक की शक्तिशाली नदियाँ (दिव: यह्वी:) बन जाते हैं, और दिव्य मन की सात वाणियों के रूप में अपने को प्रकट करती हैं (सप्त वाणी:) यद्यपि ये भिन्न धाराएँ हैं- पर निकली एक ही उद्गम से हैं। वेद की सात नदियों को, जलों को, आप: को वेद की अलंकारिक भाषा में अधिकतर सात माताएँ या सात पोसक गौएँ 'सप्तधेनव:' कहकर भी प्रकट किया गया है। स्वयम् 'आप:' शब्द में ही दो अर्थ गूढ़ रूप से पड़े हुए हैं। अप धातु के मूल में केवल बहना अर्थ ही नहीं है जिससे बहुत सम्भवत: जलों का भाव लिया गया है किन्तु इसका एक और अर्थ 'जन्म होना' 'जन्म देना' भी है। सन्तान वाचक अपत्य शब्द में और दक्षिण भारत पिता अर्थ में प्रयुक्त 'अप्वा' शब्द में हम यही भाव देखते हैं।

सात जल सत्ता के जल हैं। ये वे माताएँ हैं जिनसे सत्ता के सब रूप पैदा होते हैं। 'सप्त गाव:' 'सप्तगु:' सात गौएँ या सात ज्योतियाँ का अर्थ देती हुई उक्त तथ्य का पोषण करतीं हैं। वेद में जिन नदियों का उल्लेख है, वे हैं- गंगा, यमुना, सरस्वती, शतुद्रि, परुष्णी, असिक्नी, मरुद्वृषा (चेनाव की एक सहायक नदी), वितस्ता, आर्जिकीया, सुषोमा। नदी सूक्त के ही अगले मंत्र में (10।75।6) सिन्धु की पश्चिमी सहायक नदियों का उल्लेख है- अथर्ववेद और ऋग्वेद में 90 और 99 नदियों का उल्लेख है। ऋग्वेद से ज्ञात होता है कि सप्त सिंधुओं में मिलने वाली छोटी पहाड़ी नदियाँ भी हैं। अथर्ववेद और ऋग्वेद में इनको 'नाव्या:' अर्थात् नौका से तरण योग्य बताया है। ऋग्वेद और अथर्ववेद में कहीं दो, कहीं तीन और कहीं चार समुद्रों का उल्लेख मिलती है। श्री अरविंद जल मात्र को प्रतीक मानकर अपनी रहस्यवादी व्याख्या के अनुसार योजना करते हैं। कालिदास ने अष्टमूर्ति शिव का प्रत्यक्ष शरीर कहा है जल को और उस जल को स्रष्टा की आदि सृष्टि माना है। उपनिषदों के सृपटिक्रम में पहले आकाश और तब वायु और फिर इन दोनों के बाद अप् अर्थात् जल का (तन्मात्र रूप में) उद्भव कहा गया है- फिर कालिदास ने ऐसा क्यों कहा? वस्तुत: वनस्पति और जीव जन्तु मात्र आकाश और वायु से नहीं, जहाँ जल होता है। वहीं से उत्पन्न होता है।

इसीलिए संभवत: कालिदास ने ऐसा कहा होगा। नदियों का बहता जल शुद्ध माना गया है। इसलिए नदियों को प्रदुषित नहीं करना चाहिएकरने वाली हैं। जल संरक्षण पर बल देते हुए ट्टग्वेद में कहा गया है कि जल हमारी माता जैसे है। जल घृत के समान हमें शक्तिशाली और उत्तम बनाये। इस तरह के जल जिस रूप में जहां कहीं भी हो वे रक्षा करने योग्य हैं- तथा उसके सभी प्रकारों को चिह्नित किया गया है ताकि जल संरक्षण कर सकें। आज हमें जरुरत है कि हम हमारी प्राचीन ज्ञान परम्परा के संरक्षण के इस संदेश को ग्रहण करें और जल को सरंक्षित करने का प्रयास करें। वेदों में कहा गया है कि वर्षा के होने से जल में प्रवाह आता है और नदी के रूप में जल प्रवाह को प्राप्त करता है। प्रवाह युक्त जल को हमारे संस्कृति में पवित्रा माना गया है। तभी तो हमारी संस्कृति में नदियों को माता के समान तथा पूजनीय माना गया है। नदियों की पवित्राता के संबंध् में वैदिक साहित्य में कहा गया है कि ऐसी नदी जो पर्वत से निकल कर समुद्र तक प्रवाहित होती है वह पवित्रा होती है। इस बात के माध्यम से वैदिक ट्टषि हमें संदेश देना चाहते हैं कि नदियों के अबाध् प्रवाह को सरंक्षित किया जाना चाहिए।

-संजय गोस्वामी

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 702.57 अरब डालर तक पहुँचा

नई दिल्ली। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार 19 सितंबर तक 702.57 अरब डालर तक पहुँच गया हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार इस दौरान सोने के भंडार में 360 मिलियन डालर की बढ़ोतरी हुई और यह 92.78 अरब पर पहुँच गया। विदेशी मुद्रा संपत्ति जो भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा है, इस सप्ताह 586.15 अरब डालर मूल्य की रही। इसके अलावा भंडार में विशेष ड्रा राइट्स और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष में भारत की आरक्षित स्थिति शामिल है, जो क्रमश: 18.88 अरब डालर और 4.76 अरब डालर रही। इस सप्ताह एसडीआर में 105 मिलियन डालर और आईएमएफ की आरक्षित स्थिति में 2 मिलियन डालर की बढ़ोतरी हुई। पिछले सप्ताह भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 4.69 अरब डालर की तेजी आई थी और यह 702.9 अरब डालर तक पहुँच गया था। इसके पहले, सितंबर 2024 के अंत में यह रिकॉर्ड उच्च 704.885 अरब डालर तक पहुँच चुका था। आरबीआई समय-समय पर रुपये में अस्थिरता को नियंत्रित करने के लिए विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करता है, जिसमें डॉलर की बिक्री भी शामिल है। अधिकारियों ने कहा है कि इन कदमों का उद्देश्य विशेष विनिमय दर को नियंत्रित करना नहीं, बल्कि बाजार को स्थिर रखना है। पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा संपत्तियों में 2.5 अरब डालर की बढ़ोतरी हुई और यह 587.04 अरब डालर तक पहुँच गई। इन संपत्तियों में प्रमुख वैश्विक मुद्राएँ जैसे यूरो, पाउंड और येन शामिल हैं। सोने के भंडार में भी मजबूत बढ़ोतरी हुई और यह 92.42 अरब डालर पर पहुँच गया।

ट्रंप के 100 फीसदी टैरिफ का भारतीय दवा कंपनियों पर नहीं पड़ेगा असर

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के आयातित ब्रांडेड या पेटेंट वाली दवाओं पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने के फैसले से भारतीय दवा कंपनियों पर असर पड़ने की संभावना कम दिख रही है क्योंकि वे ज्यादातर जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति ही अमेरिका को करती हैं। विश्लेषकों के मुताबिक अमेरिका के ब्रांडेड दवाओं के बाजार में सन फार्मा, बायोकॉन, अरबिंदो फार्मा और अन्य भारतीय कंपनियों को थोड़ा नुकसान हो सकता है। ट्रंप ने ट्रुथ पर टैरिफ लगाने की घोषणा की जिसके बाद शुक्रवार को निफ्टी फार्मा सूचकांक 2.14 फीसदी गिर गया। उन्होंने कहा कि जिन फार्मास्यूटिकल कंपनियों ने अमेरिका में अपने संयंत्र का निर्माण शुरू कर दिया है या जो तैयारी में हैं उन पर शायद यह टैरिफ न लगे। कुछ हफ्ते पहले ही ट्रंप ने यूरोप में बनने वाली ब्रांडेड दवाओं पर भी 15 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। मीडिया रिपोर्ट में जानकारों का कहना है कि ट्रंप की नई घोषणा से ब्रांडेड दवाइयों पर लगने वाले टैरिफ को लेकर काफी भ्रम की स्थिति बन गई है। नुवामा के विश्लेषकों के एक नोट में उन भारतीय कंपनियों के नाम की सूची है जिनकी अमेरिका के ब्रांडेड दवा बाजार में मौजूद हैं। इनमें सन फार्मा, बायोकोन और अरबिंदो शामिल हैं। बंबई स्टॉक एक्सचेंज में सन फार्मा के शेयरों में 2.5 फीसदी की गिरावट आई वहीं बायोकॉन के शेयर करीब 5 फीसदी और अरबिंदो के शेयर 0.72 फीसदी तक गिर गए। क्रिसिल के वरिष्ठ निदेशक ने कहा कि कुछ घरेलू दवा बनाने वाली कंपनियों की ब्रांडेड और पेटेंटे वाली दवाओं के क्षेत्र में अच्छी पकड़ है, लेकिन इन दवाइयों का उनकी कमाई में योगदान कम है। इसके अलावा दवाएं एकदम जरूरी चीजों की श्रेणी में आती हैं ऐसे में टैरिफ का ज्यादातर बोझ ग्राहकों पर डाला जा सकता है। कुछ घरेलू कंपनियों के अमेरिका में विनिर्माण संयंत्र भी हैं, जिससे उन्हें नए कर से छूट मिल जाएगी। विश्लेषकों का कहना है कि जुबिलैंट फार्मा को इससे फायदा हो सकता है, क्योंकि वॉशिंगटन के पास स्पोकेन में उसकी एक सीडीएमओ इकाई है। एक और भारतीय दवा कंपनी एल्केम भी अमेरिका में एक छोटी सीडीएमओ इकाई लगा रही है ऐसे में उसे भी ट्रंप के टैरिफ से राहत मिल सकती है।

अक्टूबर माह में त्यौहार, कुछ राष्ट्रीय और स्थानीय छुट्टियों के चलते बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली। अक्टूबर माह में दशहरा, दीवाली, छठ पूजा त्यौहार मनाए जाएंगे। इस दौरान कई राज्यों में बैंक बंद रहेंगे। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने अक्टूबर 2025 के लिए उन दिनों की लिस्ट जारी की है, जब बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। हालांकि, ऑनलाइन बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। इस महीने में कुछ राष्ट्रीय और स्थानीय छुट्टियां भी होंगी, जिनके कारण बैंक बंद रहेंगे। 1 अक्टूबर को दशहरा, आयुध पूजा (महा नवमी/विजयदशमी), और दुर्गा पूजा के कारण त्रिपुरा, कर्नाटक, ओडिशा, तमिलनाडु, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, केरल, नगालैंड, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड मेघालय और असम में बैंक बंद रहेंगे। 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी जयंती पर पूरे भारत में बैंक बंद रहेंगे। यह राष्ट्रीय अवकाश है, इसलिए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बैंक शाखाएं भी बंद रहेंगी। वहीं 3 और 4 अक्टूबर को सिक्किम में दुर्गा पूजा (दसैन) के कारण बैंक बंद रहेंगे। 6 अक्टूबर को त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में लक्ष्मी पूजा के लिए बैंक बंद होंगे। 7 अक्टूबर को कर्नाटक, ओडिशा, चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश में महर्षि वाल्मीकि जयंती और कुमार पूर्णिमा की छुट्टी रहेगी। 10 अक्टूबर को हिमाचल प्रदेश में करवा चौथ के कारण बैंक बंद रहेंगे। 18 अक्टूबर को असम में काटी बिहू पर बैंक बंद होंगे। 20 अक्टूबर को दीवाली, नरक चतुर्दशी और काली पूजा के कारण त्रिपुरा, गुजरात, मिजोरम, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, चंडीगढ़, तमिलनाडु, उत्तराखंड, तेलंगाना, अरुणाचल प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, केरल, नगालैंड, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, गोवा, छत्तीसगढ़, झारखंड, मेघालय, हिमाचल प्रदेश, असम और आंध्र प्रदेश में बैंक बंद रहेंगे। 21 अक्टूबर को महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, ओडिशा, सिक्किम, मणिपुर, जम्मू और श्रीनगर में दीवाली अमावस्या, दीपावली और गोवर्धन पूजा के लिए छुट्टी होगी। 22 अक्टूबर को गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तराखंड, सिक्किम, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार में दीवाली, विक्रम संवत नव वर्ष, गोवर्धन पूजा, बलिपद्यामी और लक्ष्मी पूजा पर बैंक बंद रहेंगे। 23 अक्टूबर को गुजरात, सिक्किम, मणिपुर, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और हिमाचल प्रदेश में भाईदूज, चित्रगुप्त जयंती, लक्ष्मी पूजा और निंगोल चक्कौबा पर बैंक बंद होंगे। 27 अक्टूबर को पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड में छठ पूजा पर और 28 अक्टूबर को बिहार और झारखंड में छठ पूजा पर बैंक बंद रहेंगे। 31 अक्टूबर को गुजरात में सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर बैंक बंद रहेंगे। इसके अलावा भारत में सभी बैंक हर महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को बंद रहते हैं।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आप लोगों का भरोसा जीतने में कामयाब रहेंगे। आपके मन में काम को लेकर नए विचार आएंगे, जो आपके बॉस को भी खूब पसंद आएंगे, लेकिन आपके बिजनेस की कोई डील फाइनल होते-होते अटक सकती है, जो आपकी टेंशनों को बढ़ाएगी। परिवार में किसी सदस्य को पढ़ाई को लेकर कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। आपकी तरक्की की राह में आ रही बाधाएं दूर होंगी।

वृषभ- आज आपको बिजनेस की योजनाओं पर पूरा ध्यान देना होगा। जीवनसाथी की आपसे किसी बात को लेकर बहसबाजी हो सकती है, जिसके कारण वह आपसे नाराज रहेंगे। यदि ऐसा हो, तो आप उन्हे मनाने की पूरी कोशिश करें। बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को उनके कामों से एक नई पहचान मिलेगी। आपको अपनी आय और व्यय को संतुलन बनाकर चलना होगा। आप मनपसंद भोजन का आनंद लेंगे। आपकी कोई प्रिय वस्तु भेट स्वरूप प्राप्त हो सकती है।

मिथुन- आज आपकी निर्णय लेने की क्षमता भी बेहतर रहेगी। आपको अपने जरूरी कामों की सूची बनाकर चलना होगा। व्यवसाय की योजनाएं आप थोड़ा सोच समझकर बनाएं। पार्टनरशिप में आपको एक साथ काम करने से बचना होगा। राजनीति में कार्यरत लोगों को अपने शत्रुओं से सावधान रहना होगा। आपकी माताजी आपको कोई जिम्मेदारी दे सकती हैं। पार्टनरशिप में आप कोई काम थोड़ा सोच समझकर करें। आप अपने कर्जो को भी उतारने की कोशिश करेंगे।

कर्क- आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। रचनात्मक कार्यो में आपका काफी रुचि रहेगी, जो लोग विदेशों में व्यापार करते हैं, उन्हें कोई बड़ा ऑर्डर मिल सकता है। आपको अनजान लोगों से दूरी बनाकर रखनी होगी। आपने धन यदि किसी योजना में लगाया था, तो उसमें आपको कोई जोखिम उठाना पड़ेगा। आज आप किसी दूसरे के मामले में ज्यादा ना बोलें। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए कोई बड़ी उपलब्धि लेकर आने वाला है। आज आप अपना धन का कुछ हिस्सा बचत की योजना में लगाएंगे। आपको अपने जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करना होगा। आप यदि किसी बात को लेकर बेवजह लड़ाई झगड़े में न पड़ें, तो इससे आपका भी कोई भारी नुकसान हो सकता है। कार्यक्षेत्र में कोई आपके ऊपर झूठा आरोप लगा सकता है। यदि ऐसा हो, तो आप उसमें अपनी बात लोगों के सामने अवश्य रखें।

कन्या- आज का दिन आपके लिए धन-धान्यों में वृद्धि लेकर आने वाला है। आज आपका रुका हुआ धन मिलने से खुशी होगी। आप किसी नए मकान आदि की खरीदारी कर सकते हैं। दोस्तों के साथ आप किसी पार्टी आदि को करने में आप थोड़ा सावधानी बरते हैं, क्योंकि कोई लड़ाई-झगड़ा उत्पन्न हो सकता है। आपके पिताजी का कोई पुराना रोग उभरने से आप परेशान रहेंगे। आपकी किसी पुरानी गलती से पर्दा उठ सकता है।

तुला- आज आपकी इनकम बढ़ने से आपका मन काफी खुश रहेगा और भाग्य का भी आपको पूरा साथ मिलेगा। आपको किसी पैतृक संपत्ति की भी प्राप्ति हो सकती हैं। आपके घर का कोई काम यदि अटका हुआ था, तो उसके भी पूरे होने की संभावना है और आपको व्यवसाय में भी मन मुताबिक लाभ मिलेगा। नौकरी को लेकर यदि आप परेशान थे, तो उसमें आपको कोई अच्छा अवसर हाथ लगेगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए स्वास्थ्य के लिहाज से ठीक-ठाक रहने वाला है। आपकी कोई पुरानी समस्या थी, तो वह भी दूर होगी। आप किसी से रूपए पैसे से संबंधित निर्णय बहुत ही समझदारी से करें। कुछ पारिवारिक मामले आपको समस्या देंगे, जिनके लिए आप किसी बाहरी व्यक्ति से बातचीत ना करें। आपकी संतान को कोई पुरस्कार मिलने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए खुशियों भरा रहने वाला है और आपकी वैवाहिक जीवन में चल रही समस्याएं काफी हद तक दूर होंगी और संतान को नौकरी से संबंधित कोई बुलावा आ सकता है। आप अपने माता-पिता की सेवा के लिए भी कुछ समय निकालेंगे। सामाजिक आयोजनों से जुड़कर आप अच्छा नाम कमाएंगे। आपकी कोई पुरानी गलती से पर्दा उठ सकता है।

मकर- आज आपको वाणी और व्यवहार पर संयम बनाए रखना होगा। आपकी उलझनें रहने से आप परेशान रहेंगे। नौकरी में कार्यरत लोगों को जल्दबाजी में कोई काम नहीं करना है। यदि आप किसी प्रॉपर्टी की खरीदारी करने की योजना बना रहे थे, तो आपकी वह इच्छा पूरी होगी। आप किसी काम को लेकर कहीं बाहर जा सकते हैं। आपकी संतान के मनमाने व्यवहार के कारण आपको थोड़ी टेंशन बनी रहेगी। आपको अपनी वाणी पर संयम रखें।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। दोस्तों के साथ मिलकर आप किसी बड़े काम को करने की योजना बनाएंगे, लेकिन विद्यार्थी अपने पढ़ाई लिखाई पर पूरा फोकस बनाएं रखना होगा। आप अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए जो कदम उठाएंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी।

मीन- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में अच्छा रहने वाला है। आप किसी दूसरे के मामले में ना बोले और आपको किसी वाद-विवाद में पड़ने से बचना होगा। किसी प्रॉपर्टी को लेकर परिवार में कहासुनी होने की संभावना है। जो लोग नौकरी में बदलाव की योजना बना रहे हैं, उन्हें किसी दूसरी जगह से बुलावा सकता है। आपको अपने परिवार के सदस्यों का पूरा साथ मिलेगा। भाई बहनों से भी आपकी खूब पटेगी।

शब्दजाल - 8034

शब्दजाल में '10 बीमारियों के नाम' ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

अ	व	र	सु	ए	ड्	स	प	ला	नी	इ
न	है	क	ज	इं	डो	ने	ह	चे	म	श्त
अ	जा	आ	टा	य	फा	इ	ड	च	प	नि
हु	रा	ल	मा	ज	ल	स	रा	क	इ	मो
ब	रा	पो	लि	यो	वी	क	र	क	त्ते	नि
द	जे	कि	र	क	पा	का	म	ले	रि	या
शी	मा	दे	अ	व	था	य	त	म	क	ती
को	दे	श	स्थ	न	प	य	रि	घु	व	ला
ढ़	दि	ल	मा	ले	दा	र	जा	या	वी	दे
क्षि	ज	ति	ला	हि	द	ह	मा	द	ल	र
त	र	सु	ष	मा	स्व	रा	ज	त	र	म

हैजा, टायफाइड, पोलियो, चेचक, एड्स, मलेरिया, अस्थमा, पायरिया, कोढ़, निमोनिया

शब्दजाल - 8033 का हल

म	श	मु	श	सी	बै	ड	मिं	ट	न	र
रा	क्रि	ल	प्र	क्ल	ला	व	ना	ज	कां	क्स
य	के	र्जु	हे	नि	कु	ना	न	व	टि	रु
इं	ट	फु	न	शा	वा	श्ती	क	ले	ज	प
प	दा	ह	ट	ने	तो	हो	थ	गो	र	त
टे	स	क	प	बा	स	ए	व	ज	वॉ	व
द	बि	न	न	जी	ल	ह	रं	गो	ली	द
क	र	ल	प	क्श	प	त	र	चो	बॉ	ख
र	व	त	टे	रा	श	त	य	अ	ल	अ
क	र	ल	प	नि	ज	ता	रे	आ	ह	द
क	ह	रि	कि	श	स	चि	हॉ	की	त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6978

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, शरद, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि कपूर, जेबा, अश्विनी भावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. 'जादू है नशा है' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में रणधीरकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था?-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है?-३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. 'संदेसे आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. अजय देवगन, तब्बू की 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'खुशी' में फरदीन की नायिका?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो' गीत वाली राजकुमार, राजेशखन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनील दत्त, नूतन की फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म?-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, नालासिन्हा की 'आज गालो मुस्करा लो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की एक फिल्म-२
३०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6977

अ	जू	बा		जो	र		दा	मि	नी
ल		बा	जी		क्ष	त्रि	य		तू
बे	टा		न	म	क		रा	जा	
ला		अं	त			रे		लि	
	दा	दा		नू		जा	ने	म	न
मे		ज	ह	री	ले		हा		गिं
री	मा		त्या		कि	ला		द	स
जं		सू		म	न		म	र्द	
ग	द	र		द		आ	ह		डॉ
	म	ज	बू	र			ल	गा	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

28 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति	
सूर्य	कन्या में
चंद्र	वृश्चिक में
मंगल	तुला में
बुध	कन्या में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	सिंह में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
तुला	07.18 बजे से
वृश्चिक	09.32 ब.से
धनु	11.48 बजे से
मकर	13.53 बजे से
कुंभ	15.40 बजे से
मीन	17.13 बजे से
मेष	18.43 बजे से
वृष	20.23 बजे से
मिथुन	22.21 बजे से
कर्क	00.35 बजे से
सिंह	02.51 बजे से
कन्या	05.03 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 271 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आश्विन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** षष्ठी 14.28 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** ज्येष्ठा 03.55 बजे रात्र को समाप्त। **योग** आयुष्मान 00.32 बजे रात्र को समाप्त। **करण** तैतिल 14.28 बजे तदनन्तर गर 03.33 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 06.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 02° 02' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872481 **जूलियन दिन** 2460946.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रबी उस्सानी **तारीख** 05 **विशेष** कल्पारंभ।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: दोस्ती की मिसाल

सिसली के सिराक्यूज नगर के राजा डायोनीसियस ने किसी सामान्य अपराध के लिए डेमन नाम के एक युवक को प्राणदंड की सजा सुना दी। डेमन ने सिर झुकाकर सजा स्वीकार की, लेकिन राजा से यह प्रार्थना भी की कि उसे एक वर्ष का समय दिया जाए। वह ग्रीस जाकर अपनी संपत्ति व परिवार के लिए जरूरी व्यवस्था करके ठीक समय पर लौट आएगा। राजा ने शर्त रखी, 'यह तभी मुमकिन है जब कोई तुम्हारी जमानत दे और वचन दे कि तुम न लौटे तो तुम्हारी जगह वह फांसी चढ़ेगा।' राजा का निर्णय सुनकर डेमन का मित्र पीथियस आगे आया और उसने डेमन की जमानत ले ली। एक वर्ष पूरा होने पर भी डेमन नहीं लौटा। लोगों ने पीथियस को मूर्ख कहा, किंतु वह खुश था। पीथियस ईश्वर से प्रार्थना कर रहा था कि किसी तरह समुद्र में तूफान आ जाए और डेमन का जहाज मार्ग से भटक जाए। आखिर जब तय समय तक डेमन नहीं पहुंचा तो पीथियस को फांसी स्थल पहुंचा दिया गया। उसे बस सजा मिलनी ही थी कि तभी दौड़ता-हांफता डेमन वहां पहुंचा और चिल्लाया, 'मेरे मित्र को फांसी मत दो।' वास्तव में डेमन का जहाज समुद्री तूफान में फंस गया था। किसी तरह किनारे पहुंचकर डेमन को जो भी सवारी मिली उसी से वह भागा। उसका घोड़ा काफी तेज दौड़ने के कारण गिरकर मर गया। डेमन भूखा था और उसके पैरों में छाले पड़ गए थे। राजा दोनों दोस्तों का प्रेम देखकर प्रभावित हुआ। उसने डेमन की सजा माफकर दी और खुद भी उसका मित्र बन गया।

सूडोकु नवताल- 7287

मध्यम

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7286 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8502

बाएँ से दाएँ

1. लालसा, मांग-3
3. मोटरगाड़ी-4
6. दरवाजे पर दी गई थाप-3
7. मां की माता-2
8. पार्थिव देह-2
10. संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, माधुरी की फिल्म-5
12. स्वदेश, जन्मभूमि-3
15. पाबंदी, रोक-3
17. आश्चर्यचकित होना-5
20. नासिका-2
22. आनेवाला दिन-2
23. समतल-3
24. शमशीर, कृपाण -4
25. फिजूल, व्यर्थ-3

ऊपर से नीचे

2. दुर्जन, बेइमान-5
3. जिसके सिर पर बल न हो, गंजा-3
4. साहूकार, व्यापारी-4
5. जांच, परीक्षण-3
7. मां के पिता-2
9. लाश-2
11. तरुणी, किशोरी-3
13. कार्यविधि-3
14. बेइज्जत होना-2-3
15. हाथी साधने वाला -4
16. मेहंदी-2
18. ताकत, जोर-2
19. अभिनेत्री-3
21. कमी-3

शब्द पहेली -8501 का हल

प	र	व	र	दि	गा	र		
	च		ह		ड़ी		अ	
आ	ना		मा	ल	वा		दा	म
रा		म	न		न	ल		न
म	ही	न				ल	की	र
दे		न	स		ह	क		ख
ह	त्या		र	न	र		का	ना
	ग		ह		द		फि	
		ब	द	ना	म	क	र	ना

Jagrutidaur.com, Bangalore

ट्रंप की विदेशी नीतियों से तबाह हुआ भारतीय शेयर बाजार

नई दिल्ली। शेयर बाजार पिछले एक हफ्ते में तगड़ी गिरावट देखने को मिली है। सिर्फ 5 दिन में ही निवेशकों की वैल्यूवेशन 16 लाख करोड़ घट गई। शुक्रवार को करीब 7 लाख करोड़ रुपये की कमी आई, जो पूरे हफ्ते के दौरान सबसे बड़ी गिरावट रही। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन सेंसेक्स 733.22 अंक गिरकर 80,426.46 पर क्लोज हुआ, जबकि निफ्टी4 236.15 अंक गिरकर 24,654.70 पर बंद हुआ। वहीं 1 सप्ताह के दौरान सेंसेक्स 2,097.63 अंक या 2.54 प्रतिशत और निफ्टी 631.80 अंक या 2.50 प्रतिशत गिर चुका है। बैंक निफ्टी में भी भारी गिरावट नजर आई है। इस सप्ताह में मार्केट हर सत्र में निचले स्तर पर बंद हुआ है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप इस दौरान 16 लाख करोड़ रुपये कम हुआ है। हफ्ते की शुरुआत में ही अमेरिका के एच-1बी वीजा का सीधा असर भारत के इक्विटी मार्केट दिखाई दिया था। सोमवार को भारतीय आईटी कंपनियों के शेयर में वीजा फीस की वजह से तगड़ी गिरावट देखने को मिली थी, जिस कारण आईटी सेक्टर पूरे हफ्ते गिरावट पर रहा। टीसीएस का शेयर 2900 के नीचे आ चुका है। सोमवार से ही डॉलर की तुलना में रुपये में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। रुपया डॉलर के मुकाबले 88 के आसपास कारोबार कर रहा है।

विदेशी निवेशक बिकवाली कर रहे

ग्लोबल टेंशन के कारण कच्चे तेल के दाम में भी तेजी देखी जा रही है। डब्ल्यूटीआई 65.72 डॉलर प्रति बैरल पर है, जबकि ब्रेंड क्रूड ऑयल 70 डॉलर प्रति बैरल के पार चला गया है। विदेशी निवेशक शेयर बाजार से लगातार बिकवाली कर रहे हैं। शुक्रवार को विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से 16,057.38 करोड़ के शेयर बेचे तो वहीं घरेलू निवेशकों ने भी 11,464.79 करोड़ के शेयर निकाल डाले। गुरुवार को ट्रंप ने एक और टैरिफ बंम फोड़ते हुए फार्मा पर 100 फीसदी, फर्नीचर पर 50 फीसदी और भारी ट्रकों के इम्पोर्ट पर 25 फीसदी का टैरिफ लगा दिया। इसका व्यापक असर भारतीय शेयर बाजार पर दिखाई दिया है। लार्जकैप शेयरों ने ही पिछले कुछ समय से मार्केट को संभाला था, लेकिन अब उसमें भी बिकवाली हावी हो चुकी है। जिससे भारतीय बाजार पूरे हफ्ते के दौरान दबाव में रहा। अगले महीने से अब कंपनियों की अर्निंग भी आने वाली है।

कच्चे तेल की कीमतें 2 महीने बाद फिर 70 डॉलर प्रति बैरल के पार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतें करीब 2 महीने बाद एक बार फिर 70 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गई हैं। इसका असर घरेलू बाजार में भी दिखा और शनिवार को नोएडा समेत कई शहरों में तेल के दाम बढ़ गए। सरकारी तेल कंपनियों की ओर से शनिवार सुबह जारी तेल की कीमतों में उछाल आया। हालांकि, तेल कंपनियों ने दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में आज भी तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। सरकारी तेल कंपनियों के मुताबिक यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 25 पैसे महंगा होकर 95.12 रुपए लीटर बिक रहा है। डीजल भी 8 पैसे चढ़ा और 88.29 रुपए लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 5 पैसे गिरावट के साथ 94.70 रुपए लीटर पहुंच गया, जबकि डीजल 5 पैसे गिरकर 87.81 रुपए लीटर हो गया। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 33 पैसे टूटकर 105.23 रुपए लीटर हो गया तो डीजल 31 पैसे गिरकर 91.49 रुपए लीटर बिक रहा है। कच्चा तेल बीते 24 घंटे में इसकी कीमतें फिर से बढ़ गई। ब्रेंट क्रूड का भाव 70.13 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। डब्ल्यूटीआई का रेट भी बढ़त के साथ 65.72 डॉलर प्रति बैरल के भाव पहुंच गया। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए और डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपए और डीजल 89.97 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपए और डीजल 92.35 रुपए प्रति लीटर और कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपए और डीजल 91.76 रुपए प्रति लीटर है।

अंडमान सागर में मिला प्राकृतिक गैस भंडार, कुएं की गहराई 295 मीटर

नई दिल्ली। भारत के ऊर्जा क्षेत्र में एक बड़ी सफलता सामने आई है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने ट्विटर पर जानकारी दी कि अंडमान सागर में स्थित श्री विजयपुरम-2 कुएं में प्राकृतिक गैस का पता चला है। यह कुआं अंडमान द्वीप समूह के पूर्वी तट से करीब 17 किलोमीटर दूरी पर है। कुएं की गहराई 295 मीटर है यानी यह समुद्र की सतह से 295 मीटर गहरे पानी में स्थित है। इसकी लक्षित गहराई 2650 मीटर रखी गई थी। मतलब यह है कि कुएं को पानी की सतह से लेकर समुद्र के नीचे जमीन में कुल 2650 मीटर तक खोदा गया। इसमें 295 मीटर पानी की गहराई और उसके नीचे जमीन में करीब 2355 मीटर की गहराई शामिल है। शुरुआती उत्पादन परीक्षण से पता चला कि 2212 से 2250 मीटर की गहराई में प्राकृतिक गैस मौजूद है और इसमें समय-समय पर फ्लेयरींग भी देखा गया। गैस के नमूनों को जहाज के जरिए काकिनाडा लाया गया, जहां उनका परीक्षण किया गया। जांच में पाया कि इस गैस में 87 फीसदी मीथेन है। मीथेन एक उच्च ऊर्जा क्षमता वाला घटक है और इसे वाणिज्यिक उत्पादन के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। अंडमान सागर में प्राकृतिक गैस की यह खोज भारत के ऊर्जा सुरक्षा और स्वदेशी ऊर्जा स्त्रोतों के विकास के लिहाज से बहुत अहम है। इससे देश की ऊर्जा जरूरतों को स्थानीय स्त्रोतों से पूरा करने में मदद मिलेगी और आयातित ऊर्जा पर निर्भरता कम होगी। केंद्रीय मंत्री पुरी के मुताबिक अब कुएं से कमर्शियल प्रोडक्शन योजना तैयार की जाएगी। यह चरण देश की ऊर्जा रणनीति में एक नया आयाम जोड़ सकता है और अंडमान-निकोबार क्षेत्र में ऊर्जा निवेश के अवसर भी बढ़ाएगा। इस खोज से न केवल घरेलू ऊर्जा उत्पादन बढ़ेगा, बल्कि यह क्षेत्रीय ऊर्जा बाजार में भारत की स्थिति मजबूत करने में भी मदद करेगा। मीथेन की उच्च प्रतिशतता इस परियोजना को वाणिज्यिक रूप से आकर्षक बनाती है और भविष्य में एलएनजी निर्यात के रास्ते भी खोल सकती है। कुल मिलाकर, श्री विजयपुरम-2 कुएं में प्राकृतिक गैस की पुष्टि भारत के ऊर्जा क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है और यह देश को आत्मनिर्भर ऊर्जा स्त्रोतों की ओर एक कदम और आगे ले जाएगी।

सरकार किसानों से किए वादों को पूरा करें

जय किसान संघर्ष समिति ने किसान आक्रोश महासभा का आयोजन कर सौंपा ज्ञापन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी नगर के सिद्धेश्वर मंगल भवन में जय किसान संघर्ष समिति के द्वारा किसान आक्रोश महासभा का आयोजन 27 सितंबर को सुबह 11 बजे से किया गया जिसमे क्षेत्र भर के किसान साथी सम्मिलित हुये। कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार, जिला पंचायत सदस्य एवं किसान संघर्ष समिति की अध्यक्ष ज्योति उमरे, जिला पंचायत सदस्य डॉली कावरे, मीरा सिंघनधुपे, कांग्रेस किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष भुरू पटेल, मानीक पांचे, बुधराम देवगडे, ललित कबीरे, खेमराज मच्छिरके, राम ठाकरे, विजय लिल्हारे, ऋषिकेश घोरमारे, प्रभुदयाल किरमे, राजू सोयाम, श्यामलाल बेदरे, लिखेन्द्र उपराड़े, घनश्याम पटले, गणेश बागडे, लिकेश ऐडे, किशोरी लाल पांचे, अंचल कालबेले, इन्द्रकुमार कावडे, प्रमोद बापुरे, विनोद उमरे, अरूण कबीरे, आशिष सोनू श्रीवास्तव सहित अन्य किसान साथी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन समिति के सचिव दिनेश लाडे जनपद सदस्य के द्वारा किया गया। किसान आक्रोश सम्मेलन की शुरूवात पूजा अर्चना से की गई तथा इसके पश्चात बारी बारी से मंचासिन अतिथियों ने किसान साथियों को संबोधित करते हुये उनके हित लाभ की बात की गई तथा जमकर प्रदेश सरकार को आड़े हाथों लिया गया, जिसमें उनकी किसानो के प्रति वादा खिलाफी को लेकर कहा गया कि सरकार के द्वारा चुनाव के समय अपने घोषण पत्रो में बड़े बड़े वादे किये गये थे लेकिन आज दिनांक तक उन वादो को पूर्ण नही किया गया। किसानो को 3100 समर्थन मुल्य पर धान खरीदी का वादा हवा हवाई हो चुका है। भाजपा सरकार बोलती है कि हम कृषि को लाभ का धंधा बनायेंगे जो कि कही नजर नही आता। आज किसानो को ना तो समय पर बीज मिलते है ना खाद मिलता है और ना ही दवाईयॉ उपलब्ध होती है। किसानो को मजबूरन निजी संस्थाओ से खरीदी करना पड़ता है जिससे उन पर दोगुना आर्थिक बोझ पड़ रहा है। फिर कैसे कृषि किसानों के लिये लाभ का धंधा बनेगा। मंचासीन सभी के द्वारा बारी से बारी से अपने विचार रखे गये। अंत में जय किसान संघर्ष समिति के द्वारा राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया जिसमें लेख है कि लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल 2024 के संकल्प पत्र में 3100 रूपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी का लिखीत वादा किया था परन्तु नही खरीदा गया। विगत दो वर्षों से संकल्प पत्र के आधार पर धान खरीदी नही की अपितू शासन के द्वारा घोषित समर्थन मूल्य पर क्रय किया गया। प्रति क्विटल बोनस प्रोत्साहन राशि दिया जाये। 2025-26 में धान का समर्थन मूल्य 4 हजार रूपये प्रति क्विंटल की दर से क्रय किया जाये। मुख्यमंत्री द्वारा सार्वजनिक सभा में किसानों को 4 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर देने की बात कही गई थी जो किसानो के रकबा पर आधारित था बोनस राशि में असमानता एवं विसंगतियों से किसानो में रोष प्याप्त है। किसानो के कृषि कार्य हेतु निश्चित समयावधि में बीज खाद एवं कीटनाशक दवाईयॉ सही दामो पर उपलब्ध कराये। वितरण प्रणाली बिचौलियो से मुक्त कराया जाये ताकि फसल का उचित उपचार किया जा सके। डॉ स्वामी नाथन आयोग की सिफारिश के आधार पर फसलो का समर्थन मूल्य सी 2 प्लस 50 लागू किया जाये। कृषि लागत एवं मूल्य आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया जाये। प्रधानमंत्री सम्मान निधी की राशि 25 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर दिया जाये। पूंजीपतियों का सरकार द्वारा कर्ज माफ किया जाता है उसी नियमानुसार किसानों का संपूर्ण कर्जा माफ किया जाये। कृषि कार्यो को मनरेगा योजना से जोड़ा जाये। कृषि से संबधित कार्यो को प्रदुषण के दायरे से बहार रखा जाये। वनांचल ग्रामो में वन्य प्राणी जैसे वानर, जंगली सुअर के द्वारा फसलो को क्षति पंहुचाई जाती है राजस्व पुस्तक परिपत्र आरबीसी 6-4 के तहत 31 मार्च 2023 नये संशोधन के तहत क्षति राशि प्रदान की जावे। उपरोक्त सभी मांगो को पूर्ण करने को लेकर उक्त किसान आक्रोश महासभा का आयोजन किया गया था। इस सभा को प्रमुख से सम्राट सिंह सरस्वार, ज्योति उमरे, भुरूपटेल, डॉली कावरे, मीरा सिंघनधुपे, दिनेश लाडे, राम ठाकरे, ललित कबीरे, मानिक पांचे, प्रभुदयाल किरमे, राजू सोयाम, घनश्याम पटले, विजय लिल्हारे, खेमराज मच्छिरके के द्वारा महासभा को संबोधित किया गया।

साकेत पब्लिक स्कूल लांजी में टाटा बिल्डिंग इंडिया निबंध प्रतियोगिता में छात्राओं का शानदार प्रदर्शन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। साकेत पब्लिक स्कूल, लांजी में 4 सितंबर 2025 को टाटा बिल्डिंग इंडिया द्वारा आयोजित स्कूल स्तरीय निबंध प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के जूनियर और सीनियर वर्ग के कुल 100 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें प्रत्येक वर्ग से 50 प्रतिभागियों ने अपनी लेखन प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस आयोजन का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में रचनात्मकता, विचारशीलता और लेखन कौशल को प्रोत्साहित करना था।

सीनियर वर्ग में छात्राओं ने मारी बाजी

सीनियर वर्ग में प्रतियोगिता के परिणामों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। प्रिती खेमराज उमरे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया और गोल्ड मेडल अपने नाम किया। अनुकृति राजेश कश्यप ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर सिल्वर मेडल जीता, जबकि आकृति राजू बाहेश्वर ने तृतीय स्थान के साथ कांस्य पदक प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त, गुंजन अनिल उमरे और दीपश्री रविशंकर बापुरे को उनके उत्कृष्ट प्रयासों के लिए सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

जूनियर वर्ग में भी दिखा जोश

जूनियर वर्ग में भी प्रतियोगिता का उत्साह चरम पर था। निधी योगराज मानकर ने प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। राखी महेश दशहरे ने द्वितीय स्थान हासिल कर सिल्वर मेडल जीता, जबकि डॉली महेश्वर लांजेवार ने तृतीय स्थान के साथ कांस्य पदक प्राप्त किया। अमन दिनेश दशरिया और प्रेम दिलिप कोठारे को उनके सराहनीय प्रदर्शन के लिए सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

विद्यालय परिवार ने दी बधाई

इस शानदार उपलब्धि पर विद्यालय के संचालक संतोष मोरघड़े, प्राचार्य महेंद्र कुमार दुरुगकर, प्रधानाध्यापक श्रीमती नेत्रेश्वरी डॉ. किशोर सोनवाने, और शिक्षक-शिक्षिकाओं कोमलप्रसाद ठाकरे, किरण कुमार रामावत, निर्मल सिंह सोलंकी, सत्येंद्र मुरकुटे, थानेश बनोठे, श्रीमती सुरभी मिश्रा, भुनेश्वरी गव्हारे, मंजू कश्यप, ज्योति परिहार, लता मुरकुटे सहित समस्त शाला परिवार ने विजेताओं को हार्दिक बधाई दी। सभी ने छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके आत्मविश्वास और मेहनत की सराहना की।

टाटा बिल्डिंग इंडिया का योगदान

टाटा बिल्डिंग इंडिया पहल लंबे समय से स्कूलों में इस तरह के आयोजनों के माध्यम से युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित कर रही है। इस निबंध प्रतियोगिता ने न केवल छात्र-छात्राओं को अपने विचारों को व्यक्त करने का मंच प्रदान किया, बल्कि उनकी लेखन कला को निखारने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस आयोजन ने विद्यालय में उत्साह और रचनात्मकता का माहौल बनाया, जिसका प्रभाव छात्रों के समग्र विकास पर स्पष्ट दिखाई दिया।

दहेगांव में माता रानी की प्रतिमाओं के दर्शन को उमड़ रही है भीड़

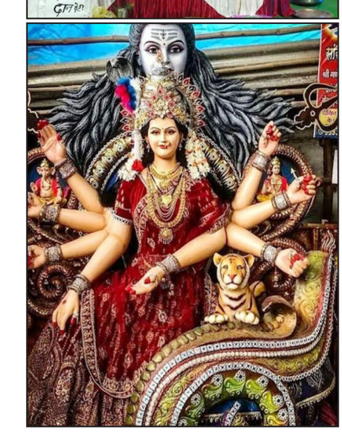

लांजी (पद्मेश न्यूज)। माँ शक्ति की भक्ति का महापर्व शारदेय नवरात्र पर्व क्षेत्र में बड़े ही भक्तिमय माहौल में मनाया जा रहा है। दुर्गा पण्डालों में मातारानी की विशेष पूजा आराधना की जा रही है। देवी जागरण, जस कीर्तन-भजन संध्या, गरबा सहित अनेको धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रम दुर्गा उत्सव समितियों के द्वारा आयोजित किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में लांजी क्षेत्र के ग्राम दहेगांव में भी विगत कई वर्षो से मातारानी की सुन्दर प्रतिमाऐं स्थापित कर ग्रामीण जनों के द्वारा पूजा अर्चना की जा रही है। ग्राम दहेगांव के बस स्टैण्ड स्थित दुर्गा उत्सव समिति के द्वारा भक्ति भाव के साथ मातारानी की पूजा अर्चना की जा रही है। बतादे कि मातारानी की प्रतिमा शक्ति आजीविका समृह दहेगांव के द्वारा प्रादन की गई, जिनमें पंचशीला नागदेवे, सेवागन कोहरे, उषा कोहरे, छाया कारसर्पे, ममता सिरामे, सुनीता कारसर्पे, उमा उइके, अंजना कोहरे, सैवंता उइके, पुष्पा बाई कोहरे, संगीता गाते, अमृता उइके, किसनी बाई उइके के द्वारा माता रानी की प्रतिमा प्रदान की गई। इसी कड़ी में 26 सितंबर को बस स्टैण्ड दुर्गा उत्सव समिति दहेगांव में त्रिनेत्र नवयुवक मित्र मण्डल समिति के सदस्य हेमचंद राजनीरे, अमित आंबेडारे, प्रज्जवल पटले, विशाल सोनटेके, विशाल राऊत, लोकेश पटले, दुर्गा प्रसाद पटले, रितेश पटले, तुषार कोहरे, राकेश चौधरी, रजत पारधी, ज्ञानु चौधरी, भुनेश सिरामे, राहुल आंबेडारे, दीपक आंबेडारे, गौरव राऊत, बिट्टू सोनटेके के द्वारा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। समित के द्वारा प्रतिदिन विभिन्न आयोजन पण्डाल परिसर में करवाये जा रहे जिसमे बड़ी संख्या में ग्रामीण जन भाग लेकर आनंद प्राप्त कर रहे।

सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति हनुमान चौक के द्वारा प्रतिदिन गरबा उत्सव

दहेगाांव के हनुमान चौक में विगत कई वर्षो से सार्वजनि दुर्गा उत्सव समिति के द्वारा मातारानी की प्रतिमा स्थापित कर भक्ति भाव के साथ विशेष् पूजन अर्चना किया जाकर विभिन्न धार्मिक एवं सास्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। समिति के द्वारा प्रतिदिन गरबा उत्सव डांडिया का आयोजन कर रही है जिसमें ग्राम की महिलाऐं युवतियॉ बढ चढकर भाग ले रही है। समिति के सदस्यो ने बताया कि 2 अक्टूबर का विशेष धार्मिक शिव .झांकी जो कि छत्तीसगढ के कलाकारो के द्वारा प्रस्तुत किया जायेगा। इसी कड़ी में दशहरा पर्व के दिन महाप्रसाद का आयोजन समिति के द्वारा किया गया है। समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यों जिनमे अध्यक्ष नितेश चौधरी, सुरेन्द्र चौधरी, कोषध्यक्ष हितेश घोरमारे, सचिव कृष्णा पटले, नंदकिशोर चौधरी, नरेश पटले, अमन पटले, भूनेष सिरामे, पुष्पेन्द्र ढोक, मुनेन्द्र चौधरी, कमलेश कटरे, कुणाल पटले के द्वारा समस्त ग्रामीण जनों से उक्त कार्यक्रमो एवं महाप्रसाद ग्रहण करने की अपील की गई है।

भुरसाडोंगरी में 42वें वर्ष में श्री नवदुर्गा उत्सव का भव्य आयोजन

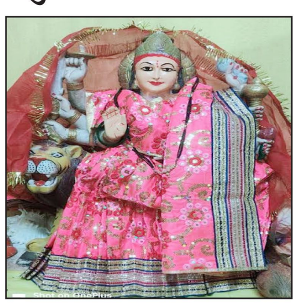

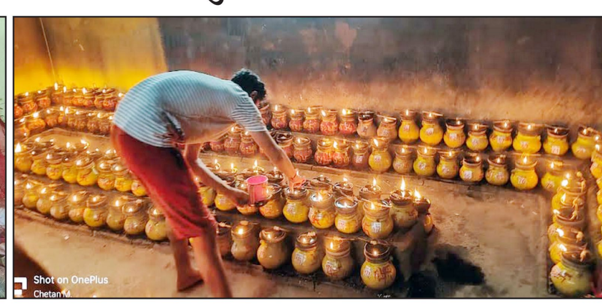

लांजी (पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र के ग्राम भुरसाडोंगरी में 42 वें वर्ष श्री नवदुर्गा उत्सव का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ किया जा रहा है। इस वर्ष भी प्रतिवर्ष की भांति दुर्गोत्सव एवं कलश स्थापना का भव्य आयोजन हो रहा है, जिसमें श्रद्धालु मां भगवती की पूजा-अर्चना में भाग लेकर अपनी मनोकामनाएं पूर्ण करने के लिए एकत्रित हो रहे हैं। इस उत्सव का उद्देश्य मनुष्य को संभावित विनाश से बचाकर सद्भाव, सद्बुद्धि और सत्कर्मों से समृद्ध बनाना है। आयोजकों के अनुसार, अनादि काल से शक्ति की पूजा होती रही है, और यह मानव जाति का परम कर्तव्य है कि वह मां दुर्गा के अनुग्रह से उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर हो। भुरसाडोंगरी में नवदुर्गा उत्सव की शुरुआत सन् 1983 में ग्राम देवी के जीर्णोद्धार के साथ हुई। सन् 1984 में जयपुर से श्री दुर्गाजी की मूर्ति लाकर प्राण-प्रतिष्ठा की गई और एक कलश की स्थापना के साथ उत्सव का शुभारंभ हुआ। इसके बाद, प्रत्येक वर्ष कलशों की संख्या में वृद्धि होती गई। सन् 1996 तक, 12 वर्षों में कलशों की संख्या 226 तक पहुंच गई, जो एक छोटे से गांव के लिए आश्चर्यजनक उपलब्धि थी। इस दौरान, दूर-दूर से श्रद्धालु और कलशधारी मां के दरबार में उमड़ने लगे। पिछले वर्ष 306 कलश स्थापित किए गए थे, जिनमें 49 घी के और 257 तेल के कलश शामिल थे। इस वर्ष यह संख्या और बढ़ कर 316 हो गई। आयोजकों ने बताया कि जितनी श्रद्धा से पूजा की जाती है, उतना ही फल प्राप्त होता है। इस वर्ष नवदुर्गा उत्सव 22 सितंबर से शुरू होकर 3 अक्टूबर 2025 तक चलेगा। कार्यक्रम के तहत 22 सितंबर सोमवार को प्रात: 9 बजे कलश यात्रा और वरुण देवता का आव्हान कर दोपहर 1 बजे श्री दुर्गाजी की मूर्ति (जवारा) स्थापना किया गया। 27 सितंबर शनिवार को पंचमी पूजन किया गया।30 सितंबर मंगलवार को प्रात: 10 बजे हवन, अष्टमी पूजन, पूर्णाहुति और अन्य संस्कार नामकरण, मुंडन, दीक्षा, पुंसवन आदि सम्पन्न किए जाएंगे।1 अक्टूबर दिन बुधवार को नवमी पर्व पर दोपहर 2 बजे ज्योति कलश विसर्जन किया जाएगा। 2 अक्टूबर संध्या 6 बजे रावण दहन कर दशहरा पर्व मनाया जाएगा। 3 अक्टूबर को- प्रात: 7 बजे मूर्ति विसर्जन, आरती और प्रसादी वितरण किया जाएगा। समिति ने यह भी बताया कि अष्टमी हवन के दौरान नामकरण, मुंडन, दीक्षा और गर्भवती महिलाओं के लिए पुंसवन संस्कार नि:शुल्क किए जाएंगे। कलशधारियों से अनुरोध किया है कि वे कलश यात्रा, अष्टमी हवन और कलश विसर्जन में अनिवार्य रूप से भाग लें। आयोजक समिति ने सभी श्रद्धालुओं से इस पवित्र संधि बेला का लाभ उठाने और मां दुर्गा के दरबार में अपनी झोली फैलाकर मनोकामनाएं पूर्ण करने का आह्वान किया है। यह उत्सव न केवल धार्मिक, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक है।

कारंजा में धूमधाम से मनाया जा रहा नवरात्रि महोत्सव

लांजी (पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र के ग्राम कारंजा के बाजार चौक में सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नवरात्रि महोत्सव का आयोजन बड़े हर्षोल्लास और धार्मिक उत्साह के साथ किया जा रहा है। वर्ष 1947 में स्थापित इस समिति द्वारा हर साल की भांति इस बार भी उत्साह के साथ नवरात्रि पर्व का भव्य आयोजन किया गया। यहां 22 सितंबर को मां दुर्गा जी की प्रतिमा स्थापना के साथ ही विभिन्न कार्यक्रम सम्पन्न कराये जा रहें हैं। जिसके तहत 24 सितंबर को खेल

प्रतियोगिता एवं गरभा, 25 को जस भजनों की प्रस्तुति, 26 सितंबर को रंगोली प्रतियोगिता एवं महिलाओं की कुर्सी दौड़ सम्पन्न कराई गई।27 सितंबर को पंचमी व हल्दी कुमकुम का कार्यक्रम, जय श्रीराम महिला ग्रूप जस पार्टी आमगांव, 28 सितंबर को रात 8 बजे कन्या भोज, 29 सितंबर को रात्रि में रंगारंग कार्यक्रम, 30 सितंबर को शाम 4 बजे से अष्टमी हवन पूजन होगा तथा 1 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे नवमी पर्व पर शोभायात्रा के साथ ज्योति कलश का विसर्जन किया जाएगा तत्पश्चात शाम 6 बजे से महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम की अगली कड़ी में 2 अक्टूबर को शाम 7 बजे रावण दहन कर दशहरा पर्व मनाया जाएगा तथा 3 अक्टूबर को सुबह देवी प्रतिमा को ग्राम का भ्रमण कराकर विसर्जन किया जाएगा। समिति के पदाधिकारी अध्यक्ष धर्मेंद्र (बाला) चुटे, उपाध्यक्ष लक्की (लोकेंद्र) फुंडे, कोषाध्यक्ष प्रवीण बनोटे, सचिव तनमय भांडारकर, सह-सचिव अंकुश आगासे, उप-कोषाध्यक्ष योगेश सुरे, सौरभ फाये एवं समिति के सदस्यों ने सभी भक्तों और ग्रामवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस आयोजन को सफल बनाएं।

तेज बारिश में धराशायी हुआ सागौन का पेड़

स्थानीय लोगों की तत्परता से जल्द यातायात हुआ बहाल

लांजी (पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र के ग्राम पालडोंगरी बस स्टैंड के पास 26 सितंबर की रात्रि करीब 11 बजे तेज बारिश और आंधी-तूफान के कारण एक विशाल सागौन का पेड़ अचानक सड़क पर गिर गया। जोरदार गरज-चमक के बीच हुई इस घटना से सड़क मार्ग अवरुद्ध हो गया, जिससे वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई। गनीमत रही कि रात का समय होने के कारण सड़क पर आवागमन कम था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। अन्यथा, यह हादसा गंभीर रूप ले सकता था।

स्थानीय लोगों की सक्रियता से पेड़ गिरने के करीब आधे घंटे तक मार्ग बंद रहा। इसके बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए पेड़ की शाखाओं को काटकर और खींचकर सड़क किनारे किया। उनकी इस पहल से यातायात जल्द ही बहाल हो गया। 26 सितंबर की तेज बारिश और बिजली की चमक के साथ क्षेत्र में कई पेड़-पौधे क्षतिग्रस्त हुए। गिरा हुआ सागौन का पेड़ अभी भी सड़क किनारे पड़ा है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि वन विभाग या नगर पंचायत की टीम तुरंत मौके पर पहुंचकर पेड़ को पूरी तरह हटाए और नियमित यातायात की व्यवस्था करे।

मप्र के कर्मचारियों की छुट्टी का नए सिरे से होगा निर्धारण

चार एसीएस की बनाई टीम, सामान्य, सार्वजनिक और एच्छिक अवकाश का होगा रिव्यू

भोपाल। प्रदेश के छह लाख से अधिक नियमित सरकारी अधिकारी-कर्मचारियों के अवकाश पर सरकार की नजर है। सरकार ने इसके लिए एक समिति का गठन कर दिया है जो सरकारी दफ्तरों, निगम-मंडलों और अन्य संस्थाओं के सार्वजनिक, सामान्य और ऐच्छिक अवकाशों की समीक्षा कर सरकार को रिपोर्ट देगी और इसके आधार पर कर्मचारियों को दिए जाने वाले अवकाश का नए सिरे से निर्धारण होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक माह पहले गणेश चतुर्थी पर्व के पूर्व हुई कैबिनेट बैठक के दौरान अधिकारियों से कहा था कि प्रदेश में जितने भी अवकाश दिए जा रहे हैं, उसका नए सिरे से निर्धारण किया जाए। इसके लिए सामान्य अवकाश, ऐच्छिक और अर्जित अवकाश सभी तरह के अवकाशों की कैटेगरी का रिव्यू किया जाए। साथ ही उन्होंने सामान्य प्रशासन विभाग को यह भी निर्देश दिया था कि गणेश चतुर्थी को प्रदेश में सामान्य अवकाश घोषित किया जाए। सीएम के निर्देश के बाद अब सामान्य प्रशासन विभाग ने इसके लिए एक समिति का गठन कर दिया है। बताया जाता है कि त्यौहारों के दौरान वर्ग विशेष को छुट्टी देने और धार्मिक आधार पर अवकाश का निर्धारण करने का निर्णय भी यह समिति ले सकती है। दीपावली, नवरात्र, ईद, क्रिसमस के त्यौहारों के आधार पर भी अवकाश निर्धारण हो सकता है।

अलग-अलग विभागों के अफसरों को किया शामिल

अवकाशों की समीक्षा के लिए सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा इस बार जो समिति गठित की गई है वह चार विभागों के सीनियर आईएएस अफसरों को मिलाकर बनी है जबकि इसके पहले होता यह था कि सिर्फ सामान्य प्रशासन विभाग ही इस मामले में फैसला कर लेता था। अब इस समिति में वित्त, राजस्व, गृह विभाग के भी सीनियर आईएएस अधिकारी शामिल किए गए हैं।

समिति में ये अधिकारी होंगे शामिल

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा चार सदस्यीय समिति का गठन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश के बाद किया गया है। इस समिति में अपर मुख्य सचिव स्तर के अफसरों को शामिल किया गया है। इसमें समिति के समन्वयक की जिम्मेदारी अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन विभाग को सौंपी गई है। यह जिम्मेदारी वर्तमान में संजय कुमार शुक्ल निभा रहे हैं। वहीं अपर मुख्य सचिव गृह विभाग, अपर मुख्य सचिव वित्त विभाग तथा अपर मुख्य सचिव राजस्व विभाग भी इस समिति के सदस्य बनाए गए हैं। वर्तमान में अपर मुख्य सचिव गृह की जिम्मेदारी शिवशेखर शुक्ला के पास है और एसीएस वित्त मनीष रस्तोगी हैं वहीं अपर मुख्य सचिव के बजाय राजस्व विभाग की कमान प्रमुख सचिव विवेक पोरवाल के पास है।

ब्लैकमेलर्स की लिस्ट तैयार कराने पर नेता प्रतिपक्ष को आपत्ति, सिंघार बोले

शिकायतकर्ताओं के बजाय कम्प्लेन फोर्स क्लोज करने वाले अफसरों की बनाएं कुंडली

भोपाल। सीएम हेल्पलाइन और अन्य पोर्टल पर झूठी और आदतन शिकायत करने वाले तथा ब्लैकमेलर्स की लिस्ट तैयार कराने के सरकार के फरमान पर विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आपत्ति की है और इसे वापस लेने को कहा है। सिंघार ने कहा कि मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार भी गज़ब है। प्रदेश की जनता की समस्याओं का समाधान करने में असफल रही तो अब शिकायतकर्ताओं को ब्लैकमेलर और आदतन शिकायती बताकर डराने तथा उनके नामों की सूची बनवाने का नया तरीका निकाल लिया है। शिकायतकर्ताओं की कुंडली बनाने के बजाय उन अधिकारियों की सूची तैयार की जानी चाहिए जिन्होंने गलत जवाब देकर शिकायतें जबरन फोर्स क्लोज कराईं।

सच्चाई यह है कि पूरे मध्यप्रदेश में सीएम हेल्पलाइन पर हजारों शिकायतें अधिकारियों ने बिना समाधान किए फोर्स क्लोज कर दी हैं। इस आदेश की आड़ में अधिकारी यही चाहते हैं कि जो जागरूक नागरिक जनता की समस्याओं को लेकर शिकायत करें, उन्हें उल्टा केस में फंसाकर परेशान किया जा सके। ये बात

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कही। उन्होंने कहा कि ब्लैकमेलर्स की रिपोर्ट तैयार करने का आदेश लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं पर सीधा प्रहार है। लोकतंत्र में यदि नागरिक अपनी समस्या सरकार को नहीं बताएगा तो किससे कहेगा?

झूठे जवाब दर्ज करते हैं अधिकारी-कर्मचारी

उन्होंने कहा कि असलियत यह है कि अधिकारी-कर्मचारी पैसों और दबाव के चलते शिकायतों पर झूठे जवाब दर्ज कर रहे हैं और उन्हें बंद करा रहे हैं। शिकायतकर्ताओं की कुंडली बनाने के बजाय उन अधिकारियों की सूची तैयार की जानी चाहिए जिन्होंने गलत जवाब देकर शिकायतें जबरन फोर्स क्लोज कराईं। मध्यप्रदेश में ऐसे हजारों उदाहरण मौजूद हैं।

इस आदेश को वापस लें सीएम

नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने कहा कि वे यह मांग करते हैं कि मुख्यमंत्री तत्काल इस आदेश को वापस लें। सरकार जनता की समस्याओं का समाधान करने के लिए बनी है, न कि शिकायतकर्ताओं को ब्लैकमेलर घोषित करने के लिए। गौरतलब है कि लोक सेवा प्रबंधन विभाग ने 25 सितंबर को एक आदेश जारी कर सभी कलेक्टरों से कहा है कि झूठी और आदतन शिकायतें करने वाले तथा ब्लैकमेलर्स की लिस्ट मोबाइल नंबर के साथ एक फार्मेट में तैयार कर सरकार को भेजें ताकि सरकार इस मामले में कोई फैसला कर सके।

होमगार्ड के सैनिकों को नियमित कर्मचारियों के मिलेंगे लाभ

भोपाल। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति विनय सराफ की खंडपीठ ने 490 याचिकाओं की सुनवाई के बाद महत्वपूर्ण फैसला दिया है। 1948 में होमगार्ड संगठन की शुरुआत, आपदा स्थिति के लिए हुआ था।1962 में उनकी सेवाओं को नियमित कर दिया गया था। हर साल होमगार्ड के जवानों को 2 से 3 महीने के लिए कॉल आफ पर भेज दिया जाता था। 2008 में मानव अधिकार आयोग और 2011 में हाईकोर्ट ने इसे अनुचित बताया था। उसके बाद से 490 याचिकायें लंबित पड़ी हुई थी। खंडपीठ ने अपने आदेश में मध्य प्रदेश के सभी 10000 से ज्यादा होमगार्ड के जवानों की कॉल ऑफ प्रक्रिया को खत्म करने का आदेश दिया गया है।

केंद्रीय सहकारी बैंक की महिला कर्मचारियों को मिलेगा चाइल्ड केयर लीव

हाई कोर्ट ने विभाग को 60 दिन के अंदर निर्णय लेने के दिए निर्देश

भोपाल। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने जिला केंद्रीय सहकारी बैंक, जबलपुर की महिला कर्मचारियों को चाइल्ड केयर लीव यानी 'बाल देखभाल अवकाश' की सुविधा न दिए जाने के मामले में बैंक प्रबंधन और सहकारिता विभाग को अहम निर्देश दिए हैं। न्यायालय ने याचिकाकर्ता शिंजिनी दुबे और अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए, संबंधित अधिकारियों को 60 दिनों के अंदर इस मामले पर अंतिम निर्णय लेने का आदेश दिया है।

याचिकाकर्ता, जो जिला केंद्रीय सहकारी बैंक, जबलपुर में कार्यरत महिला कर्मचारी हैं, इस बात से असंतुष्ट थीं कि बैंक में महिला कर्मचारियों के लिए चाइल्ड केयर लीव देने का कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने तर्क दिया कि वे बाल देखभाल अवकाश के दायरे में आती हैं और उनके बच्चे 18 वर्ष से कम आयु के हैं, लेकिन नीतिगत कारणों से बैंक छुट्टी स्वीकृत नहीं कर रहा है। याचिकाकर्ताओं ने इस संबंध में बैंक को एक विस्तृत अभ्यावेदन भी प्रस्तुत किया था, जिस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया। न्यायालय ने संयुक्त पंजीयक, सहकारी संस्थाएं और बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को निर्देश दिया कि वे संगठनात्मक आवश्यकताओं और बच्चों के अधिकारों का आकलन करते हुए 60 दिनों के अंदर इस मामले में अंतिम निर्णय लें। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि निर्णय की जानकारी याचिकाकर्ताओं को दी जाए और यदि कोई प्रतिकूल निर्णय लिया जाता है, तो याचिकाकर्ताओं को कानून के अनुसार उसे चुनौती देने की स्वतंत्रता होगी। हाई कोर्ट के इस निर्देश से सहकारी बैंक की महिला कर्मचारियों में चाइल्ड केयर लीव सुविधा मिलने की उम्मीद जगी है।

रेल हादसों पर अब लगेगी लगाम!

कवच 4.0 से लैस होंगे रेलमार्ग, आधुनिक उपकरण इंस्टाल किए जाएंगे

भोपाल। रेल दुर्घटना रोकने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से लैस आधुनिक टक्कररोधी तकनीक कवच 4.0 से लैस किया जाएगा। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आधारित कवच 4.0 के लिए ट्रैक किनारे व रेल स्लीपर में आधुनिक उपकरण भी इंस्टाल किए जाएंगे। कवच 4.0 को इंटरनेट से जोडऩे के लिए धौलपुर से मुरैना-ग्वालियर-झांसी होते हुए बीना के बीच 38 नए टावर लगाए जाएंगे। इसमें हर दस किलोमीटर की दूरी पर एक लांग टर्म इवोल्यूशन (एलटीई) टावर स्थापित किया जाएगा। इससे ट्रेन की हर गतिविधि पर नजर भी रखी जाएगी। एआई कवच से जोडऩे के लिए ट्रेन के इंजन पर भी एक टावर लगाया जाएगा। इसके साथ ही ⁄ढ्ढ डिवाइस भी इंजन की कैब में लगाई जाएगी।

रेलवे का कवच 4.0 पूरी तरह आटोमेटेड प्रोटेक्शन सिस्टम है। यह नई आधुनिक तकनीक पर आधारित है। यह सिस्टम ट्रेन की निर्धारित गति से दो किमी प्रतिघंटा से ज्यादा की स्पीड होने पर ओवर स्पीड अलार्म बजा देगा। अगर ट्रेन की निर्धारित स्पीड से पांच किमी प्रतिघंटा से ज्यादा होगी तो फिर आटोमैटिक ब्रेक लग जाएंगे। अगर ट्रेन निर्धारित स्पीड से नौ किमी प्रतिघंटा से ज्यादा की स्पीड पर पहुंचेगी तो फिर ऐसा होने पर खुद इमरजेंसी ब्रेक लग जाएंगे। कवच सिस्टम 4.0 पर इंटरलाकिंग लगाई गई है, जिससे अगले सिग्नल रेडियो वेव व इंटरनेट के जरिए से सीधे इंजन तक पहुंचेगी। कवच 4.0 का कार्य अक्टूबर से शुरू किया जाएगा और वर्ष 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

कवच 4.0 के तहत ट्रेन से लगातार संपर्क बनाए रखने के लिए सीमेंट के बने हुए ट्रैक के स्लीपर, जिन पर ट्रैक बिछाया जाता है, उन पर हर एक किलोमीटर के फासले पर एक ऐसी डिवाइस लगाई जा रही है कि जैसे ही ट्रेन उस स्लीपर से गुजरेगी, तो ट्रैन की जानकारी कंट्रोल रूम तक पहुंच जाएगी। इस प्रणाली से क्रॉसिंग पर होने वाले हादसे भी रोके जाने में मदद मिलेगी। क्रॉसिंग पर ट्रेन का हॉर्न अपने आप बजने लगेगा। अगर रेड सिग्नल होने पर भी ट्रेन नहीं रूकती है, तो सिग्नल के 50 मीटर पहले आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस ट्रेन को रोक देगा। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक अब तक कवच तकनीक मुख्य रूप से रेलवे ट्रैक पर ट्रेनों की टक्कर को रोकने पर केंद्रित रही है, लेकिन कवच 4.0 मानवीय भूल-चूक पर भी अंकुश लगाएगा।

हेलमेट न पहनने की छोटी सी लापरवाही का नुकसान पूरे परिवार को न भुगतना पड़े- मुख्यमंत्री

भोपाल(ईएमएस)। जीवन का सुरक्षा कवच है हेलमेट मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हेलमेट न पहनने की छोटी सी लापरवाही का नुकसान पूरा परिवार भुगतता है। आंकड़े बताते हैं कि देश में अप्राकृतिक मौतों का सबसे बड़ा कारण सड़क दुर्घटनाएं हैं। इसमें भी अधिकांश मौतें लापरवाही या तेज गति से वाहन चलाने, हेलमेट न पहनने या सीट बेल्ट नहीं लगाने से होती हैं। जिम्मेदार नागरिक होने के साथ परिवार के महत्व और दायित्व को समझते हुए अपनी स्वयं की सुरक्षा के लिए सभी वाहन चालकों का सचेत रहना जरूरी है। दोपहिया वाहन चालक हेलमेट अवश्य पहने, इस आशय का प्रण हमें लेना होगा। हेलमेट हमारे जीवन का सुरक्षा कवच है, यह सड़क हादसे में आपकी जान बचा सकता है। शारदीय नवरात्र के दिनों में जीवन रक्षा के प्रति जागरूकता के लिए आरंभ की गई सड़क सुरक्षा जागरूकता सप्ताह की पहल अनुकरणीय है। प्रदेशवासी हेलमेट पहने और सड़क सुरक्षा के लिए आवश्यक सावधानियों का पालन करें, सभी से यही अपेक्षा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सड़क सुरक्षा जागरूकता के लिए शनिवार को सेवा पखवाड़ा अंतर्गत अटल पथ पर आयोजित निःशुल्क हेलमेट वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और दो पहिया वाहन रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में युवाओं को 2100 हेलमेट वितरित किए गए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रतीक स्वरूप पांच दो पहिया वाहन चालकों मनोज निगम, संदीप बिसेन, सुमित प्रधान, एनसीसी कैडेट सुश्री सान्या सिद्दीकी और अंजली सिंह को हेलमेट पहनाकर जीवन का संदेश दिया।

अपनी सुरक्षा का ध्यान रखना युवाओं का है दायित्व

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरुक करने के लिए सड़क सुरक्षा सप्ताह मना रही है। आज 2100 युवाओं को हेलमेट वितरित किए जा रहे हैं। भारत विश्व का सबसे युवा देश है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी युवा शक्ति ने विश्व के सम्मुख कई क्षेत्रों में विशेष पहचान बनाई है। अपनी सुरक्षा का ध्यान रखना भी युवाओं का दायित्व है। यह आवश्यक है कि सड़कों पर तेज गति से वाहन न चलाएं और यातायात नियमों का पालन करें, यही एक जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य भी है।

राहवीर योजना में 25 हजार रुपए के प्रोत्साहन की व्यवस्था

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सड़क सुरक्षा के लिए राज्य सरकार द्वारा विशेष पहल की गई है। राष्ट्रीय राजमार्ग, एक्सप्रेस-वे पर पेट्रोलिंग दस्ते, चेकपोस्ट, सैंसर चेकपोस्ट के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। चालान बनाने के लिए डिजिटल चालान, स्पीडगन, लाइव ट्रेफिक मॉनीटरिंग, फास्टैग जैसे संसाधनों से भविष्य में होने वाली घटनाओं को रोकने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। दुर्घटना की स्थिति में तत्परतापूर्वक आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की भी व्यवस्था की गई है। मानवीय संवेदनाओं को दृष्टिगत रखते हुए सड़क हादसे के किसी घायल को अस्पताल पहुंचाने पर राज्य सरकार उस जिम्मेदार नागरिक को राहवीर योजना के अंतर्गत 25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान कर रही है। साथ ही प्रदेश में सुरक्षित यात्रा और यातायात नियमों के पालन से संबंधित विशेष अभियान संचालित किए गए हैं। राज्य सरकार प्रदेश के हर नागरिक की बेहतरी के लिए प्रयासरत है, इसी के दृष्टिगत प्रदेश में सुशासन पर केन्द्रित सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। भोपाल पुलिस आयुक्त हरिनायणचारी मिश्र ने कहा कि भोपाल में ट्रैफिक को सुचारू बनाने के लिए शहर के 37 चौराहों को लेफ्ट टर्न फ्री करने का कार्य हो रहा है। नगर निगम भोपाल के सहयोग से नगर के चौराहों को अतिक्रमण मुक्त किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की भावना के अनुरूप आरंभ किया गया सड़क सुरक्षा जागरूकता सप्ताह का संदेश, प्रदेश के सभी नगरों और ग्रामों तक पहुंचेगा।

पेपर देने बालाघाट से आई छात्रा को होटल में सहेलियों ने जमकर पीटा

भोपाल। पुराने शहर के कोहेफिजा थाना इलाके में पेपर देने के लिये बालाघाट से आकर होटल में ठहरी छात्रा के साथ उसकी सहेलियों ने जमकर मारपीट कर दी। उसका आरोप है की जब वह सहेलियो की पिटाई से बचकर बाहर की और भागी तब होटल के मैनेजर उसे पकड़कर घसीटता हुआ ले गया और कमरे में ले जाकर बंद कर दिया। छात्रा की शिकायत मिलने पर पुलिस ने जॉच शुरु कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार छात्रा श्रद्धा भोपाल की सेम ग्लोबल यूनिवर्सिटी में फ़र्स्ट ईयर की छात्रा है। इन दिनो उसके पेपर चल रहे हैं। जिसके चलते वह 18 सितंबर को भोपाल आकर हलालपुर स्थित होटल नीना पैलेस में ठहरी थी। उसका आरोप है की 23 सितंबर को यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर अभिजीत गांगुली के साथ उसका फीस को लेकर विवाद हो गया था। इसी बात को लेकर 24 सितंबर की रात 11 बजे सहेलियों ने उससे मारपीट की। जब वह बचने के लिये भागने वहीं धनेश्वर साहू नाम के व्यक्ति ने बाल पकड़कर घसीटा। जॉच के लिये पुलिस होटल में लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज खंगाल रही है, जिसके आधार पर आगे की कार्यवाही की जायेगी।

जैन समाज की पहली डिजिटल जनगणना राष्ट्रीय स्तर पर

– ऐप और क्यूआर कोड से जुटेंगे आंकड़े, जिम्मा भोपाल महासभा को

भोपाल। जैन समाज की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहली बार आधुनिक तरीके से जनगणना की जाएगी। इसका जिम्मा दिगंबर जैन महासभा, भोपाल को सौंपा गया है। यह ऐतिहासिक घोषणा अशोकनगर में आयोजित राष्ट्रीय जिन शासन एकता संघ के अधिवेशन में मुनिश्री सुधा सागर जी महाराज के सानिध्य में की गई।

महासभा के अध्यक्ष संजय जैन मुंगावली ने बताया कि जनगणना पूरी तरह डिजिटल और सुरक्षित होगी। समाज के लिए समाज द्वारा की जाने वाली इस पहल में क्यूआर कोड, बारकोड और विशेष ऐप का उपयोग होगा। भारत के सभी जैन मंदिरों के माध्यम से भी आंकड़े जुटाए जाएंगे। इस जनगणना के लिए पोर्टल पर पिछले छह माह से काम चल रहा है और जल्द ही ऐप व पोर्टल को समाज के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। संघ नायक राकेश गोहिल ने भी इस परियोजना की आधिकारिक घोषणा की। कार्यक्रम में महासभा के विनोद जैन, इंजीनियर वीरेंद्र अजमेर, अजय जैन ज्योतिषी, राजेश मुस्कान, पंकज प्रधान, शैलेंद्र माया, डॉ. मनोज जैन सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। सभी ने मुनिश्री सुधा सागर जी महाराज से जनगणना कार्य शीघ्र प्रारंभ करने का आशीर्वाद लिया। अध्यक्ष संजय जैन ने कहा कि देशभर से आए हजारों जैन समाजजन इस जनगणना में एक-एक कार्यकर्ता की तरह शामिल होंगे। उन्होंने समाज के सभी लोगों से अपील की कि वे इस अभियान से जुड़ें और अपने समुदाय के सटीक आंकड़े जुटाने में सहयोग दें।

विज्ञान मेले में छाए स्कूली बच्चों के मॉडल

बिना बिजली के चलने वाले फ्रिज ने उड़ाए होश

भोपाल। ऐसा फ्रिज जो बिना बिजली के चलता है और इसमें कैमिकल की जरुरत भी नहीं होती है। इसके साथ ही इस फ्रिज की खासियत यह है कि यह पूरी तरह बायोडिग्रेडेबल है। यानि कि यदि इस फ्रिज को मिट्टी में मिला दिया जाए, तो यह कुछ दिनों में घुल जाएगा। इससे पर्यावरण को भी कोई नुकसान नहीं होगा। ऐसा फ्रिज आपको राजधानी में आयोजित भोपाल विज्ञान मेले में देखने को मिलेगा, जिसे कार्मल कान्वेंट स्कूल की छात्राओं ने बनाया है।

कार्मल कान्वेंट की छात्रा केरिलेन थामस ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की बड़ी समस्या होती है। पहले लोग खाना या इस प्रकार की कोई चीज रखने के लिए मटके के पॉट का इस्तेमाल करते थे। लेकिन इसमें रखा खाद्य पदार्थ एक से दो दिन में खराब हो जाता है। इसलिए हमने बिना इलेक्ट्रिसिटी और बिना केमिकल के इस्तेमाल के बायोडिग्रेडेबल फ्रिज बनाया है। इसमें लगे हुए सभी पार्ट्स ईको फ्रेंडली हैं। केरिलेन ने बताया कि यह फ्रिज बनाने में हमें 4 महीने का समय लगा है। इसमें करीब एक हजार रुपये का खर्च आया है।

छात्रा यशवी कुरचानी ने बताया कि के इस फ्रिज को बनाने में कबाड़ में फेंके गए और सडक़ पर मिलने वाले सामान का इस्तेमाल किया गया है। इसमें कोई केमिकल का इस्तेमाल नहीं किया गया है। फ्रिज को बनाने के बाद परीक्षण भी कराया गया है। यशवी ने बताया कि इसमें रखा सामान चार से पांच दिन तक खराब नहीं होता है। इस फ्रिज में खास तरह के ब्रिक्स का इस्तेमाल किया गया है। जो स्टार्च और नेचुरल इंग्रिडेंस का इस्तेमाल करके बनाया गया है। इसमें पैडी के भूसे और सेंड का इस्तेमाल भी किया गया है। वहीं भोजन को संक्रमण से बचाने के लिए नींबू की कोटिंग भी की गई है।

कार्मल कान्वेंट की छात्राओं ने कीट से फसलों को बचाने के लिए ट्रैप्टोनिक्स का मॉडल भी बनाया है। इसे बनाने वाली टीम में शामिल आन्या नायक ने बताया कि साल 2020 में ल्यूकस अटैक (टिड्डियों का हमला) हुआ था, जिससे देश की बहुत सारी फसलें बर्बाद हो गई थी। आगे उन्होंने कहा कि हर साल ल्यूकस या कीट के कारण 2 हजार करोड़ रुपये की फसलें बर्बाद हो जाती हैं। इसे बचाने के लिए किसान बहुत अधिक मात्रा में पेस्टिसाइड का इस्तेमाल करते हैं, जो अधिक हानिकारक होता है। इसलिए हमने फसलों को बचाने के लिए ट्रैप्टोनिक्स बनाया है। इसमें अमोनिया को एनपीके सोल्युशन में कन्वर्ट कर देता है, जिससे नार्मल पानी न्यूट्री रिच पानी बन जाता है, फिर इस वाटर को ड्रिप इरिगेशन के जरिए पूरे खेत में स्प्रे कर देते हैं। यह फर्टिलाइजर का बेहतर विकल्प है। इसमें खर्च और नुकसान दोनों कम होते हैं। सरकारी नौकरी से सेवानिवृत्त डीपी तिवारी कबाड़ से अनोखे मॉडल बनाए हैं।

एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच हाईवोल्टेज फाइनल कल

भारत के ओपनर्स, स्पीनर्स और पाकिस्तान के पेस गेंदबाज हो सकते हैं गेम चेंजर्स

दुबई, एजेंसी।

भारत और पाकिस्तान 41 साल में पहली बार एशिया कप के फाइनल में कल रविवार को आमने-सामने होने जा रहे हैं। ग्रुप और सुपर-4 स्टेज में टीम इंडिया ने एकतरफा अंदाज में पाकिस्तान को हराया था। दोनों मैच दुबई में खेले गए, अब फाइनल भी दुबई में ही रविवार को होगा। फॉर्म और रिदम के लिहाज से टीम इंडिया इस समय पाकिस्तान से काफी आगे नजर आ रही है। हालांकि, पाकिस्तान की टीम में भी उत्साह और विश्वास की कमी नहीं होगी।

भारत से दो मैच हारने के बावजूद पाकिस्तान ने अच्छी वापसी की और बांग्लादेश और श्रीलंका को हराकर फाइनल का टिकट हासिल कर लिया है। तो फाइनल में किस टीम का पलड़ा भारी रह सकता है। इस एनालिसिस में चार ऐसे फैक्टर्स सामने आए जो फाइनल मैच का नतीजा तय कर सकते हैं। दुबई में पिच की निर्णायक भूमिका रही है। यहां 2018 से दुनिया की टॉप-8 टीमों के बीच 20 टी-20 मैच हुए हैं। इनमें से 15 बार चेज करने वाली टीम जीती है। कप्तानों की सोच साफ होती थी कि टॉस जीतो, बॉलिंग चुनो और मैच जीतो। लेकिन पिछले तीन में से दो मैचों में पहले बैटिंग करने वाली टीम मुकाबला जीतने में सफल रही और एक मैच टाई रहा। फाइनल में कप्तानों के सामने कनफ्यूजन रहेगा कि टॉस जीतकर बैटिंग चुनें या बॉलिंग। तो सबसे पहले यह देखना होगा कि फाइनल की पिच होती कैसी है? पिच इस बार भी बड़ा रोल प्ले करेगी और कप्तान का पहले बैटिंग या फील्डिंग का फैसला भी डिसाइडिंग फैक्टर हो सकता है।

भारत की ओपनिंग जोड़ी पलट सकती है मैच का रूख

भारत की ओपनिंग जोड़ी अपने दम पर पाकिस्तान से मैच छीनने का दम रखती है। अभिषेक शर्मा बेहतरीन फॉर्म में हैं और सुपर-4 स्टेज में लगातार 3 फिफ्टी लगा चुके हैं। वे टूर्नामेंट के टॉप रन स्कोरर हैं और 200 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से रन बना रहे हैं। अभिषेक एक एंड पर तेजी से रन बनाते हैं, वहीं दूसरे एंड पर शुभमन गिल संभलकर पारी आगे बढ़ाते हैं। वे टिककर रन बनाते हैं। दोनों पाकिस्तान के खिलाफ सेंचुरी पार्टनरशिप भी कर चुके हैं। एशिया कप के 6 मुकाबलों में दोनों ने 45 से ज्यादा की औसत से 273 रन जोड़े हैं। दोनों फाइनल में टिक गए तो पावरप्ले में ही स्कोर तेजी से 80 के करीब पहुंचा देंगे। दुबई की लो-स्कोरिंग पिच को देखते हुए यह स्कोर टर्निंग पॉइंट साबित हो सकता है।

पाकिस्तान की पेस बॉलिंग है जबर्दस्त

शाहीन शाह अफरीदी और हारिस रऊफ के रूप में पाकिस्तान के पास 2 मजबूत तेज गेंदबाज हैं। दोनों के नाम टूर्नामेंट में 9-9 विकेट हैं। हारिस ने 4 ही मैच में इतने विकेट झटक लिए, वहीं शाहीन ने 6 मुकाबले खेले हैं। शाहीन नई गेंद से पारी की शुरूआत करते हैं और ओपनिंग बैटर्स को आउट कर विपक्षी टीम पर दबाव बनाते हैं। दूसरी ओर रऊफ मिडिल और डेथ ओवर्स में अपनी पेस और बाउंस से बल्लेबाजों को परेशान करते हैं। हारिस तो भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव को 3 टी-20 में 3 बार आउट भी कर चुके हैं। पाकिस्तान को मैच में पकड़ बनानी है तो दोनों पेसर्स का चलना बेहद जरूरी है। भारत का स्पिन डिपार्टमेंट भी पाकिस्तान के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है।

भारत ने सुपर ओवर में श्रीलंका को हराया, अर्शदीप बने हीरो

दुबई। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए एशिया कप 2025 के सुपर-4 मुकाबले में भारत ने श्रीलंका को सुपर ओवर में हराकर टूर्नामेंट में लगातार छठी जीत दर्ज की और अब फाइनल में पाकिस्तान से भिड़ने को तैयार हैं। श्रीलंका के साथ यह मुकाबला क्रिकेट प्रेमियों के लिए किसी थ्रिलर से कम नहीं था। निर्धारित 20-20 ओवरों में दोनों टीमों ने 202-202 रन बनाए और मैच टाई हो गया। इसके बाद सुपर ओवर में भारतीय गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने श्रीलंकाई बल्लेबाजों को अपनी धारदार गेंदबाजी से पूरी तरह पस्त कर दिया। श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारत की ओर से सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने आतिशी अंदाज में खेलते हुए शानदार पारी खेली, जबकि संजू सैमसन ने भी दमदार प्रदर्शन किया। दोनों की पारियों के दम पर भारत ने 20 ओवर में 202 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की टीम की शुरुआत भले ही साधारण रही हो, लेकिन ओपनर पथुम निसंका ने एक छोर से मोर्चा संभाल लिया। उन्होंने 58 गेंदों पर नाबाद 107 रन ठोककर भारत की जीत की राह मुश्किल कर दी। आखिरी पांच

ओवरों में श्रीलंका को केवल 40 रनों की दरकार थी और ऐसा लग रहा था कि मुकाबला उनके पक्ष में चला जाएगा, लेकिन तभी भारतीय गेंदबाजों ने बाजी पलट दी।

कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती ने बीच के ओवरों में कसी हुई गेंदबाजी की, वहीं 17वें ओवर में अर्शदीप सिंह ने मेंडिस का अहम विकेट लेकर श्रीलंका की पकड़ ढीली कर दी। इसके बावजूद निसंका के शतक ने मैच को बराबरी पर खत्म कर दिया और फैसला सुपर ओवर में गया। यही वह पल था जब टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने निर्णायक कदम उठाया। उनके पास हार्दिक पांड्या और कुलदीप यादव जैसे विकल्प मौजूद थे, लेकिन उन्होंने सुपर ओवर की जिम्मेदारी अर्शदीप सिंह को सौंपी।

अर्शदीप ने कप्तान के भरोसे पर खरा उतरते हुए श्रीलंका को सांस लेने का भी मौका नहीं दिया। उनकी पहली ही गेंद पर कुशल परेरा कैच आउट हो गए और चौथी गेंद पर दासुन शनाका भी पवेलियन लौट गए। यॉर्कर और शॉर्ट गेंदों के बेहतरीन मिश्रण ने श्रीलंकाई बल्लेबाजों को जकड़ लिया और पूरी टीम महज 2 रन ही बना पाई। इसके जवाब में भारत ने केवल एक गेंद खेलते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया और जीत का छक्का लगा दिया।

इस जीत के हीरो अर्शदीप सिंह एक बार फिर साबित कर गए कि क्यों उन्हें भारत का डेथ ओवर स्पेशलिस्ट कहा जाता है। अब तक खेले गए 64 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में वह 100 विकेट ले चुके हैं और यह आंकड़ा उन्हें इस फॉर्मेट में भारत का सबसे सफल गेंदबाज बनाता है। उनकी औसत इकोनॉमी आठ के आसपास है, लेकिन दबाव वाले पलों में यॉर्कर और सटीक लाइन-लेंथ से उन्होंने खुद को खास बना लिया है। सुपर ओवर में उनके प्रदर्शन ने भारत को छठी जीत तो दिलाई ही, साथ ही पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले फाइनल से पहले टीम का आत्मविश्वास भी दोगुना कर दिया है।

203 रन का पीछा करना आसान नहीं...फिर भी हमारी टीम ने पूरी जान लगा दी

श्रीलंका के हेड कोच सनथ जयसूर्या ने खिलाड़ियों की तारीफ की

दुबई । श्रीलंका के हेड कोच सनथ जयसूर्या ने एशिया कप सुपर चार के मात्र औपचारिकता के मैच में भारतीय टीम के खिलाफ हार के बाद कहा है कि उनकी टीम भारत के खिलाफ 'मानसिक अवरोध' का शिकार नहीं हुई थी। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने दुबई में सुपर ओवर में शानदार गेंदबाजी करके भारत को जीत दिलाई। श्रीलंका ने सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका के आक्रामक शतक की मदद से भारत के 202 रन के स्कोर की बराबरी की, जिससे मैच सुपर ओवर में पहुंचा।

पूर्व दिग्गज क्रिकेटर जयसूर्या ने कहा कि वे अपने खिलाड़ियों से काफी संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट में श्रीलंका के तीनों सुपर चार मैच हारने के बावजूद यह टीम बहुत आगे जाएगी। मैच के बाद जयसूर्या ने कहा, "मैं मैच को नियमित समय में खत्म करना पसंद करता। कोई भी कप्तान या कोच सुपर ओवर में नहीं जाना चाहता। उन्होंने कहा, "दुर्भाग्य से दासुन (शनाका) तीसरा रन पूरा करने से चूक गए। लेकिन भारत के खिलाफ कोई मानसिक अवरोध नहीं था। हमारा बल्लेबाजी क्रम मजबूत है और हमने उन्हें आत्मविश्वास दिया। 200 (203) के लक्ष्य का पीछा करना कभी आसान नहीं होता लेकिन हमारी टीम ने करीब-करीब हासिल कर ही लिया था जो हमारी क्षमता को दिखाता है।"

श्रीलंका को 2024 में पाल्लेकल में तीसरे टी20 मैच के दौरान भी इसी तरह की हार का सामना करना पड़ा था जब आसान लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम को भारत के खिलाफ सुपर ओवर में शिकस्त झेलनी पड़ी। जयसूर्या ने निसांका (58 गेंदों में 107) और कुसल परेरा (32 गेंद में 58 रन) की तारीफ की जिन्होंने दूसरे विकेट की साझेदारी ने सिर्फ 70 गेंद में 127 रन बनाए। उन्होंने कहा, "जब आप 202 रन (203) का पीछा कर रहे हो, तब आपको लगातार बाउंड्री चाहिए हैं। उन दोनों की साझेदारी अहम थी। जब हमने विकेट गंवाने शुरू किए तब हमारी टीम की लय बिगड़ गई। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऐसा होना स्वाभाविक है क्योंकि किसी को जोखिम उठाना ही पड़ता है।"

जयसूर्या ने कहा, दुर्भाग्य से पथुम गलत समय पर आउट हो गए और बाद में गेंद अधिक टर्न लेने लगी। फिर भी यह क्रिकेट का एक बहुत अच्छा मैच था।' उन्होंने कहा, "कुसाल हमारी टीम में स्पिन के खिलाफ सबसे अच्छे खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने यह भूमिका फिर से बखूबी निभाई। हालांकि मैं चाहता था कि वह अधिक समय तक बल्लेबाजी करें। दोनों ने सोच-समझकर जोखिम उठाए और जब उन्हें बाउंड्री चाहिए थीं तब वे ऐसा करने में सफल रहे।"

पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल मुकाबले पर सूर्या कुमार...जैसे आज उतरे, वैसे ही उतरने वाले

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को एशिया कप 2025 का फाइनल मुकाबला होगा। यह मैच दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमें 41 सालों के एशिया कप इतिहास में पहली बार फाइनल में भिड़ेंगी। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम मौजूदा सीजन में पाकिस्तान को दो बार धूल चटा चुकी है और अब उसकी निगाह तीसरी बार पाकिस्तान को रौंदकर खिताब जीतने पर है। कप्तान सूर्यकुमार ने श्रीलंका के खिलाफ रोमांचक जीत के बाद फाइनल को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि हम फाइनल में उसी अंदाज में उतरने वाले हैं, जैसे आज उतरे थे।

बता दें कि इंडिया बनाम श्रीलंका मैच का नतीजा सुपर ओवर में निकला। भारत के 202/5 स्कोर के जवाब में श्रीलंका ने पांच विकेट पर 202 रन बनाए, जिससे मैच टाई हो गया। एक समय लग रहा था कि श्रीलंकाई टीम ने शिकंजा कस लिया है लेकिन भारत ने जबर्दस्त वापसी की। सूर्यकुमार ने कहा, 卐शनिवार रिकवरी के लिए अच्छा दिन होगा। अभी फाइनल के बारे में सोचने की जरूरत नहीं। कुछ खिलाड़ियों को श्रीलंका के खिलाफ मैच में काफी क्रैम्प हुए।

सूर्या ब्रिगेड ने एशिया कप के मौजूदा सीजन में पाकिस्तान को ग्रुप चरण में सात विकेट से हराय, जबकि सुपर-4 राउंड में 6 विकेट से शिकस्त दी। भारत और पाकिस्तान के बीच सुपर-4 मैच में काफी तनाव देखने को मिला। हारिस रऊफ और शाहीन शाह अफरीदी ने अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल के साथ उलझने की कोशिश की। हालांकि, भारत की सलामी जोड़ी ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया। हारिस और साहिबजादा फरहान ने भड़काऊ इशारे किए, जिसकी बीसीसीआई ने आईसीसी से शिकायत की। हारिस ने विमान गिरने का इशारा किया और फरहान ने बंदूक चलाने के अंदाज में फिफ्टी का जश्न मनाया था।

बात दें कि पाकिस्तान ने अक्टूबर 2022 के बाद से अभी तक भारत के खिलाफ जीत दर्ज नहीं की है। भारत ने पाकिस्तान के विरुद्ध पिछले सात मैच जीते हैं।

शीतल देवी बनीं पैरावर्ल्ड आर्चरी चैंपियन

नई दिल्ली। 18 साल की भारतीय तीरंदाज शीतल देवी ने इतिहास रच दिया। बिना हाथों के खेलने वाली इस भारतीय खिलाड़ी ने पैरावर्ल्ड आर्चरी चैंपियनशिप में महिलाओं की कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया। शीतल ने तुर्किये की विश्व नंबर 1 ओजनुर क्योर गिरदी को 146-143 से हराकर यह उपलब्धि हासिल की। शीतल देवी इस प्रतियोगिता में एकमात्र ऐसी खिलाड़ी थीं जो अपने पैरों और ठुड्डी का इस्तेमाल कर तीर चलाती हैं। यह इस चैंपियनशिप में उनका तीसरा पदक था। शीतल ने इससे पहले कंपाउंड मिक्स्ड टीम स्पर्धा में तोमन कुमार के साथ मिलकर कांस्य पदक जीता था।

एशिया कप फाइनल से पहले भड़के योगराज सिंह, पाकिस्तान को दी कड़ी चेतावनी

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 के सुपर फोर में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए मुकाबले में मैदान पर हुई गरमागरमी अब क्रिकेट के गलियारों में भी गूंज रही है। इस दौरान पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हरिस रऊफ, शाहीन अफरीदी और बल्लेबाज साहिबजादा फरहान भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल से उलझ पड़े थे। मैदान पर शुरू हुए जुबानी हमलों ने माहौल को और तनावपूर्ण बना दिया। इस घटना पर पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज योगराज सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया दी है और पड़ोसी देश को चेतावनी भरे लहजे में जवाब दिया है। योगराज सिंह ने कहा कि वह हमेशा अपने देश के साथ खड़े रहेंगे और अगर कोई भारत के खिलाफ बोलेगा तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, 卐मैं अपने देश का नागरिक हूं। अगर आपका देश हमें सम्मान नहीं देगा, तो बाहरी लोग हमें कैसे सम्मान देंगे? खिलाड़ियों को सम्मान मिलना चाहिए।卐 उन्होंने पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर अभद्र भाषा और गाली-गलौज की शुरुआत क्यों हुई। योगराज के मुताबिक, 卐अभिषेक और शुभमन शांत होकर खेल रहे थे। उन्होंने किसी से कुछ नहीं कहा। तो फिर शाहीन और रऊफ जाकर उन्हें क्यों उकसाने लगे? यह खेल का हिस्सा नहीं, बल्कि निराशा की निशानी है। 67 वर्षीय पूर्व गेंदबाज की यह टिप्पणी साफ दिखाती है कि वह इस घटना से बेहद आहत हैं।

क्रिकेटरों की मेहनत ने मुझे एथलेटिक्स में प्रेरित किया- उसैन बोल्ट

मुंबई। ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले दुनिया के सबसे तेज धावक उसैन बोल्ट ने खुलासा किया है कि क्रिकेटरों की कड़ी मेहनत ने उन्हें एथलेटिक्स में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित किया। जमनाबाई नरसी परिसर में आयोजित फायरसाइड चैट में बोल्ट ने कहा, मैं बचपन से ही क्रिकेट का बहुत बड़ा प्रशंसक रहा हूं। क्रिकेटरों की प्रतिभा, उनके काम करने का तरीका और खुद को आगे बढ़ाने का अंदाज देखकर मैंने छोटी उम्र में ही कड़ी मेहनत करने और सर्वश्रेष्ठ बनने का संकल्प लिया। बोल्ट ने भारत में अपने अनुभव को अविस्मरणीय बताया और कहा, इतने उत्साही प्रशंसकों से मिलना अद्भुत अनुभव है। यह मुझे याद दिलाता है कि खेल क्यों मायने रखते हैं और कैसे वे दुनिया के लोगों को जोड़ते हैं। यहां की ऊर्जा अद्भुत है, और मुझे ड्रीम सेट गो के विजन का हिस्सा बनकर खुशी हो रही है, जो प्रशंसकों को उनके पसंदीदा खेलों के और भी करीब लाता है। धावक ने अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, मेरे लिए मेहनत जितनी सरल है, उतनी ही आवश्यक भी है। मुझे ट्रैक एंड फील्ड हमेशा से पसंद रहा है, और मैंने चोटों, शंकाओं और कठिन परिस्थितियों के बावजूद खुद को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक बनाने के लिए प्रेरित किया। बोल्ट ने कहा कि शीर्ष पर पहुंचना कभी आसान नहीं होता, लेकिन यह चुनौती ही मुझे आगे बढ़ाती रही। बोल्ट फिलहाल मुंबई में निजी यात्रा पर हैं और उनके अगले कार्यक्रम में वह दिल्ली भी आने वाले हैं। उनके अनुभव और उत्साह ने न सिर्फ खेल प्रेमियों को प्रेरित किया है, बल्कि क्रिकेट और एथलेटिक्स जैसे खेलों के बीच प्रेरक संबंध को भी उजागर किया।

हारिस रऊफ पर मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना...पीसीबी चीफ मोहसिन नकवी खुद भरने को तैयार

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आईसीसी ने पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ पर 21 सितंबर को हुए भारत-पाकिस्तान मैच में भारतीय खिलाड़ियों के साथ गाली गलोज और बाउंड्री पर आपत्तिजनक इशारे करने के आरोप में 30 प्रतिशत मैच फीस लगाने का फैसला लिया है। हालांकि अब रऊफ को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का सहयोग मिलता दिख रहा है। पाकिस्तान मीडिया के अनुसार पीसीबी के प्रमुख मोहसिन नकवी ने निजी तौर पर रऊफ का जुर्माना खुद भरने का फैसला किया है। बता दें, भारत एशिया कप में 2 बार पाकिस्तान को धूल चटा चुका है। दोनों टीमें 41 साल के इतिहास में एक साथ पहली बार एशिया कप के फाइनल में पहुंची है। 28 सितंबर को भारत और पाकिस्तान के बीच टूर्नामेंट

का फाइनल होना है।

रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष नकवी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के लिए मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाने के बाद, रऊफ का जुर्माना खुद भरने का फैसला किया है।

सूत्रों के अनुसार, आईसीसी ने पाकिस्तानी गेंदबाज रऊफ पर जुर्माना लगाया है, जबकि सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को मौजूदा एशिया कप में भारत के खिलाफ सुपर-4 मैच के दौरान उनके विवादास्पद जश्न मनाने के तरीके के लिए चेतावनी दे डाली है। इस घटनाक्रम के बाद, सूत्रों ने खुलासा किया कि पीसीबी अध्यक्ष जुर्माने की राशि खुद भरने को तैयार है।

बता दें, बीसीसीआई आईसीसी और मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट के समक्ष पाकिस्तानी क्रिकेटरों फरहान और हारिस रऊफ के खिलाफ उनके अनुचित कार्यों के लिए आधिकारिक तौर पर शिकायत दर्ज कराई थी। हालांकि भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव पर भी मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगने की खबर है। बीसीसीआई इस लेकर अपील करेगा। 14 सितंबर को हुए मैच के बाद सूर्या ने पहलगाम हमले पर टिप्पणी की थी।

अभिषेक को मिल सकती है ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम में जगह

मुम्बई। एशिया कप में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सबको प्रभावित करने वाले युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल किये जाने की संभावना है। इसके साथ ही इस दौरे पर वह एकदिवसीय डेब्यू भी कर सकते हैं। अभी एकदिवसीय में पारी की शुरुआत रोहित शर्मा ओर शुभमन गिल करते हैं। इन दोनो ने ही अंतिम बार चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पारी की शुरुआत की थी। रोहित की बढ़ती उम्र को देखते हुए अब उनकी जगह पर अभिषेक को पारी शुरु करने का अवसर मिलना तय माना जा रहा है। इस युवा ने एशिया कप में अपनी बल्लेबाजी से कई नये रिकॉर्ड बनाये हैं।

ऐसे में चयनकर्ता अभिषेक को एशिया कप में उनके प्रदर्शन के आधार पर एकदिवसीय टीम में शामिल करने पर विचार कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि चयनकर्ता दबाव के हालातों में अच्छा प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता से प्रभावित हैं। वह एशिया कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 4 पारियों में 208.43 के स्ट्राइक रेट से 173 रन बनाए हैं।

एकदिवसीय टीम में अभिषेक के चयन से यशस्वी जायसवाल की संभावनाएं जरुर कम हो सकती हैं। इसका कारण है कि अभिषेक का घरेलू क्रिकेट में यशस्वी से बेहतर रिकॉर्ड है, उन्होंने 61 लिस्ट ए मैचों में 2014 रन बनाए हैं। यशस्वी ने अभी तक केवल एक एकदिवीसीय मैच खेला है।

अभिषेक शर्मा और शाहीन शाह अफरीदी के बीच हो सकती हैं 'कांटे की टक्कर'

दुबई। भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने कहा है कि रविवार को एशिया कप 2025 फाइनल में अभिषेक शर्मा और शाहीन शाह अफरीदी के बीच मुकाबला दर्शकों के लिए रोमांचक साबित होगा। मोर्कल ने इन दोनों खिलाड़ियों के साथ काम किया है और उन्हें पूरी तरह समझते हैं। उन्होंने बताया कि यह आमने-सामने का मुकाबला खेल के लिए बेहद दिलचस्प रहेगा। मोर्कल ने कहा, "शाहीन निश्चित रूप से आक्रामक गेंदबाज हैं जो बल्लेबाज को पटखनी देने की कोशिश करेंगे और अभिषेक भी पीछे नहीं हटेंगे। जब भी ये दोनों आमने-सामने आए हैं, तब हम सभी क्रिकेट प्रेमी अपनी सीटों से चिपके रहते हैं। यह खेल के लिए बहुत अच्छा है।"

दोनों खिलाड़ी 25 साल के हैं। शाहीन लंबे समय से पाकिस्तान टीम का हिस्सा हैं, जबकि भारतीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने मौजूदा एशिया कप में अपनी तेजतर्रार बल्लेबाजी से सबका ध्यान खींचा है। छह मैचों में अभिषेक ने लगातार प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने तीन अर्धशतक और तीन बार 30 या उससे अधिक के स्कोर बनाए हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच टूर्नामेंट के पहले दो मैचों में भी अभिषेक ने शाहीन की गेंदबाजी पर दबदबा बनाया। 14 सितंबर को खेले गए ग्रुप स्टेज मैच में उन्होंने फुलटॉस पर चौका लगाया, जबकि 21 सितंबर के मैच में स्क्वायर के पीछे हुक से छक्का जड़ा। मोर्कल ने कहा, "हां, तो चलिए रविवार को इसका इंतजार करते हैं और इस टक्कर का आनंद लेते हैं।" पूर्व दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज मोर्कल के अनुसार, फाइनल में यह मुकाबला सिर्फ व्यक्तिगत श्रेष्ठता का नहीं बल्कि दोनों टीमों की रणनीति और दबाव को संभालने की क्षमता का भी मापदंड होगा।

हरमनप्रीत कौर बोलीं- राजनीति नहीं, केवल क्रिकेट पर रहेगा फोकस

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इन दिनों वनडे विश्व कप 2025 की तैयारी में लगी हुई हैं। टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने आगामी आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 से पहले साफ कर दिया है कि उनकी टीम का ध्यान केवल खेल पर है, न कि राजनीति या विवादों पर। हाल ही में पुरुष एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच के बाद खिलाड़ियों के हाथ न मिलाने का मुद्दा गरमा गया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए हरमनप्रीत ने कहा कि उनका फोकस क्रिकेट पर है और ड्रेसिंग रूम में वे ऐसी बातों पर चर्चा तक नहीं करतीं।

एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से बात करते हुए हरमनप्रीत ने कहा, हम केवल मैदान पर होने वाली चीजों को नियंत्रित कर सकते हैं। मैदान के बाहर क्या हो रहा है, वह हमारे हाथ में नहीं है। हम यहां केवल खेल के लिए आए हैं और हमारा लक्ष्य अच्छा क्रिकेट खेलना है। शुरुआती मैच अहम होंगे और वही हमारे अभियान की दिशा तय करेंगे। हरमनप्रीत ने अपने सफर को याद करते हुए कहा कि यह उनके लिए गर्व का क्षण है कि वे घरेलू मैदान पर भारत की कप्तानी कर रही हैं। उन्होंने कहा, जब मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया था, तब सिर्फ भारत का प्रतिनिधित्व करना चाहती थी। अब विश्व कप में टीम की कप्तानी करना अविश्वसनीय अनुभव है। यह पल मेरे लिए बेहद खास है।

भारतीय कप्तान ने टीम के फाइनल रिकॉर्ड पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत ने 1997, 2005 और 2017 में फाइनल तक का सफर तय किया, लेकिन खिताब जीतने से चूक गया। इस बार टीम का लक्ष्य उस कमी को पूरा करना है। उन्होंने कहा, हमने पिछली गलतियों से सीखा है। इस बार हम आत्मविश्वास के साथ खेलेंगे और पल का आनंद लेंगे। उनके साथ मौजूद अन्य कप्तानों ने भी यही रुख अपनाया। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली ने कहा कि उनकी टीम को हमेशा दावेदार माना जाता है, लेकिन हर टूर्नामेंट नई चुनौती लेकर आता है। सिर्फ इसलिए आसान नहीं हो जाता कि हमने पहले खिताब जीते हैं। हर दिन हमें बेहतर बनना होता है, उन्होंने कहा।

हरमनप्रीत ने यह भी बताया कि टीम ने विशेष तैयारी की है। शिविर और अभ्यास सत्र के जरिए खिलाड़ियों को माहौल से परिचित कराया गया है। उनके मुताबिक, हमने अनुकूलन के लिए पर्याप्त मैच खेले हैं और हमारे पास आंकड़े व अनुभव मौजूद हैं। इसलिए हम पूरी तरह से तैयार हैं। भारत की महिला टीम अब एक बार फिर खिताब जीतने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

स्कूल जा रहें 12 वर्षीय छात्र के अपहरण का प्रयास

लांजी (पद्मेश न्यूज)। बहेला थाना अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला बहेला में अध्यनरत एक बारह वर्षीय छात्र दीपक पिता कवल बसेना को दो अज्ञात नकाबपोश व्यक्तियों द्वारा उस समय अगवा करने का प्रयास किया गया जब वह 10.30 बजे अपने गांव चिचेवाड़ा से बहेला आ रहा था। इस संबंध मे प्राप्त जानकारी अनुसार बताया जाता है कि ग्राम चिचेवाड़ा से शासकीय माध्यमिक शाला बहेला में अनेकों छात्र पढ़ने आते है। चिचेवाड़ा से बहेला की दूरी लगभग एक देढ किमी है और बीच मे दड़बड़ाटोला के पास पलाश का जंगल है जहाँ सुनसान एरिया है, जब दीपक अपने साथियों के साथ इस सुनसान जगह पर पहुंचा तो उसके साईकिल की चैन में खराबी आने के कारण वह अपने साथियों

से पिछड़ गया, इसी समय दो नकाबपोशो ने दीपक को पकड़कर पलाश के जंगल मे ले जाने का प्रयास किया, जिससे छात्र दीपक घबरा गया और चिखने चिल्लाने का प्रयास किया तभी एक नकाबपोश ने उसका मूंह दबाने का प्रयास किया, तब दीपक ने अपने दांतो से उस नकाबपोश के हाथों को काट दिया और दीपक पर नकाबपोशो की पकड़ ढिली पड़ गई जिसका फायदा उठाकर दीपक उनके चंगुल से छुटकर गांव की तरफ भागने मे सफल होगा गया। छात्र दीपक ने घर जाकर घटना के बारे मेरे अपने परिवार जनों को बताया तब परिवार के लोगों ने घटना स्थल पर आकर अज्ञात नकाबपोशो का पता लगाने का प्रयास किया लेकिन कोई पता नहीं चला। तब इसकी सूचना स्कूल प्राचार्य को दी गई, सूचना मिलते ही प्राचार्य श्री फरदे अपने टीचर स्टाफ के साथ थाना बहेला पहुंचे एवं घटना की शिकायत दर्ज कराई गई। सूचना पाते ही थाना बहेला का स्टाफ मौका वारदात पर पहुंचा और घटना स्थल का जायजा लेकर नकाबपोशो का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है, इस घटना के बाद स्कूली छात्रों एवं पालकों मे भय व्याप्त है, स्कूल प्रबंधन ने भी अपने ग्रूप में घटना का उल्लेख करते हुये शिक्षकों एवं छात्रों को सचेत रहने एवं छात्रों को समुह में स्कूल आने का सूझाव दिया हैं। समाचार लिखे जाने तक यह ज्ञात नहीं हो सका है कि छात्र का अपहरण करने वाले कहाँ के थे, किस साधन से घटनास्थल तक पहुंचे थे, और अपहरण का उद्देश्य क्या था? चूंकि छात्रों के अपहरण के प्रयास की यह घटना गंभीर चिंता का विषय है इसलिए बहेला पुलिस को इसे एक चुनौती के रुप मे स्वीकारते हुये अज्ञात अपहरणकर्ताओ को धर दबोचने का सफल प्रयास करना होगा क्योंकि घटना स्थल थाने से महज आधा किमी का है।

केशव विद्यालय की छात्रा धरा देशमुख का राज्य स्तरीय शालेय प्रतियोगिता में हुआ चयन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। केशव इंग्लिश हायर सेकेंडरी विद्यालय की कक्षा १० वीं की छात्रा धरा देशमुख का चयन हेडबाल खेल विधा में राज्य स्तरीय के लिये हुआ है। जो. ४ से ८ अक्टूबर २०२५ को राज्य शालेय खेल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिये शुंजापुर रवाना होगी। ज्ञात हो कि धरा का चयन इसके पूर्व बैडमिंटन में संभाग के लिये भी हो चुका था। केशव विद्यालय के प्राचार्य प्रदीप शर्मा एवं समस्त शिक्षक शिक्षिकाओ एवं विद्यालय प्रबंधन ज्ञान विकास समिति के समस्त् सदस्यों ने धरा देशमुख की इस सफलता पर शुभकामनायें प्रेषित की है।

देवी तालाब के सौंदर्यीकरण में नपा निरंतर क्रियाशील

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा देवी तालाब की स्वच्छता एवं सौंदर्याकरण को ध्यान में रखते हुए तथा एन.जी.टी. के निर्देशानुसार तथा स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 के तहत देवी तालाब की स्वच्छता के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में देवी तालाब वार्ड क्रमांक 06 की प्रतिदिन साफ-सफाई कर परिसर एवं आस-पास के क्षेत्र को स्वच्छ रखा जा रहा है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री बीडी कतरोलिया ने बताया कि नगर पालिका की स्वच्छता टीम द्वारा तालाब क्षेत्र में नियमित रूप से तालाब के भीतर की गंदगी व जलकुंभी की सफाई, नालियों एवं ड्रेनेज की सफाई, तालाब किनारों की धुलाई, तथा कचरे के उठाव का कार्य किया जा रहा है। देवी तालाब क्षेत्र में गंदगी फैलाने वाले व्यक्तियों पर नजर रखने के लिए सी.सी.टी.व्ही. कैमरे लगाए जाने के साथ-साथ नगर पालिका स्वास्थ्य शाखा के कर्मचारी श्रीमति काजल डोंगरे, उपस्वच्छता पर्यवेक्षक, श्री मोहित चौधरी, सुपरवाईजर वार्ड क्र. 06 एवं नरेन्द्र मेश्राम, सुपरवाईजर वार्ड क्र. 16 की ड्युटी देवी तालाब परिसर में स्वच्छता बनाये रखने तथा जो नागरिक बार बार चेतावनी के बावजूद देवी तालाब परिसर एवं आसपास खुले में कचरा फैला रहे है इन पर चालानी कार्यवाही किये जाने के लिये लगायी गई है।

श्री कतरोलिया ने बताया कि कैलाश जलपान बस स्टैण्ड द्वारा देवी तालाब परिसर में कचरा फेकने पर नगर पालिका द्वारा इनसे राशि 1000 रूपए का जुर्माना वसूला गया है। साथ ही इन्हें भविष्य में कचरा केवल निर्धारित स्थानों एवं नगर पालिका के कचरा वाहनों में ही डालने की हिदायत दी गई है। वर्तमान में भी सीसीटीव्ही फुटेज के माध्यम से देवी तालाब परिसर में कचरा फेकने वाले व्यक्तियों को चिन्हांकित कर लिया गया है, इन पर जुर्माने की कार्यवाही की जाएगी।

नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा आम नागरिको से अपील की गई है कि देवी तालाब परिसर में कचरा न फैलाएँ। घरों एवं दुकानों का कचरा केवल नगर पालिका के वाहनों में ही डाले। स्वच्छत नियमों का पालन करे और दुसरो को भी प्रेरित करे। ध्यान दें, भविष्य में भी उल्लंघन करने वालों पर सख्त चालानी कार्यवाही जारी रहेगी।

महाविद्यालय लामता में बनाया गया 57 वां राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस

लामता(पद्मेश न्यूज)। शासकीय महाविद्यालय लामता राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा मनाया गया 57 वां राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस महात्मा गांधी की जनशताब्दी में शुरू हुई भारत सरकार की योजना का 57 वां स्थापना दिवस शासकीय महाविद्यालय लामता में बनाया गया जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य डॉ सुनीता वैद्य के द्वारा, कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ डुलेश्वरी टेम्भरे के मार्गदर्शन में मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला संगठन राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ निर्मल चक्रधर तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जन भागीदारी अध्यक्ष श्री विनोद बोथरा जी उपस्थित रहे ।

कार्यक्रम की शुरुआत मां वीणा वादिनी के पूजन वंदन से हुई उसके पश्चात भारतीय ज्ञान परंपरा के अनुसार अतिथियों के स्वागत से राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने अपने संस्कारों का परिचय दिया तथा उसके पश्चात लक्ष्य गीत के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना के त्यौहार के

रूप में मनाया जाने वाले स्थापना दिवस की शुरुआत हुई। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ अपनी सहभागिता दी। महाविद्यालय की साल भर में हासिल की गई उपलब्धियां को बताया गया जिसमें डॉ डुलेश्वरी टेम्भरे राष्ट्रीय एकता शिविर, माई भारत मास्टर ट्रेनर, राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शिविर अमरकंठक, विश्वविद्यालय स्तरीय सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रम अधिकारी,प्राची झारिया गणतंत्र दिवस परेड शिविर, राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शिविर अमरकंठक, प्रतीक चौधरी राष्ट्रीय एकता शिविर 2025 , हरेंद्र बघेल राज्य स्तरीय शिविर, विश्विद्यालय स्तरीय पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर, संभव राहंगडाले मां तुझे प्रणाम, रविंदर बघेले राष्ट्रीय एकता शिविर, विकास बिसेन विश्वविद्यालय स्तरीय सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक के रूप में चुने गए । राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस के कार्यक्रम में स्वयंसेवकों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की मनमोहक प्रस्तुति दी गई , जिसमें लोकनृत्य, भजन, गीत जैसी विधाएं शामिल रही साथ ही स्वयंसेवकों के साथ जिला संगठक राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ निर्मल चक्रधर जी ने भी मनमोहक गीत से कार्यक्रम की शोभा बढ़ा दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ ढालसिंह गौतम द्वारा किया गया समस्त महाविद्यालय के अधिकारी कर्मचारी और शिक्षकों ने छात्र छात्राओं ने उपस्थित हो कर कार्यक्रम में भाग लिया । तत्पश्चात राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में खाने की व्यवस्था रखी गई। कार्यक्रम का समापन वृक्षारोपण कर किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय परिवार, समाजसेवी, जन भागीदारी अध्यक्ष एवं सदस्य, पत्रकार बंधुओ राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ स्वयंसेवको का अतुलनीय योगदान रहा।

जनजातीय सहायक आयुक्त श्रीमती डामोर ने ग्राम विजन 2030 की कार्ययोजना की समीक्षा की

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक ग्राम विजन 2030 के लिये कार्य योजना तैयार की जा रही है। इस कार्ययोजना की 27 सितंबर को सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर द्वारा समीक्षा की गई, जिसमे मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत बैहर/बिरसा उपस्थित रहे।

बैठक में बताया गया कि विकासखण्ड बिरसा में 59 ग्राम एवं विकासखण्ड बैहर में 59 ग्राम की कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इस दौरान कन्या शिक्षा परिसर बिरसा के प्राचार्य योगेश वराडे एवं शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बैहर के प्राचार्य आलोक चौरे के द्वारा कार्ययोजना तैयार करने के लिये जनपद पंचायतों के सचिवों को प्रशिक्षण दिया गया।

गौ तस्करी के आदतन अपराधी की जमानत याचिका खारिज

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्रीमती नेहा ठाकुर ने गौ वंश तस्करी के एक प्रकरण में आरोपी दिनेश पिता राजेन्द्र टांडेकर की जमानत याचिका निरस्त कर दी। आरोपी के विरूद्ध दर्ज अपराध प्रकरण क्रमांक 295/2019 में धारा 437ए(5ए) दंड प्रक्रिया के तहत जमानत याचिका निरस्त कर जेल भेज दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार अभियुक्त दिनेश टांडेकर प्रकरण ईत्रमांक 295/2019 मुकेश सहित तीन के मामले में म.प्र. शासन द्वारा आदतन अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही थी। अभियुक्त दिनेश टांडेकर के विरूद्ध 6 अपराध थाना कटंगी एवं तिरोड़ी में दर्ज है। इस संबंध में अभियुक्त की ओर से न्यायालय में जमानत के लिए 9 जनवरी 2024 को आवेदन प्रस्तुत किया गया था लेकिन अभियुक्त की ओर से जमानत की शर्तों का लगातार उल्लंघन किया जारहा था और वह गौवंश की तस्करी के मामले में निरंतर संलिप्त रहा। म0प्र0 शासन द्वारा गौवंश तस्करों के विरूद्ध शिकंजा कसने के उद्देश्य से कार्यवाही की जा रही है जिसमें अधिकतर मामलों में दिनेश टांडेकर का नाम आ रहा है । न्यायालय ने पूर्व में ही अभियुक्त के खिलाफ गिरफ्तारी वारंटी जारी कर रखा था फिर भी वह लगातार फरार चल रहा था। लगातार जमानत याचिका निरस्त होने पर अंततः आरोपी न्यायालय में पेश किया। प्रकरण में सुनवाई करते हुए न्यायिक मजिस्ट्रेट ने जमानत से जुड़ी शर्तों के निरंतर उल्लंघन के कारण आरोपी की ओर से दायर जमानत याचिका निरस्त करते हुए उसे जेल भेजने के आदेश दिए।

सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत कराते खिलाड़ियों ने किया पौधोंरोपण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। खेल एवं युवा कल्याण विभाग जिला कराटे प्रशिक्षण केंद्र बालाघाट के खिलाड़ियों द्वारा बालाघाट आनंद क्लब के संयुक्त तत्वावधान में 25 सितंबर को मुलना स्टेडियम खेल परिसर कराते गार्डन के पास पौधारोपण एवं साफ सफाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेवा पखवाड़े एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत खेल प्रेमियों, खिलाडियों एवं कर्मचारियों द्वारा फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया गया।

इस अवसर पर आनंद क्लब एवं खेल विभाग कराते सेन्टर, एथलेटिक्स खिलाड़ीयो एवं स्टेडियम के सभी खिलाड़ियों द्वारा सामूहिक वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

प्रशिक्षु आईएफएस ने ग्रामीणों से किया संवाद सुनी समस्याएं नुक्कड़ नाटक से वन्यजीव संरक्षण का दिया संदेश

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। दक्षिण सामान्य बालाघाट के वन परिक्षेत्र कटंगी के अंतर्गत आने वाले पठार इलाके के ग्रामीण अंचलों में वन विभाग ने विशेष अभियान चलाया. ग्रामीणों में वन, वन्य प्राणियों के प्रति जागरूकता के लिए जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक का आयोजन स्थानीय कलाकारों के सहयोग से किया गया. दरअसल, इस वर्ष वन परिक्षेत्र कटंगी के पठार इलाके में वन्य जीव बाघ और मनुष्यों के टकराव की सर्वाधिक घटनाएं हुई. पठार अंचल के तीन लोगों असमय जान चली गई. जिसके बाद ग्रामीणों और वन विभाग के बीच स्थापित संबंधों में टकराव भी देखा गया. अब वन विभाग फिर से ग्रामीणों के बीच अपने संबंधों को स्थापित करने और ग्रामीणों को जागरूक करने की पहल कर रहा है. इसी कड़ी में मुख्य वन संरक्षक गौरव चौधरी, दक्षिण सामान्य वन मंडल अधिकारी बालाघाट अधर गुप्ता के मार्गदर्शन में वन्यजीव संरक्षण के लिए नुक्कड़ नाटक और जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षु आईएफएस जितेन्द्र कुमार मीणा, उपवन मंडल अधिकारी बी.आर. सिरसाम, वन परिक्षेत्र अधिकारी बी.एल.चड़ार, मास्टर ट्रेनर सुरेन्द्र वड़ीचार और वन विभाग की टीम

के द्वारा स्थानीय प्रतिभाशाली कलाकारों के माध्यम से मानव वन्यजीव संघर्ष में आत्मरक्षा के लिए जन जागरूकता और वन्यजीव संरक्षण की दृष्टिकोण से नुक्कड़ नाटक का सजीव चित्रण स्थानीय समुदाय और संयुक्त प्रबंधन समिति सदस्यों के बीच किया गया. ग्राम मासुलखापा के शासकीय माध्यमिक स्कूल में यह आयोजन हुआ. जिसमें प्रधानपाठक गजानन पुष्पतोड़े, शिक्षक संजय गभने, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता चन्द्रकला बोपचे का महत्वपूर्ण योगदान रहा. नाटक के साथ प्रतियोगी परीक्षा में हिस्सा लेने वाले छात्र अंकित पुष्पतोड़े और सलोनी सेलोकर को वन विभाग ने प्रोत्साहित करते हुए सम्मानित किया. वन विभाग ने ग्राम कोड़बी में जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन करवाया. कार्यक्रम में सरपंच प्रतिनिधि अजय जगजीवन, पूर्व सरपंच शरद सहारे, संतोष पुष्पतोड़े, स्थाई पटेल मोरेश्वर डहरवाल, कांतीलाल पुष्पतोड़े, दिलीप गुप्ता, बिसनलाल पुसाम, रामकुसन झोड़े, शत्रुघन पुष्पतोड़े विशेष अतिथि रहे. यहां बड़ी संख्या में ग्रामीणजन शामिल हुए. ग्रामीणों ने प्रशिक्षु आईएफएस जितेन्द्र मीणा ने संवाद किया. ग्रामीणों ने बताया कि उनके खेतों को वन्य प्राणी नुकसान पहुंचा रहे है. अधिकारी ने ग्रामीणों को बताया कि वन विभाग और सरकार इस दिशा में गंभीर कदम उठा रही है. जंगल से सटे खेतों में सोलर करंट का प्राक्कलन सरकार को भेजा गया है. इसके पूर्व ग्राम महकेपार पावर हाउस के पास से वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों ने जागरूकता रैली निकाली, जिसमें ग्राम महकेपार, कन्हड़गांव, अंबेझरी, कुड़वा, गोरेघाट, हेटी, बड़पानी में भम्रण करते हुए मासुलखापा में विराम लिया।

जनसंवाद और नाटक के जरिए वन्यजीवों और मनुष्यों के टकराव को रोकने के प्रयास से आमने-सामने होने पर क्या करें (खड़े रहें, शोर मचाएं, पीछे हटें), क्या न करें (दौड़ें नहीं, खिलाएं नहीं) और बचाव के तरीके (कचरा न फैलाएं, बाढ़ लगाएं, रोशनी और शोर का उपयोग) को छोटे-छोटे दृश्यों और संवादों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया. कार्यक्रम के अंत में वन्य जीवों की सुरक्षा का संकल्प के साथ समापन किया गया. कार्यक्रम का संचालन मास्टर ट्रेनर सुरेंद्र वडीचार द्वारा किया गया. उन्होंने वन्य जीव से संबंधित बच्चों को रोचक कहानियां सुना कर उन्हें मंत्रमुग्ध कर दिया और ज्ञानवर्धक जानकारी दी।

बैगलेस डे- छात्राओं का थाने का कराया गया भ्रमण

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। विकासखंड मुख्यालय कटंगी के शासकीय कन्या माध्यमिक शाला की छात्राओं ने शनिवार को दोपहर साढ़े 12 बजे थाना का शैक्षणिक भ्रमण किया. इस दौरान छात्राएं पुलिस के कार्य से रूबरू हुई और पुलिस की कार्यशैली को नजदीक से जाना. छात्राओं को लग रहा था कि पुलिस का काम केवल चोरों को पकड़ना ही है लेकिन जब वह थाने का भ्रमण करने के लिए पहुंची तो उन्हें पुलिस के कार्यों की सहीं जानकारी मिली. थाना प्रभारी धमेन्द्र कुशराम ने छात्राओं को बताया कि पुलिस का काम केवल चोरों को पकड़ना ही नहीं है बल्कि समाज में बेहतर नागरिक का निर्माण करना भी है. थाना प्रभारी ने छात्राओं को बताया कि पुलिस कानून और

व्यवस्था बनाती है. जनता की जान-माल की रक्षा करती है अपराधों को रोकती और अपराधियों को पकड़ती है. अपराधियों को सजा देने का काम पुलिस का नहीं बल्कि न्यायालय का होता है जो अपराधियों को दंडित करती है. पुलिस सार्वजनिक शांति बनाने का काम करती है और यातायात को नियंत्रित करने में भी अपनी बड़ी भूमिका निभाती हैं. थाना प्रभारी ने छात्राओं से कहा कि वह अपने परिवार के सभी सदस्यों को कानून और यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करें. अगर घर का कोई भी सदस्य बिना हेलमेट पहने बाइक चला रहा है तो उसे ऐसा करने से रोके. थाना प्रभारी ने कहा कि खूब मेहनत कर शिक्षा अर्जित करने और अपना, अपने परिवार का और क्षेत्र का नाम रोशन करें. शिक्षा अर्जित करने से ही गरीबी का अंत होता है. इस दौरान संस्था के प्रधान पाठक एम.एल.भलावी, शिक्षिका लक्ष्मी मरावी, अनिता देशमुख, उषा मासुरकर और माध्यम पटले उपस्थित रहे. छात्राओं को थाने का भ्रमण करवाने के लिए जवाहर बाल उद्यान का भी भ्रमण करवाया गया. बता दें कि 6वीं से लेकर कक्षा 8वीं तक के विद्यार्थियों का समग्र विकास करने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत प्रत्येक माह के एक शनिवार को बैगलेस डे का अहम निर्णय लिया है. यानी इस दिन बच्चे बिना बैग के स्कुल आते है. इस दिन बच्चों के लिए सांस्कृतिक, साहित्यिक और व्यावहारिक गतिविधियां की जाती है।

सोनपुरी मे भक्तिभाव से हो रही है आदिशक्ति मातारानी की आराधना

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी हनुमान मंदिर सोनपुरी (किरनापुर) के प्रांगण में सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति द्वारा शारदीय नवरात्रि पर्व बड़े ही भक्तिभाव से मनाया जा रहा है। समिति पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा आदिशक्ति की मनोहारी प्रतिमा स्थापना कर सुबह शाम पूजन अर्चन कर आरती पूजन एवं प्रसादी वितरण किया जा रहा है तो रोजाना अनेक धार्मिक कार्यक्रम व रंगारंग कार्यक्रमो का संचालन सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति सोनपुरी द्वारा किया जा रहा है। सुबह शाम

आरती पूजन कर दोपहर समय मे जस गायन कर मातारानी की आराधना की जा रही है। इसी क्रम में शुक्रवार दिनांक 26 सितंबर 2025 गरबा नृत्य एवं विशाल भंडारा शनिवार 27 सितंबर को मां तुलजा भवानी जागरण ग्रुप रविवार 28 सितंबर डांस कार्यक्रम सोमवार को दुय्यम शायरी का मुकाबला मंगलवार तथा बुधवार जस भजन कार्यक्रम होगा तो वहीं 2 अक्टूबर दिन शनिवार को विशाल भंडारा एवं रावण दहन का किया जाएगा। इन समस्त कार्यक्रमों में सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति सोनपुरी अध्यक्ष भूपेंद्र अजीत उपाध्यक्ष कमलेश चौधरी चंदू रहांगडाले सचिव नंदकिशोर पांचे कोषाध्यक्ष कृष्ण कुमार बावनथड़े सहसचिव अतुल उयके ,संरक्षक मंडल-श्री लिखनलाल कावरे गंगाराम निखाड़े खुमेशचंद्र अजीत श्री राम नागफांसे मारुति मिश्रेकर हुकुमचंद सिल्हारे धर्मेंद्र वराड़े बालकृष्ण अर्जुनवार पवन बिसेन चैनलाल उयके किशन लाल उयके लोकेश अजीत अरविंद वराड़े सुनील कावरे बंटी अर्जुनवार योगेश ब्रम्हे भरत भूते कपूर चंद पांचे रवि अजीत,पंडा बाबा-गंगा नंद मिश्रा जी झारखंड,सिद्धार्थ वैध,विशेष सहयोग जगदीश निखाड़े,,सदस्य गण- राधेश्याम इड़पांचे, मनोज भीमटे प्रहलाद गोखले किसेंद्र पांचे, नागेंद्र हरिद्रवार दुर्गेश चौधरी उज्जवल हरिंद्रवार लोकेश गोखले सौगात ब्रम्हे विशिष्ट अजीत शिवम वराड़े प्रिंस वराड़े आयुष ब्रम्हे चिरंजीवी अजीत राजा कावरे चंद्रभान उयके कार्तिक पांचे भावेश किसान रोहित निखाड़े तपेश कावरे कोहिनूर ब्रम्हे हर्ष पांचे प्रकाश मेश्राम सुजल नेवारे घनश्याम जांगड़े पीतम निखाड़े राजकुमार बाहे धर्मेंद्र जांगड़े सुंदरलाल निखाड़े पूरन उयके मुन्ना कावरे अशोक निखाड़े एवं समस्त ग्रामवासी एवं विशेष सहयोग में माता रानी ग्रुप, महाकाल ग्रुप ,भाई भाई ग्रुप ,बाल गणेश ग्रुप में शामिल होकर पुण्य लाभ लेने की अपील की है।

कविता के प्रति श्रोताओं में दिखी दीवानगी बारिश में भीग कर भी सुना काव्य पाठ

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट जिले के रामपायली से महज चार किलोमीटर दूर कनार टोला अमई में नवरात्रि पर्व के पांचवे दिन कवि सम्मेलन में बारिश के साथ ही कवियों ने काव्य रस की खूब बरसात की. रात्रि 9.30 बजे से शुरू हुए कवि सम्मेलन में महज तीस मिनट बाद ही बारिश शुरू हो गई. जहां पहले तो श्रोता कुर्सी पर ही जमे रहे फिर कुर्सियां उल्टी कर कवि सम्मेलन का लुत्फ लेते रहे लेकिन बारिश बढ़ते देख कोई स्कूल की छत के नीचे, कोई मकानों में, कोई बस स्टाप, कोई छाता तो कुछ मंच पर ही बैठ गये और देर रात तक ठहाके लगाते रहे. कवि सम्मेलन के प्रति यहां श्रोताओं की दिवानगी देखते ही बन रही थी. श्रोताओं की जीवटता ने कवियों को देर रात के काव्य पाठ करने के लिए मजबूर

कर दिया. अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का संयोजन संजय अश्क बालाघाटी और संचालन देश के दिग्गज कवि दिनेश देहाती ने किया. सर्वप्रथम मां सरस्वती की वंदना कर बालाघाट के कवि किशोर सागर ने बेहतरीन काव्यपाठ कर खूब तालियां बटोरी. मिरगपुर के हास्य-व्यंग्य कवि शैलेश इनायत की कविता तेरे मोहल्ले का इंतजाम ब ?ा कडा रहता है, हर गेट पर कुत्ता खड़ा रहता है पर श्रोताओं ने खूब ठहाके लगाएं. हास्य कवि अंतू झकास की कविता अपना क्या पर श्रोता लोट-पोट हो गये. उनके चिर-परिचित अंदाज ने हंसा हंसा कर श्रोताओं को पागल कर दिया. जांजगीर छत्तीसगड़ के वरिष्ठ कवि भैयालाल नागवंशी के गीत श्रोताओं के अंतर्मन तक जा बसे. उनके गीतों पर श्रोताओं का खूब प्यार मिला. छिंदवाड़ा के छंदों के हास्य सम्राट भुवन सिंह धांसू के छंदों पर जमकर ठहाके लगे. उनके अनेक छंदों पर श्रोता बस हंसते और ठहाके लगाते रहे. मंच संयोजक संजय अश्क के मुक्तक तीर कमान की तरह बरसे. जिंदगी अपनी तेरी यादों की किताब लगती है, कविताएं मोहब्बत का अजाब लगती है. छोड़ने को आज ही छोड़ दूं शराब लेकिन, पीता नहीं तो तबीयत खराब लगती है पर जमकर वाहवाही मिली. नागपुर से पधारे सुदामा अक्रांत ने हास्य-व्यंग्य से खूब हंसाया. अंत में दिनेश देहाती ने शानदार काव्यपाठ कर और संचालन करते श्रोताओं को खूब हंसाया. देर रात तक चले इस कार्यक्रम में श्रोताओं ने बारिश के लगातार होते हुए भी कवि सम्मेलन का लुत्फ लेने में कोई कसर नहीं छोड़ी. अंत में समिति के तरफ से सभी कवियों का आभार अध्यक्ष सतेन्द्र शेंडे ने किया।

निम्न सोच का बयान, कैलाश विजयवर्गीय पर कांग्रेस का पलटवार

कांग्रेस जिला अध्यक्ष और पूर्व विधायक हिना ने ली प्रेस वार्ता कैलाश विजयवर्गी के बयान को बताया दिवालियापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के विवादित बयान को लेकर कांग्रेस जिला अध्यक्ष संजय उइके और पूर्व विधायक हिना कावरे ने स्थानीय सर्किट हाउस में एक पत्रकार वार्ता ली ,जहां हिना कावरे द्वारा प्रेस को संबोधित करते हुए बताया गया कि भाजपा के मंत्री को इस प्रकार से बयान नहीं देना चाहिए था, जबकि भाई बहन के इस पवित्र रिश्ते को लेकर इस प्रकार का बयान इतने वरिष्ठ मंत्रियों के द्वारा दिया जाना कहीं ना कहीं उनकी निम्न मानसिकता को दर्शाता है । जबकि वह उन्हें बड़े नेता मानती थी , किंतु इस प्रकार का बयान देकर उन्होंने अपनी सोच को दर्शाया है । उन्होंने बताया कि आज देश में दो संविधान काम कर रहे हैं । एक बाबा साहब अंबेडकर द्वारा बनाया गया संविधान है और दूसरा बीजेपी के वरिष्ठ मंत्रियों द्वारा बनाया गया संविधान है। जिसमें वह अपने हिसाब से रिश्ते नाते को चलाते हैं और अपने हिसाब से धर्म की परिभाषा बताते हैं , ऐसे कई गंभीर आरोप पूर्व विधायक हिना कावरे ने भाजपा पर लगाए और इस प्रकार से की गई अनर्गल बयान बाजी पर और उग्र आंदोलन किए जाने की बात प्रेस वार्ता के माध्यम से हिना कावरे ने कही है ।

आपको बता दे कि मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के विवादित बयान के खिलाफ कांग्रेस आक्रामक है। विरोध स्वरूप मंत्री का पुतला फूंकने के अगले दिन शनिवार को कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर पूर्व विधायक हिना कावरे ने सर्किट हाउस में प्रेसवार्ता ली। इस दौरान बैहर विधायक और जिलाध्यक्ष संजय उइके, शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्याम पंजवानी, योगराज कारो लिल्हारे, जीतू बर्वे समेत अन्य कांग्रेसी मौजूद रहे। हिना कावरे ने कहा कि मंत्री विजयवर्गीय का भाई-बहन जैसे पवित्र रिश्ते को लेकर दिया गया बयान उनकी निम्न सोच को दर्शाता है। पहले मैं सोचती थी कि वह वरिष्ठ नेता हैं। उनसे राजनीति में बहुत कुछ सीखने मिलेगा, लेकिन इस बयान के बाद उन्हें सुनना तो दूर, उनसे दूरी बनाना ही बेहतर होगा। जब भाजपा के वरिष्ठ नेता की ऐसी सोच है, तो निचले नेताओं की सोच कैसी होगी? भाजपा जो कहती है, उसका ठीक उल्टा क्रियान्वयन करती है। जब से भाजपा सत्ता में आई है, तब से देश में दो संविधान हैं। एक जो बाबा साहेब डा. आंबेडकर ने बनाया, दूसरा भाजपा का अपना संविधान है। भाजपा के संविधान में वह लोगों को ये बता रहे हैं कि कोई व्यक्ति का कहां जाएगा, कहां नहीं, क्या पहनेगा, क्या नहीं, कौन-से धर्म को मानेगा, कौन-से धर्म को नहीं मानेगा। पूजा-पाठ कैसे करेगा? कैलाश विजयवर्गीय ने कौन-सी धुन में भाई-बहन के रिश्ते को कलंकित करने वाला बयान दिया, ये वही जानें। कुंवर विजय शाह द्वारा विजयवर्गीय के बयान का समर्थन करने के सवाल पर हिना कावरे ने कहा कि जिस नेता ने कर्नल सोफिया के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की, उसे भाजपा मंत्री पद से नहीं हटा पाई, तो ऐसे नेता ऐसी टिप्पणी करते रहेंगे। हैरानी नहीं होगी कि भाजपा कुंवर विजय शाह को अगले मुख्यमंत्री के रूप में सामने ला दे। क्योंकि वह हिंदू-मुस्लिम की बातें करते हैं।

मुख्यमंत्री को मर्यादा में बयान देना चाहिए

हाल ही में कटंगी पहुंचे मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कांग्रेस नेताओं को नालायक बताते हुए कांग्रेस पर कुछ बयान बाजी की थी । जिसको लेकर पूर्व विधायक हिना कावरे ने कहा कि मुख्यमंत्री जिस पार्टी से आते हैं, वहां के सीनियर नेताओं की सोच खराब है ,तो फिर उनके नीचे आने वाले मुख्यमंत्री से वह क्या अपेक्षा कर सकती हैं। जबकि मुख्यमंत्री को यह ध्यान देना चाहिए कि वह कौन से मंच पर हैं और किस प्रकार की बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के बड़े नेताओं की सोच खराब है ,तो वह उनसे छोटे नेताओं से क्या अपेक्षा कर सकती हैं । उन्होंने मुख्यमंत्री को अपनी मर्यादा में रहकर बयान बाजी करने की बात कही , यदि वह इस प्रकार की बयानबाजी कर रहे हैं तो उन्हें प्रदेश की जनता जल्द ही इस प्रकार से की जाने वाली बयान बाजी का जवाब चुनाव में देगी।

भाजपा जो बोलती है, वह करती नहीं

धान के समर्थन मूल्य 3100 रूपये दिए जाने को लेकर पूछे गए एक सवाल में पूर्व विधायक हिना कावरे ने कहा कि भाजपा अधिकतर जो वादे करती है, उन्हें पूरा नहीं करती, क्योंकि बीते दिनों चुनाव के समय भाजपा के घोषणा पत्र में धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये देने और लाडली बहना को 3000 रूपये दिए जाने की बात कही गई थी, किंतु भाजपा ने जो वादे किए वह पूरा नहीं किया। इसलिए वह यही कहेंगे कि भाजपा जो वादा करती है उसे कभी पूरा नहीं करती है।

बालाघाट विधायक के पक्ष में उतरी हिना कावरे

बालाघाट विधायक पर पैसे लिए जाने के आरोप को लेकर पूछे गए प्रश्न में हिना कावरे ,बालाघाट विधायक के पक्ष में उतरी और उन्होंने कहा कि जो आरोप बालाघाट विधायक पर लगाए गए थे , वह झूटे हैं। जबकि ऐसी कोई बात थी ही नहीं और भाजपा कुछ विषय को लेकर सडकों पर उतरी थी, जबकि भाजपा के इतने नेता कभी किसानों के समर्थन में सड़कों पर नहीं उतरे , ना ही भाजपा के नेताओं ने कभी किसान को समर्थन मूल्य दिए जाने को लेकर इस प्रकार का सड़कों पर आंदोलन किया।

पुराने मकान की दीवाल गिरने से गंभीर व्यक्ति की मौत

पुराने मकान की दीवार तोड़ते हुआ हादसा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । पुराने मकान की दीवार तोड़ते समय अचानक दीवाल गिरने से एक व्यक्ति दीवाल के मलबा में दबने से गंभीर रूप से घायल हो गया ।जिसकी जिला अस्पताल में मौत हो गई। मृतक मदन पिता हरिलाल पांचे 48 वर्ष वार्ड न.1 बूढ़ी बालाघाट निवासी है। जिला अस्पताल पुलिस ने इस व्यक्ति का शव जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मदन पांचे, 5 भाई है ।जिनमे दो भाई की पहले ही मृत्यु हो चुकी है। सभी लोग एक ही मकान में अलग-अलग कमरे में रहते थे। मदन पांचे के परिवार में पत्नी अनीता पांचे और दो बेटे हैं। मदन पांचे मजदूरी करता था और उसकी पत्नीअनिता पांचे भी घरेलू काम करने के लिए मजदूरी से जाती है। मदन पांचे जिस मकान में अपने परिवार सहित रहता है। वह मकान छोटा और पुराना होने के कारण मदन पांचे इस मकान को तोड़कर नए मकान बना रहा था। 27 सितंबर को दोपहर 4:30 बजे करीब मदन पांचे पुराने मकान के दीवाल को तोड़ रहा था। तभी अचानक दीवाल उसके ऊपर गिर गई और वह दीवार के मलबे में दब गया। परिवार के अन्य लोगों ने दीवाल का मलबा हटाकर मदन पांचे को बाहर निकाले जो गंभीर रूप से घायल हो गया था। जिसे तुरंत ही जिला अस्पताल लाये जहां उसकी की मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस ने मोकी के कार्रवाई की शाम हो जाने के कारण मृतक मदन पांचे के शव का पोस्टमार्टम नहीं हो पाया है। जिला अस्पताल पुलिस ने शव जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया। जिसका पोस्टमार्टम 28 सितंबर को किया जाएगा।

पंचेरा के जंगल में वन्य प्राणी चीतल का शिकार

एक व्यक्ति चीतल के कच्चे और पके मांस के साथ गिरफ्तार

वन परिक्षेत्र दक्षिण लामता के वन अमले की कार्रवाई

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वन परिक्षेत्र दक्षिण लामता के अंतर्गत पंचेरा में वनअमले ने दबिश देकर एक व्यक्ति को वन्य प्राणी चीतल के कच्चे और पक्के मांस के साथ गिरफ्तार किये ।गिरफ्तार व्यक्ति किशोर पिता

सुंदरलाल धुर्वे 42 वर्ष ने ग्राम पंचेरा थाना ग्रामीण बालाघाट निवासी है जिसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है ।इस व्यक्ति ने अपने अन्य साथियों के साथ वन्य प्राणी चीतल का शिकार किये थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार वन परिक्षेत्र दक्षिण लामता के अंतर्गत समनापुर सर्किल के पंचेरा बीट के जंगल 26 सितंबर को सुबह किशोर धुर्वे ने अपने साथियों के साथ मिलकर वन्य प्राणी चीतल का जंगल मे खेदा करके शिकार किए थे और उसका मांस कुल्हाड़ी और हंसिया से काटकर आपस में बटवारा कर लिए थे। जिसकी सूचना मिलने पर वन अमले ने ग्राम पंचेरा में घेराबंदी कर किशोर धुर्वे के घर दबिश दिए और किशोर धुर्वे के घर से वन्य प्राणी चीतल का कच्चा और पका मांस जप्त किया गया । पूछताछ करने पर इस व्यक्ति ने अपने एक साथी मेघसिह टेकाम सहित अन्य लोगों के साथ मिलकर वन्य प्राणी चीतल का शिकार करना बताया। जिसके पास से चीतल का शिकार करने में प्रयुक्त कुल्हाड़ी हंसिया सहित अन्य सामान जप्त किया गया है। इस मामले में प्रकरण क्रमांक 2742/78 में वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर इस अपराध में किशोर धुर्वे को गिरफ्तार कर उसे बालाघाट की विद्वान अदालत में पेश कर दिए। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है ।इस मामले में मेघसिह टेकाम सहित अन्य आरोपी फरार है जिनकी तलाश की जा रही है ।इस कार्यवाही में कंचन खंडागले परिक्षेत्र सहायक समनापुर, वनरक्षक नीरज खटीक, श्री देवांशु यादव, राजा मेरावी, दीपक सेंगर, तुलसीदास तिवारी, श्रीमती संगीता याहूशा, स्थाई कर्मी भागमल नगपुरे, वाहन चालक शाजिद कुरैशी सुरक्षा श्रमिक श्रीकृष्ण मुरारी कुतराहे बृजेश उईके ,बस्ताराम उईके,योगेश पिछोड़े, रमेश बनोटे की सराहनीय भूमिका रही।

एक युवक की जहरीले कीड़े काटने से मौत

एच सी एल मैं नौकरी करता था संदीप

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मलाजखंड के टाउनशिप में बीती रात एक युवक संदीप पिता राजेंद्र नागर 32 वर्ष को किसी जहरीले कीड़े ने काट दिया जिसकी जिला अस्पताल जाते समय रास्ते में मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मलाजखंड टाउनशिप संदीप नागर हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड मलाजखंड में नौकरी करता था। जिसके परिवार में पत्नी, माता-पिता,एक छोटा भाई विकास नागर और 4 माह का एक बेटा है। जिसके पिता राजेंद्र नागर हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड में सुरक्षा गार्ड है। बताया गया कि 26 सितंबर की रात्रि संदीप नागर अपने परिवार के साथ सो रहा था। तभी रात्रि 10:00 बजे के आसपास संदीप नागर के पैर में किसी कीड़े ने काट दिया था। किंतु संदीप नागर ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। 27 सितंबर को सुबह अचानक संदीप नागर की स्वास्थ्य खराब हो गया। जिसे हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के ही अस्पताल में ले गए थे। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद संदीप नागर को जिला अस्पताल बालाघाट रिफर गया था। जिला अस्पताल बालाघाट में संदीप नागर को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिये। संदीप नागर की मलाजखंड से जिला अस्पताल बालाघाट लाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.९, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट